वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

• वर्ष 8 • अंक 33 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली मंगलवार 24 मार्च 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

MP में मामा की वापसी, सिंधिया की एंट्री से चौथी बार पाई सत्ता

चौथी बार शिवराज सिंह बने सीएम, राजभवन में ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

(विशेष संवाददाता)

भोपाल । शिवराज सिंह चौहान चौथी बार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बन गए हैं। राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे पहले, सोमवार शाम बीजेपी विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुन लिया गया था। नेता चुने जाने के बाद शिवराज ने कहा, मैं ईमानदारी से मध्य प्रदेश के विकास के लिए काम करूंगा। लेकिन अभी **COVID-19** के प्रसार को रोकना उद्देश्य है। मैंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि शपथग्रहण समारोह का जश्न न मनाएं और सड़कों पर न निकलें। उन्हें घर पर रहना चाहिए और नई सरकार के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

पीएम ने दी बधाई

पीएम नरेंद्र मोदी ने शिवराज को सीएम बनने पर बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट मे कहा, शिवराज सिंह चौहान को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई। वह एक योग्य और अनुभवी प्रशासक हैं जो एमपी के विकास को लेकर बेहद जुनूनी हैं। राज्य को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं।

भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पार्टी विधायकों की बैठक में प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने दल के नेता के चयन के लिए विधायकों को आमंत्रित किया। जिस पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष गोपाल भार्गव ने विधायक दल के नेता के रूप में चौहान के नाम का प्रस्तावित किया, जिसका सभी विधायकों ने समर्थन किया। बैठक में पर्यवेक्षक बनाए गए राष्ट्रीय महासचिव अरुण और एमपी के प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे वीडियो

कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। भाजपा की सरकार बनना तय है, क्योंकि वर्तमान में भाजपा के पास सदन में उपलब्ध सदस्यों की संख्या के मुकाबले बहुमत है।

मास्क लगाकर मीटिंग में आए विधायक

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा का कहना है, रीवा, सीधी, सिंगरौली आदि स्थानों के विधायक बैठक में नहीं आ पाए, मगर उनकी सहमति ली गई। कुल विधायकों में 8085 प्रतिशत विधायक बैठक में पहुंचे। भाजपा ने कोरोनावायरस को लेकर बैठक में हिस्सा लेने आने वाले विधायकों को अन्य किसी को साथ न लाने के निर्देश दिए थे, जिसका सभी ने पालन किया।

इसके अलावा विधायक मॉस्क लगाए हुए थे और उन्होंने सेनेटाइजर का उपयोग कर ही बैठक में हिस्सा लिया। 230 सदस्यों वाली विधानसभा में 25 स्थान रिक्त हैं। वर्तमान में 205 विधायक हैं, जिसमें भाजपा के 106 विधायक हैं। सपा का एक, बसपा दो और चार निर्दलीय हैं। इस तरह वर्तमान में भाजपा को बहुमत हासिल है।

इस तरह 25 स्थानों पर आगामी समय में होने वाले उपचुनाव सरकार के भविष्य के लिए काफी महत्वपूर्ण होंगे।

15 महीने में वापस पाई सत्ता

साल 2018 में शिवराज लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री बनने की तैयारी में थे। बुधनी सीट से शिवराज तो जीत गए मगर बीजेपी को विधानसभा चुनाव में 109 सीटें ही हासिल हो पाईं। कांग्रेस भी अपने दम पर पूर्ण बहुमत नहीं जुटा सकी थी मगर बसपा, सपा और निर्दलीयों को साथ लेकर कमलनाथ मुख्यमंत्री बने। उनकी सरकार को 15 महीने भी नहीं हुए थे कि मध्य प्रदेश में पासा पलट गया।

शिवराज ने कांग्रेस के कद्दावर नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया को अपने साथ कर लिया और 22 कांग्रेसी विधायक भी बागी हो गए। कमलनाथ सरकार गिर गई और शिवराज यानी मामा की फिर से मध्य प्रदेश की सत्ता में वापसी हो गई।

महाराष्ट्र में बढ़ा कोरोना, कर्फ्यू लगाया

(विशेष संवाददाता)

मुंबई । कोरोना वायरस के सबसे ज्यादा मामले में महाराष्ट्र में सामने आए हैं। लॉकडाउन के बावजूद लोग सड़कों पर हैं। इसी के मद्देनजर पूरे महाराष्ट्र में कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा है कि लोग बात नहीं मान रहे थे इसलिए मजबूर होकर कर्फ्यू लागू करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र में अब तक कोरोना वायरस के 97 मरीज सामने आ चुके हैं।

उद्धव ठाकरे ने कहा, रविवार को हमने राज्य के बॉर्डर सील किए, अब हम जिलों के भी बॉर्डर सील कर रहे हैं। हम उन जिलों में कोरोना नहीं फैलने देंगे, जो अभी तक अप्रभावित हैं। सीएम उद्धव ठाकरे ने बताया कि ग्रॉसरी, दूध, बेकरी, मेडिकल स्टोर जैसी जरूरी दुकानें खुली रहेंगी। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। सीएम उद्धव ठाकरे के मुताबिक, सभी धर्म स्थल बंद रहेंगे। पुजारी और अन्य संबंधित पदाधिकारी मंदिर या अन्य स्थलों में अकेले रहेंगे और वही पूजा करेंगे। उद्धव ठाकरे ने कहा, आज मैं राज्यव्यापी कर्फ्यू लागू करने की घोषणा करने पर मजबूर हो गया हूं। लोग सुन ही नहीं रहे थे इसलिए हमें यह कदम उठाना ही पड़ा। कर्फ्यू के तहत सभी जिलों के बॉर्डर सील कर दिए हैं। एक जिले से दूसरे जिले में जाने वाली गाड़ियों को भी परमिशन नहीं है। दूध, सब्जी, राशन और दवाओं की गाड़ियां एक शहर से दूसरे शहर जा सकती हैं लेकिन उसके लिए भी पर्याप्त अनुमति की आवश्यकता होगी। दूसरी तरफ कोरोना वायरस से महाराष्ट्र में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना से उबर चुके फिलीपींस के 68 वर्षीय व्यक्ति की मुंबई के एक अस्पताल में मौत हो गई। यह कोरोना वायरस से संबंधित महाराष्ट्र में तीसरी मौत है। वहीं देश भर में कोरोना के संक्रमण के कारण जान गंवाने वालों की कुल संख्या 8 हो गई है।

पंजाब में भी कर्फ्यू लागू

(विशेष संवाददाता)

चण्डीगढ़ । कोरोना के बढ़ते मामलों की रोकथाम के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूरे पंजाब में कर्फ्यू का आदेश दे दिया है। कई शहरों को लॉक डाऊन करने के बाद भी लोग सड़कों पर निकल रहे थे और लॉक डाऊन का उल्लंघन कर रहे थे, लिहाजा पंजाब ने सख्त कार्रवाई करते हुए हालात पर काबू पाने का फैसला किया है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने सोमवार तक 18383 नमूनों की जांच की बात कही है।

हालांकी कोरोना को काबू में करने के लिए उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली समेत 10 से ज्यादा राज्यों को लॉक डाउन करने का ऐलान किया जा चुका है मगर लोग बाहर निकलने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसे में कैप्टन अमरिंदर सरकार ने पूरे पंजाब में कर्फ्यू लगाने का फैसला किया है। इससे पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह ने लॉक डाऊन से फायदा नहीं होते हुए देखने के बाद ये फैसला लिया। मुख्य सचिव और डीजीपी के साथ हालात पर चर्चा करने के बाद सीएम ने ये फैसला लिया। उन्होंने पंजाब के सभी जिलों के डीएम को इस बाबद आदेश देते हुए किसी भी हाल में कर्फ्यू में ढील नहीं देने का निर्देश दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री राहत कोष से 20 करोड़ रुपए की राहत राशि जारी करते हुए भोजन, आश्रय और दवाइयों के लिए प्रावधान करने की बात कही। उन्होंने डीएम और एसडीएम से जरुरतमंदों की मदद के लिए हर सीएम ने बताया कि जिन लोगों को कोरोना के कारण घर पर ही क्वारन्टीन का आदेश दिया गया है उनमें जिस किसी ने भी आदेश का उल्लंघन किया है उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की शुरु की गई है। कोरोना से निबटने के लिए सभी जरुरी कदम उठाए जा रहे हैं। पंजाब में कर्फ्यू के ऐलान से पहले सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा था कि मैंने जरूरतमंद लोगों के लिए मुफ्त भोजन, आश्रय और दवाइयों के प्रावधान का निर्देश दिया है ।

कोरोनाः दिल्ली की सभी सीमाएं सील

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । कोरोना महामारी पर काबू पाने के लिए सोमवार को लॉकडाउन का दिल्ली में कम असर देखने को मिला। जिसके चलते दिल्ली पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने रात करीब आठ बजे राष्ट्रीय राजधानी में तत्काल प्रभाव से धारा 144 का कड़ाई से पालन करने के आदेश जारी कर दिए।

दिल्ली पुलिस मुख्यालय से जारी आदेश में कहा गया है कि, दिल्ली में जो लोग प्राइवेट संस्थानों में काम कर रहे हैं, उन्हें कर्फ्यू पास लेना जरूरी होगा। कर्फ्यू पास निकटतम जिला डीसीपी कार्यालय जारी करेगा। जबकि राष्ट्रीय राजधानी की सीमा से बाहर (गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, नोएडा) दिल्ली में प्रवेश करने वालों के लिए कर्फ्यू पास उनके निकटस्थ दिल्ली जिले के पुलिस डीसीपी कार्यालय से संपर्क करना होगा। इस आशय के आदेश सोमवार रात करीब पौने आठ बजे दिल्ली पुलिस आयुक्त ने मीडिया को जारी कर दिया। ताकि लोगों को साफसाफ पता चल जाये कि, उसे हर हाल में धारा 144 का पालन करना ही होगा। गुरुग्राममानेसर (हरियाणा) में रहने वालों को दिल्ली के वसंत विहार इलाके में नेल्सन मंडेला मार्ग स्थित दक्षिण पश्चिम जिले में मौजूद डीसीपी दफ्तर से कफ्यू ंपास के लिए संपर्क करना होगा। फरीदाबाद में से दिल्ली आने वालों को कफ्यू ंपास के लिए सरिता विहार में स्थित डीसीपी कायार्लय से संपर्क साधना होगा। इसी तरह गाजियाबाद से दिल्ली आने जाने वालों को शाहदरा जिले के शालीमार पार्क, भोलानाथ नगर स्थित डीसीपी दफ्तर जाना होगा। जबकि नोएडा से दिल्ली आने जाने वालों के कर्फ्यू पास मंडावली फाजलपुर आईपी एक्सटेंशन स्थित पूवी ंजिले के डीसीपी कायार्लय से संपर्क साधना होगा। हरियाणा के सोनीपत से दिल्ली आने जाने वालों के कर्फ्यू पास बाहरीउत्तर दिल्ली जिला डीसीपी के समयपुर बादली में स्थित कायार्लय जाना होगा। जबकि हरियाणा के ही बहादुरगढ़ और झज्जर से दिल्ली आने जाने वालों को कफ्यू ंपास के लिए पीतमपुरा के पुष्पांजलि एन्क्लेव स्थित बाहरी दिल्ली के डीसीपी कायार्लय से संपर्क करना होगा।

सेना ले रही सामूहिक अंतिम संस्कार की ट्रेनिंग?

नई दिल्ली । एक तरफ पूरा देश कोरोना वायरस महामारी की चुनौती से जूझ रहा है, दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर तरहतरह के अफवाह भी फैल रहे हैं। ऐसा ही एक संदेश सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें दावा किया जा रहा है कि भारतीय सेना सामूहिक अंतिम संस्कारों को करने की ट्रेनिंग ले रही है। सेना ने इसे फर्जी बताते हुए सिरे से खारिज किया है। दरअसल सोशल मीडिया पर कोरोना वायरस को लेकर तमाम तरह की झूठी और भ्रामक सूचनाएं भी तेजी से वायरल हो रही है। कुछ फर्जी संदेशों में इस तरह के दावे किए जा रहे हैं कि भारत में कोरोना वायरस का कहर बड़े पैमाने पर टूटने वाला है और इससे हजारों, लाखों को जान से हाथ धोना पड़ सकता है।

इसके लिए सेना को सामूहिक अंतिम संस्कार करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। सोशल मीडिया में कोरोना वायरस को लेकर अफवाह फैलाने पर राजस्थान, दिल्ली जैसे कई राज्यों में कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कोरोनाः दिल्ली सरकार को गंभीर देंगे 50 लाख

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । कोरोना वायरस का खौफ पूरी दुनिया में देखने को मिल रहा है। भारत में भी इस खतरनाक वायरस के अब तक 415 मामले सामने आ चुके हैं। इस महामारी से बचाव के लिए केंद्र और राज्य सरकारें लगातार जरूरी कदम उठा रही हैं। केजरीवाल सरकार ने भी दिल्ली में लॉकडाउन समेत कई अहम फैसले लिए हैं, जिससे इस खतरनाक वायरस का संक्रमण कम किया जा सके। वहीं कोरोना से जंग में दिल्ली सरकार को सहयोग देने के लिए भारतीय जनता पार्टी के सांसद गौतम गंभीर भी आगे आए हैं। गंभीर ने सांसद निधि से दिल्ली सरकार को 50 लाख रुपये देने का ऐलान किया है। पूर्वी दिल्ली से बीजेपी सांसद गौतम गंभीर ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने लिखा है, दिल्ली सरकार के अस्पतालों में कोरोना वायरस के इलाज के लिए आवश्यक उपकरणों के लिए अपने सांसद निधि से 50 लाख रुपये देने का ऐलान किया। गौतम गंभीर ने अपने ट्वीट में लिखा, बिना हथियार जंग नहीं जीती जाती!

Corona के इलाज और उपकरणों में कोई कमी ना हो इसलिए चाहता हूं कि अस्पतालों को मेरे सांसद फंड से 50 लाख दिए जाएं। **@ArvindKejriwal** घर के अंदर रहें, सावधानी और सफाई रखें और सरकार का साथ दें। इससे पहले गौतम गंभीर ने सोमवार को कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग के सरकार के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वालों को चेतावनी भी दी। गौतम गंभीर ने ट्वीट करके कहा कि ऐसे लोग सुरक्षित रहने या जेल जाने का विकल्प चुन सकते हैं। दरअसल, कोरोना वायरस को बढ़ने से को रोकने के लिए पूरा भारत लॉकडाउन की तरफ बढ़ रहा है। बहुत से लोगों ने घर में रहते हुए रविवार को जनता कर्फ्यू का पालन किया। लेकिन रात के नौ बजे के बाद बड़ी संख्या में लोग घर से बाहर निकल गए। इसी को लेकर गौतम गंभीर ने ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, खुद भी जाएंगे और परिवार को भी ले जाएंगे। क्वारेंटाइन या जेल! पूरे समाज पर खतरा ना बने और घर पर रहें! जंग, नौकरी और व्यापार से नहीं, ज़िंदगी से है! ज़रूरी सेवायें देने वाले परेशान ना हों इसका भी ध्यान रखें! लॉकडाउन का पालन करें। जय हिंद।

लॉकडाउन को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं लोग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से की सख्ती से पालन करने की अपील

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । दिल्ली, यूपी, हरियाणा, पंजाब सहित कई राज्यों में (जहां लॉकडाउन किया गया है) वहां लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं ओर बिना मतलब के नियमकानून को तोड़ रहे हैं। उनकी इस हरकत पर प्रशासन तो परेशान है ही खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चिंतित हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लॉकडाउन की गंभीरता से नहीं लिए जाने पर सख्त नाराजगी जाहिर की है। साथ ही सभी राज्य सरकारों से नियमों और कानूनों को सुनिश्चित कराने को कहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर आज कहा कि लोग देश में लॉकडाउन को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

मोदी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे राज्य सरकारों और केंद्र सरकार द्वारा दिए जा रहे निर्देशों का गंभीरता से पालन करते हुए अपने आप और अपने परिवार को बचाएं। उन्होंने राज्य सरकारों से अनुरोध किया कि वे लोगों से लॉकडाउन का पालन करवाएं। पीएम ने कहा कि

लॉकडाउन को अभी भी कई लोग गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। कृपया

करके अपने आप को बचाएं, अपने परिवार को बचाएं, निर्देशों का गंभीरता से पालन करें। राज्य सरकारों से मेरा अनुरोध है कि वो नियमों और कानूनों का पालन करवाएं।

बता दें कि कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे को देखते हुए विभिन्न राजयों के 75 जिलों और शहरों को लॉकडाउन घोषित किया गया है। कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए देश के विभिन्न राज्यों में सोमवार से 31 मार्च तक लॉकडाउन रहेगा। लॉकडाउन के दौरान आवश्यक सेवाओं को छोड़कर अन्य गतिविधियां पूरी तरह से बंद रहेंगी। मोदी ने जानलेवा कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे लोगों के प्रति धन्यवाद अदा करने वाले लोगों की सराहना करते हुए उनहें इस चुनौती के खिलाफ लडने के लिए लामबंद होने को को कहा है। मोदी ने गुरुवार को राष्ट्र के नाम संदेश में लोगों से रविवार को जनता कर्फ्यू और शंखनाद में बड़े पैमाने पर शामिल होने और इसका समर्थन करने के लिए धन्यवाद किया।

उन्होंने ट्वीट किया कि कोरोना वायरस की लड़ाई का नेतृत्व करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को देश ने एक मन होकर धनयवाद अर्पित किया। उन्होंने कहा कि ये धन्यवाद का नाद है, लेकिन साथ ही एक लंबी लड़ाई में विजय की शुरुआत का भी नाद है। आइए,इसी संकल्प के साथ,इसी संयम के साथ एक लंबी लड़ाई के लिए अपने आप को बंधनों सोशल डिस्टेन्सिंग में बांध लें।

उनहोंने लोगों से कहा कि वे केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की ओर से जारी किए जा रहे निर्देशों का जरूर पालन करें। जिन जिलों ओर राज्यों में लॉकडाउन की घोषण हुई है, वहां घरों से निल्कुल बाहर न निकलें। इसके अलावा बाकी हिस्सों में भी जब तक बहुत जरूरी न हो, तब तक घरें से बाहर न निकलें।

दिल्ली बजटः स्वास्थ्य, शिक्षा पर जोर, कोरोना के लिए 50 करोड़

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने आज 202021 के लिए 65 हजार करोड़ रुपए का बजट पेश करते हुए शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए राजधानी में केंद्र की आयुष्मान भारत योजना, कोरोना वायरस की मद में 50 करोड़ रुपए, 200 यूनिट तक बिजली फ्री और महिलाओं को दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसों में मुफ्त यात्रा योजना को चालू रखने की घोषणा की है। वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने आज विधानसभा में आगामी वित्त वर्ष का बजट पेश करते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों की तरह सरकार की स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता जारी रहेगी। चालू वित्त वर्ष के लिए दिलली सरकार का बजट 60 हजार करोड रुपए का था। सिसोदिया ने 202021 में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 7704 करोड़ रुपए का प्रावधान करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी में केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत को लागू करेगी। नये अस्पतालों के लिए 724 करोड़ रुपए और नये मोहल्ला क्लीनिक और पाली क्लीनिक खोलने के 365 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कोरोना वायरस से निपटने के लिए धन की किसी प्रकार की कमी नहीं आने देने का आश्वासन देते हुए वित्त मंत्री ने बजट में 50 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। डीटीसी की बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा आगामी वित्त वर्ष में जारी रखने का ऐलान करते हुए सिसोदिया ने कहा कि 200 यूनिट मासिक खपत वाले बिजली उपभोक्ताओं को फ्री विद्युत 2020.221 में भी जारी

रहेगी। बिजली सब्सिडी के लिए 2820 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। दस करोड़ रुपए से दिल्ली दर्शन योजना को लागू करने का ऐलान करते हुए 'मुख्यमंत्री तीर्थ योजना' के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सिसोदिया ने कहा कि हाल में उत्तरपूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा को देखते हुए राजधानी में सांप्रदायिक सद्भाव अभियान चलाया जायेगा। प्रदूषण को कम करने के लिए बजट में 30 करोड़ रुपए का प्रावधान करने के साथ ही ' पर्यावरण मार्शल' नियुक्त करने की भी घोषणा की गई है। पंद्रह नये स्कूल खोलने का ऐलान करते हुए सिसोदिया ने कहा कि दिलली का अपना शिक्षा बोर्ड बनाया जायेगा। दिल्ली की सड़कों को संवारने के लिए 193 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। दिल्ली सरकार के प्रत्येक स्कूल में डिजिटल कक्षाओं के लिए 100 करोड रुपए अवंटित किए गए हैं।

दिल्ली में 145 नये एक्सीलेंसी स्कूल बनाने का प्रस्ताव है। राजधानी में 29 शिक्षा जोन है और प्रत्येक जोन में पांच एक्सीलेंसी स्कूल होंगे। राजधानी के सरकारी स्कूलों में सभी बच्चों मुफ्त समाचारपत्र दिए जायेंगे। अंग्रेजी बोलना और व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम के लिए 12 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कच्ची कालोनियों में मूलभूत सुविधाओं के लिए 1700 करोड रुपए रखे गए हैं। राजधानी में डीटीसी की बसों की पार्किंग की समस्या से निपटने के लिए 1700 करोड रुपए का प्रस्ताव किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि वर्ष 2015 में जब आम आदमी पार्टी(आप) सरकार सत्ता में आई तो दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय दो लाख 70 हजार 261 रुपए थी पिछले पांच साल में इसमें 44 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है। देश की तुलना में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय तीन गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि अभी राजधानी में 2000 फ्री वाई फाई हाटस्पाट्स हैं जिनकी संख्या बढ़ाकर 11 की जायेगी।

बजट 2020ः महिलाओं की मुफ्त यात्रा योजना अगले साल भी रहेगी जारी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सोमवार को अपना बजट पेश किया। कोरोना वायरस के खतरे को देखते बजट सत्र महज डेढ़ घंटे में ही खत्म कर दिया गया। बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि बसों में महिलाओं की मुफ्त यात्रा योजना अगले साल भी जारी रहेगी। बजट में क्लस्टर बसों के लिए 1100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। जबकि दिल्ली परिवहन निगम के लिए 250 करोड़ धनराशि की व्यवस्था की गई है। वित्त मंत्री कहा कि दिल्ली की परिवहन व्यवस्था और आसान करने के लिए कुल 11,000 बसों का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि ओखला, हरिनगर, समेत 4 डिपो मल्टीलेवल होंगे।

एक नजर

एम्स आज से आगामी सूचना तक ओपीडी बंद करेगाः आदेश

नई दिल्ली। एम्स ने 24 मार्च से आगामी आदेश तक विशेष सेवाओं समेत ओपीडी, सभी नये और पुराने मरीजों का रजिस्ट्रेशन बंद करने का आदेश जारी किया है। इससे पहले एम्स ने कोविड 19 महामारी पर नियंत्रण के लिये अपने संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर 23 मार्च से मरीजों का नियमित वाकइन ओपीडी रजिस्ट्रेशन अस्थायी तौर पर निलंबित करने का फैसला लिया था। नये परिपत्र में कहा गया, ''यह तय किया गया है कि एम्स अस्पताल और सभी केंद्रों पर सभी नये और पुराने मरीजों के रजिस्ट्रेशन और विशेष सेवाओं समेत सभी ओपीडी सेवायें 24 मार्च से आगामी आदेश तक बंद रहेंगी।'' एम्स ने शुक्रवार को परिपत्र जारी करके सभी गैर जरूरी सर्जरी और उपचार स्थगित करने का फैसला किया था। इसमें निर्देश दिया गया था कि 21 मार्च से सिर्फ जीवनरक्षक आपात सर्जरी ही की जायेंगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अस्पतालों और चिकित्सा शिक्षा संस्थानों से उचित संख्या में वेंटिलेटर और उच्च प्रवाह वाले आक्सीजन मास्क खरीदने को कहा है। इसके साथ ही अस्पताल परिसरों में भीड़ कम से कम रखने के लिये कहा गया है।

वायदा बाजार में सोना 1.01 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली। शेयर बाजारों में वैश्विक स्तर पर भारी गिरावट के बीच स्थानीय वायदा बाजार में सोना 1.01 प्रतिशत तक चढ़ कर 40,765 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। वैश्विक सर्राफा बाजार में सुरक्षित निवेश के विकल्प के तौर पर सोने में रुचि बढ़ने के संकेते के बीच स्थानीय बाजार में सटोरियों ने पीली धातु पर दाव बढ़ा रखा था। मल्टी कमाडिटी एक्सचेंज में सोना अप्रैल डिलिवरी 407 रुपये (1.01 प्रतिशत) चढ़ कर 40,765 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अप्रैल के अनुबंधों में कुल 1,464 लाट के लिए कारोबार हुआ। इसी तहर जून डिलिवरी सोने में 562 रुपये यानी 1.39 प्रतिशत की बढ़त दिखी और भाव 40,965 रुपये बोला गया। जून डिलिवरी सोने में कुल 258 लाट के सौदे हुए। विश्लेषकों के अनुसार वैश्विक बाजारों में सोने में तेजी के संकेत पर स्थानीय बाजार में सटोरियों ने इस पर दाव ऊंचा कर दिया था। इससे बाजार चढ़ गया।न्यूयार्क में सोना 0.90 प्रतिशत की तेजी के साथ प्रति औंस 1,501.50 डालर के स्तर पर पहुंच गया था।

नए लो पर पहुंचा रुपया पहली बार 76 के नीचे

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के चलते हर जगह कोहराम मचा हुआ है। शेयर बाजार धड़ाम हो रहे हैं और रुपया भी लुढ़कता जा रहा है। आज रुपया नए लो पर पहुंच गया। डॉलर के मुकाबले रुपये में 95 पैसे की गिरावट देखी गई और वह 76.15 के स्तर पर देखा गया। घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली की वजह से रुपये पर दबाव देखने को मिला। रुपया 19 मार्च को पहली बार 75 के नीचे पहुंचा था। कारोबारियों का कहना है कि बाजार में इस बात को लेकर चिंता है कि कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों से इकनमी पर बहुत खराब असर पड़ेगा। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में कमजोर शुरुआत के साथ रुपया 75.90 पर खुला और धीरेधीरे और गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 76.15 के निचले स्तर पर आ गया। शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 75.20 पर बंद हुआ था। कारोबारियों ने कहा कि निवेशकों में चिंता है क्योंकि वे दुनिया के दूसरे देशों के साथ ही घरेलू अर्थव्यवस्था को कोरोना वायरस महामारी के कारण गहरे संकट में पड़ता हुआ देख रहे हैं। इस महामारी के चलते दुनिया भर में लाखों लोग संक्रमित हैं ।

केजरीवाल ने की लॉकडाउन में सहयोग की अपील

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज से प्रदेश में शुरु लॉकडाउन में जनता से सहयोग की अपील की है। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, आज से दिल्ली में लॉकडाउन शुरू। मेरे दिल्लीवासियों, आपने व्यक्तिगत परेशानी उठाकर पल्यूशन को हराने के लिए ऑड इवन कर दिखाया। आपने डेंगू के खिलाफ महा अभियान को अपनाया। मुझे विश्वास है कोविड 19 से अपने परिवार को बचाने के लिए आप लॉकडाउन में भी अपना सहयोग दे कर इस लड़ाई को जीतेंगे। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा, 'दिल्ली में 30 केस 23 विदेश से लौटे लोग, 7 उनसे संक्रमित उनके परिवार वाले। फिलहाल दिल्ली की स्थिति नियंत्रण में, दूसरे देशों से पता चलता है कि अगर अभी सख्ती नहीं की तो स्थिति जल्द बेकाबू हो सकती है। इसलिए लॉकडाउन का पालन करें ताकि स्थिति बेक़ाबू ना हो एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा, 'आज दिल्ली विधानसभा में बजट पेश किया जाएगा। दिल्ली में लॉकडाउन होने के बावजूद ये करना आवश्यक है क्योंकि बजट पास किए बगैर सरकार

एक अप्रैल से पैसे खर्च नहीं कर पाएगी। उल्लेखनीय है कि रविवार को दिल्ली सरकार ने कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए सोमवार से 31 मार्च तक राजधानी को लॉक डाउन करने का एलान किया था। उपराज्यपाल अनिल बैजल और केजरीवाल ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इस दौरान कुछ आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी गतिविधियां पूरी तरह बंद रहेंगी। लॉक डाउन के दौरान दिल्ली के सीमा से जुड़ी सभी सीमाएं सील की जा रही हैं। केवल आवश्यक वस्तुओं (दूध, फल और सब्जी) को लाने वाले वाहनों को ही दिल्ली में प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे से सभी उड़ानें बंद रहेगी और लॉक डाउन के दौरान अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी रद्द रहेंगी। उन्होंने कहा सभी धार्मिक स्थलों को बंद कर दिया गया है। दिल्ली के सभी बाजार बंद रहेंगे और इस दौरान केवल सब्जी, दूध और किराना स्टोर खोलने की अनुमति रहेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सामान की किसी भी प्रकार की किल्लत नहीं है और काला बाजारी करने वालों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में अभी तक 327 शिकायतों पर 437 मामले दर्ज किये जा चुके हैं।

लॉकडाउन के बावजूद दिल्ली बॉर्डर पर वाहनों की भीड़

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । कोरोना वायरस को लेकर हरियाणा के सात जिलों को लॉक डाउन किया गया है। इसमें गुरुग्राम भी शामिल है लेकिन यहां पर आज सुबह करीब 9 बजे से भारी संख्या में वाहनों की भीड़ लगनी शुरू हो गई। हालात कुछ ऐसे बने कि दिल्लीगुरुग्राम और दिल्लीनोएडा बॉर्डर पर वाहनों की भारी भीड़ के चलते जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। उत्तर प्रदेश से लगने वाले दिल्ली के दिल्ली नोएडा बॉर्डर और हरियाणा से लगने वाले दिल्ली के गुरुग्राम बॉर्डर पर जाम की स्थिति काफी देर तक बनी रही।

यह हालात तब थे जब दिल्लीए हरियाणा और उत्तरप्रदेश तीनों ही राज्यों ने दिल्ली और इससे सटे इन इलाकों में लॉक डाउन घोषित किया है। तीनों राज्य सरकारों ने यहां सभी को घरों में रहने की हिदायत दी है।

इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने ने ने आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को दिल्ली में आने दिल्ली से जाने की इजाजत दी इनमें डॉक्टर अस्पताल से जुड़ा स्टाफ पुलिसकर्मी स्टाफ आदि शामिल है।

गुरुग्राम से दिल्ली स्थित करोल बाग के एक अस्पताल जा रहे डॉ. प्रदीप सिंगला ने कहा , 'गुरुग्राम की ओर से दिल्ली जाने वाली गाड़ियों को

रोका जा रहा है। कोरोना वायरस की महामारी के चलते गुरुग्राम समेत कई शहरों में है लॉक डाउन। लेकिन यहां मौजूद लोगों की भीड़ को देखते हुए ऐसा लगता है कि कई लोग इस लॉक डाउन का न तो सम्मान कर रहे हैं और न ही यह लोग कोरोना जैसे भयंकर संक्रमण को गंभीरता से ले रहे हैं। डॉक्टर सिंगला ने कहा ने कहा, 'आज के समय में जिस प्रकार की भीड़ गुड़गांव बॉर्डर पर लगी है वह कोरोना संक्रमण के लिहाज से काफी खतरनाक है।

दिल्ली और हरियाणा सरकार ने लोगों से सोमवार को लॉक डाउन का पालन करने की अपील की की अपील पालन करने की अपील की की का पालन करने की अपील की की अपील पालन करने की अपील की डाउन का पालन करने की अपील की की अपील पालन करने की अपील की की अपील की थी।

राज्य सरकारों की अपील के बाद गुरुग्राम की तरफ से दिल्ली जाने वालों वाहन चालको की लंबी कतारें सुबह से ही लगती रही। इस दौरान बॉर्डर के दोनों और हरियाणा व दिल्ली पुलिस दिल्ली पुलिस के जवान बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पुलिस यहां गुड़गांव बॉर्डर पर एकत्र हुए वाहन चालकों से दिल्ली में न जाने का अनुरोधए लेकिन करीब 2 घंटे तक यहां यह जाम बरकरार रहा। पुलिस द्वारा कार्रवाई किए जाने की चेतावनी के बाद वाहन चालकों मैं यहां से वापसी की। मौके पर मौजूद गुरुग्राम के एक सरकारी एक सरकारी कर्मचारी देवेंद्र सांगवान ने कहा, 'लोगों के इस तरह दिल्ली गुरुग्राम बॉर्डर पर एकत्र होने के कारण बॉर्डर पर आधा घंटा तक एक एंबुलेंस फंसी रही। पुलिसकर्मियों के प्रयास करने पर बड़ी मुश्किल से एंबुलेंस को रास्ता दिया जा सका। वहीं गुरुग्राम के सेक्टर 35 में एक्सपोर्ट कंपनी में सरकार के आदेश के बावजूद भी काम जारी था। सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची उसके बाद कंपनी में कर्मचारियों को बाहर निकाला गया।

दिल्ली में प्रदूषण में कमी, न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के मकसद से महानगर सरकार की तरफ से किए गए लॉकडाउन के चलते सड़कों पर वाहनों की संख्या में काफी कमी आई है और इस कारण सोमवार को शहर में प्रदूषण के स्तर में गिरावट दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के डेटा के मुताबिक शहर का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक सुबह नौ बजे 112 दर्ज किया गया जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, 'हवा की गति भले ही अनुकूल नहीं है फिर भी प्रदूषण का स्तर तुलनात्मक रूप से कम है क्योंकि बड़ी संख्या में वाहन सड़क पर नहीं हैं।' कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते निजी कंपनियों और गैर जरूरी सरकारी सेवाओं के कर्मचारियों को घर से ही काम करने के लिए कहा गया है।

दिल्ली की सीमाओं को सील कर दिया गया है और आसपास के इलाकों में यातायात प्रतिबंधित है। किराने की दुकानें, केमिस्ट और दूध के बूथ छोड़कर सभी बाजार, मॉल और दुकानें 31 मार्च तक बंद हैं। शहर में न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आस पास रहने का अनुमान है। भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते बुधवार को हल्की बारिश होने का अनुमान है। शहर में इस महीने में अब तक पहले ही 101.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी है जो मार्च में सबसे ज्यादा है।

कोरोनाः दिल्ली हाईकोर्ट-जिला अदालतें 4 अप्रैल तक बंद

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने कोरोना वायरस के खतरे के मद्देनजर सोमवार को अपने और यहां की जिला अदालतों के काम पर चार अप्रैल तक रोक लगा दी है। बहुत ही जरूरी मामलों का उल्लेख रजिस्ट्रार या संयुक्त रजिस्ट्रार के सामने फोन पर किया जाएगा। इन मामलों में सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल की अध्यक्षता वाली आठ न्यायाधीशों की समिति की ओर से लिए गए फैसले की जानकारी हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार की ओर से जारी अधिसूचना में दी गई है। दुनियाभर में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच देश में भी इस खतरनाक वायरस के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। भारत में ही 415 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए जा चुके हैं और इस महामारी से 8 लोगों की मौत हो चुकी है। इस वायरस से बचाव को लेकर

लगातार लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग (सामाजिक दूरी) की अपील की जा रही है। दिल्ली समेत देशभर में हर जगह भीड़ को कम करने और लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने से रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी के मद्देनजर दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को अपने और यहां की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के काम पर चार अप्रैल तक रोक लगा दी है। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय राजधानी में किए गए लॉकडाउन को देखते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सभी लंबित मामलों की सुनवाई सोमवार को स्थगित कर दी। एनजीटी ने इसको लेकर सर्कुलर जारी किया है। इसमें कहा गया है, हाल ही में कोरोना वायरस फैलने को देखते हुए सभी संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि 31 मार्च तक सभी लंबित मामलों को स्थगित कर दिया गया है। एनजीटी में जिन मामलों की सुनवाई 23 और 25 मार्च को होनी थी, उन्हें 13 जुलाई तक टाल दिया गया है।

कोरोनाः दिल्ली सरकार को सहयोग की पेशकश

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। दिल्ली सिख गुरद्वारा प्रबन्धक समिति ने राजधानी में कोरोना वायरस से ग्रसित रोगियों के इलाज के लिए ढ़ांचागत सुविधाएँ मजबूत करने तथा गुरुद्वारा मजनू का टीला में बीस बिस्तरों की सराय को आइसोलेशन वार्ड तथा क्वारंटीन सुविधाएँ स्थापित करने के लिए केजरीवाल सरकार को प्रदान करने की पेशकश की है। समिति के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने मुख्यमन्त्री अरविन्द केजरीवाल को लिखे पत्र में यह पेशकश करते हुए कहा कि 20 बिस्तरों की सराय में प्रत्येक कमरे में अलग से टॉयलेट एवं बाथरूम अटैच किये गए है तथा सभी कमरों में एयर कंडीशन/एयर कूल सुविधाएं भी हैं। यह सराय यमुना नदी के तट पर बनी गुरद्वारा परिसर के अन्दर है तथा पूरी तरह से सुरक्षित एवं मेडिकल सुविधाएं प्रदान करने के लिए उपयुक्त है। उन्होंने कहा की इसके अलावा सभी मेडीकल स्टाफ, डॉक्टर, नर्सों आदि के लिए गुरद्वारा समिति अलग से आवासीय तथा कार्यालय की सुविधाएं प्रदान करेगी। उन्होंने कहा की गुरद्वारा समिति सराय में दाखिल सभी रोगियों और इलाज में तैनात मेडिकल कर्मचारियों को मुफ्त लंगर सुविधा तथा मुफ्त पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा की इस संकट की घड़ी में समाज के गरीब तबके के लोगों को मुफ्त भोजन उपलब्ध करवाने के लिए गुरद्वारा समिति ने दिल्ली सरकार तथा इसके इलाज से जुडी संस्थाओं को दस लाख खाने के पैकेट प्रदान करने का फैसला किया है ।

लॉकडॉउन का उल्लंघन करने पर होगी सख्ती

लॉकडॉउन के दौरान किसी को न होने दें भोजन की दिक्कत, यह एक-दूसरे की मदद करने का वक्त हैः केजरीवाल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लॉकडॉउन का पालन नहीं करने वालों पर सख्ती करने की चेतावनी दी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कोरोना वायरस बहुत खतरनाक है और गुणात्मक रूप से बहुत तेजी से फैलता है। ऐसे समय में लॉक डॉउन करना बेहद जरूरी है। पहले दिन (सोमवार) कई लोगों ने लॉक डॉउन का पालन नहीं किया। ऐसे लोगों पर अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली में अभी तक कुल 30 केस आ चुके हैं। जिसमें 7 केस एकदूसरे के संपर्क में आने के हैं, जबकि 23 केस विदेश से आए लोगों के हैं। आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों की परेशानी को देखते हुए मंगलवार से 25 प्रतिशत की जगह 50 प्रतिशत बसें सड़क पर उतरेंगी। मुख्यमंत्री ने मकान मालिकों से अपील की है कि ऐसे वक्त में वे अपने किराएदारों से किराया न लें। वे किराया एक माह बाद ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि मिडडेमील और आंगनबाड़ी के बच्चों के घर खाने के पैकेट भी भेजे जाएंगे। दिल्ली में सभी तरह की आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे के मद्देनजर सोमवार को शाम 5 बजे डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस कर दिल्ली के निवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पूरे देश और दिल्ली में

कोरोना की वजह से जो स्थिति बनी हुई है, उसे देखते हुए हमें दिल्ली में लॉक डॉउन करना पड़ा है। सोमवार को सुबह 6 बजे से दिल्ली में सभी गतिविधियों पर रोक लगाई गई है। सिर्फ आवश्यक गतिविधियों को ही जारी रखा गया है। सभी लोगों को घरों में रहने की हिदायत दी गई है। किसी को घर से बाहर नहीं निकलना है। केवल खाने, दवाइयों, सब्जियों और दूध समेत आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति करने वाले लोग ही अपने घर से निकलेंगे और अपनी दुकान खोलेंगे। सब्जियों का ट्रांसपोर्ट, खाना या दवाइयों समेत आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन से जुड़े लोग घर से बाहर निकलेंगे। इसके अलावा जिन लोगों को सामान खरीदना है, वो लोग निकलेंगे। अन्य लोग घर में ही रहेंगे। यह सोमवार सुबह 6 बजे से लागू कर दिया गया है।

दुनिया के देशों से सबक लेकर समय से कदम उठाए जा रहे हैंः केजरीवाल

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि लॉक डॉउन का ज्यादातर लोग पालन कर रहे हैं लेकिन बहुत से लोग पालन नहीं कर रहे हैं। ऐसे लोगों से कहना चाहता हूं कि वे यह अच्छी तरह से समझ लें कि हमें लॉक डॉउन क्यों करना पड़ा है? आप लोगों को तकलीफ पहुंचाने की हमारी कोई इच्छा नहीं है? यह आपकी सेहत, आपकी जिंदगी और आपके परिवार, आपके बच्चों और उनकी जिंदगी के लिए कर रहे हैं। कोरोना वायरस बहुत ही खतरनाक वायरस है। यह पूरी दुनिया में फैल चुका है। पूरी दुनिया के अंदर तबाही मचा चुका है। पिछले कुछ दिनों से हम देख रहे हैं कि दुनिया के सबसे विकसित और काफी आधुनिक देशों में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। यह नया वायरस है। इसके बारे में बहुत ज्यादा हमें पता नहीं है। इसके बारे में बहुत ज्यादा अध्ययन नहीं हुआ है। हमारी किस्मत अच्छी है कि भारत में यह वायरस थोड़ी देर से आया है। इसलिए दूसरे देशों में इस वायरस से क्याक्या समस्याए आईं। दूसरे देशों ने इस वायरस से निपटने के लिए क्याक्या कदम उठाए, उससे हमें सीखने की जरूरत है और उनसे सीख कर हम लोगों कई सारे कदम उठाए हैं। अगर हम उनसे नहीं सीखेंगे तो हम से बेवकूफ कोई नहीं होगा।

दिल्ली में कोरोना नियंत्रण में है, अभी मात्र 30 केसः केजरीवाल

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज तक दिल्ली में 30 केस आए हैं। इन 30 केस में से 23 ऐसे हैं जो विदेशों से लोग आए थे और वो बाहर से वायरस लेकर आए थे।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी—155370
सीआईएसएफ—22185555
दिल्ली पुलिस—1091
दिल्ली सरकार—181
कहीं भी—कभी भी—1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता®
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

लोकसभा सदस्यों ने आवश्यक सेवाकर्मियों का ताली बजाकर आभार जताया

नई दिल्ली। लोकसभा सदस्यों ने कोरोना वायरस के संकट से निपटने में योगदान दे रहे लोगों का सोमवार को सदन में ताली बजाकर आभार जताया। लोकसभा अध्यक्ष ने रविवार को प्रधानमंत्री के आह्वान पर 'जनता कर्फ्यू' के दौरान पूरे देश में शाम पांच बजे लोगों की ओर से ताली, थाली और घंटी बजाकर आवश्यक सेवाकर्मियों का आभार प्रकट किए जाने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''न कोई राजनीति दिखी, न कोई मतभिन्नता दिखी, न जाति या पंथ दिखा। जो दिखा वो भारत की आत्मा थी।'' लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदस्य अपने क्षेत्र में जाएं तो वहां यह प्रयास करें कि सरकारी दिशानिर्देशों का पूरा पालन हो। बिरला ने सदन से कहा कि यह सभा भी चिकित्सा सेवा से जुड़े लोगों, सफाईकर्मियों, सुरक्षाकर्मियों और मीडियाकर्मियों के सम्मान में खड़े होकर ताली बजाए। इसके बाद सदन के सदस्यों ने अपने स्थानों से खड़े होकर ताली बजाई। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी भी सदन में मौजूद थे। लोकसभा में सोमवार को सत्तापक्ष और विपक्ष के कई सदस्य कोरोना की स्थिति के मद्देनजर मास्क पहुंचकर सदन में पहुंचे। भाजपा के जयंत सिन्हा, सत्यपाल सिंह, संगीता सिंह देव और कुछ अन्य सदस्य, कांग्रेस के गौरव गोगोई और मोहम्मद जावेद, बीजू जनता दल के पिनाकी मिश्रा और बसपा के श्याम सिंह यादव सदन में मास्क पहने हुए दिखे।

सर्जिकल मास्क और वेंटीलेटर के निर्यात की साजिश किसकी शह पर हुई: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सर्जिकल मास्क, वेंटिलेटर तथा अन्य उपकरणों के निर्यात की अनुमति देने के लिए सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए इसे एक सोची समझी साजिश करार दिया और सवाल किया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की सलाह के बावजूद यह कदम किसकी शह पर उठाया गया है। गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संम्बोधित करते हुए ट्वीट किया, 'आदरणीय प्रधानमंत्री जी, डब्लूएचओ की वेंटिलेटर, सर्जिकल मास्क का पर्याप्त स्टाक रखने की सलाह के विपरीत भारत सरकार ने 19 मार्च तक इन सभी चीजों के निर्यात की अनुमति क्यों दीं?' उन्होंने इस अनुमति को कोरोनो वायरस के मद्देनजर एक आपराधिक साजिश बताया और सरकार से पूछा, 'ये खिलवाड़ किन ताकतों की शह पर हुआ? क्या यह आपराधिक साजिश नहीं है।' इससे पहले कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भी ट्वीट कर सरकार के इस रवैये की आलोचना की और आरोप लगाया कि उसने 10 गुना ज्यादा दाम पर इस समान का निर्यात किया गया है। 'डब्ल्यूएचओ ने वेंटिलेटर, सर्जिकल मास्क, सर्जिकल डिस्पोजेबल, कॉवेराल के निर्यात की भारत ने 19 मार्च तक 10 गुना मूल्य पर बेचने की अनुमति दी।' इसके साथ ही उन्होंने केन्द्र सरकार के उस आदेश को भी पोस्ट किया है।

विदेश से लौटते ही दो कर्मचारियों को ड्यूटी देने पर उठा सवाल

गुरुद्वारा कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष रंजीत कौर ने जारी किया नोटिस

(विशेष संवाददाता)

2 दिन में मांगा जवाब, पूछा-बिना जांच कराए क्यों दी गई ड्यूटी

नई दिल्ली । दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से जुड़े दो लोगों के विदेश दौरे से लौटने के बाद बिना जांच पड़ताल कराए सीधे ड्यूटी ज्वाइन करवाने का मामला तूल पकड़ लिया है।

दोनों लोग 17 मार्च को इंगलैड से दिल्ली लौटे हैं। इस मामले में आतंरिक विरोध होने की स्थिति में एक कर्मचारी को जबरन शनिवार को ड्यूटी से हटाकर उसे छुटटी पर भेज दिया गया है। साथ ही उसे कहा कि गया मेडिकल रिपोर्ट लेकर ही अब ज्वाइनिंग होगी। जबकि, दूसरे कर्मचारी व्यक्ति को अभी तक नहीं मना किया गया है। इस बात को लेकर कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीबी रंजीत कौर ने सोमवार का कमेटी के महाप्रबंधक धर्मेंद्र कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है। साथ ही 2 दिन में पूरा जवाब मांगा है।

रंजीत कौर ने पूछा है कि क्या इन दोनों कर्मचारियों (बंगला साहिब के हेड ग्रंथी रंजीत सिंह एवं माता सुन्दरी के सुपरिंटेंडेट गुरमीत सिंह)के विदेश दौरे पर लौटने के बाद जांच करवाई गई या नहीं। इसका जवाब दिया जाए। रंजीत कौर ने पूछा कि ऐसा पता चला है कि बिना जांच करवाए विदेश से आने के बाद इनको नौकरी पर रखा गया है। वह भी तब जब दुनियाभर में कोरोना वायरस का कहर जारी है।

कोरोना खतरनाक महामारी घोषित की गई है, ऐसे में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी, चाहे कोई भी क्यों ना हो।

बीबी रंजीत कौर ने कारण बताओ नोटिस जारी करने की खुद पुष्टि की है। साथ ही पूछा है कि बिना जांच कराए क्यों ज्वाइन कराया। यह मामला गंभीर है।

माता सुन्दरी गुरुद्वारे में तैनात हैं गुरमीत सिंह

विदेश दौरे से लौटने के दूसरे ही दिन ड्यूटी ज्वाइन करने वाले कर्मचारी गुरमीत सिंह माता सुंदरी कालेज की बजाय माता सुन्दरी गुरुद्वारे में सुपरिंटेंडेट के पद पर लगाया गया है। माता सुंदरी कालेज की प्रिंसिपल प्रो.हरप्रीत कौर के मुताबिक उक्त कर्मचारी गुरमीत सिंह उनके कालेज का मुलाजिम नहीं है और न ही वह कालेज में कभी तैनात रहा। वह दिल्ली सिख गुरुद्वारा कमेटी का कर्मचारी है। हरप्रीत कौर के मुताबिक उक्त कर्मचारी को लेकर चल रही खबरों के कारण स्कूल का स्टाफ पैनिक में आ गया है।

शाहीन बाग में प्रदर्शनकारी घटे धरनास्थल पर बचे कुछ ही लोग

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा किए गए लॉक डाउन के एलान का असर दक्षिण दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में पिछले 3 महीने से चल रहे प्रदर्शन पर भी दिखने लगा है। सोमवार सुबह प्रदर्शन स्थल से भीड़ नदारद है, सिर्फ 23 लोग ही नजर आए, वह भी सोते हुए। कुर्सी, टेबल और मेजें अपनीअपनी जगह पर तो हैं, लेकिन उन पर बैठने वाला कोई नहीं है। सजाए गए मंच पर महापुरुषों के साथ कई अन्य महान हस्तियों की तस्वीरों तो लगी हैं, लेकिन मंच पर कोई भी मौजूद नहीं है। शाहीन बाग में आलम यह है कि जहां पर कभी प्रदर्शनकारी सैकड़ों और हजारों की संख्या में दिखते थे, वहां पर सिर्फ कुछ ही लोग नजर आए। माना जा रहा है कि यह प्रदर्शन प्रतीकात्मक रूप में जारी रह सकता है, हालांकि इस बाबत कोई आधिकारिक बयान अब तक नहीं आया है। बता दें कि नागरिकता संसोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर के विरोध में 15 दिसंबर से शाहीन बाग में इलाके में खासतौर से महिलाओं का प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शनकारियों को मनाने के लिए कई बार कोशिश भी की गई, लेकिन वह टस से मस नहीं हुए। इस दौरान दिल्ली विधानसभा चुनाव2020 के दौरान उन्होंने चुनाव आयोग का सहयोग करने के लिए उस दिन के राहत दी थी बस। उसके अगले दिन से ही प्रदर्शन फिर शुरू हो गया। यहां तक कि दिल्ली में कई बार तेज बारिश हुई फिर भी ये प्रदर्शनकारी अपनी जगह से नहीं हिले। इससे पहले रविवार को जनता कर्फ्यू के दौरान लोगों की भीड़ छटने लगी थी, लेकिन कोरोना वायरस के संक्रमण का खौफ और दिल्ली में किए गए ।

विहिप का आह्वान : कोरोना संकट में कोई भूखा न सोये

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। सम्पूर्ण भारत कोरोना से युद्ध लड़ रहा है जनता कर्फ्यू को सम्पूर्ण देश ने मिलकर सफल बनाया है। कल सायं 5 बजे जैसे ही पूरे देश ने ताली, थाली, घण्टी, शंखनाद इत्यादि माध्यमों से जिस प्रकार, चिकित्सा तथा एवम् अनिवार्य आवश्यक सेवा प्रदाताओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है, उससे सम्पूर्ण देश का संकल्प प्रकट हो गया। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) कार्याध्यक्ष एडवोकेट आलोक कुमार ने कहा है कि सभी जातिविरादरी व मतपंथों से ऊपर उठ कर लिया गया यह राष्ट्रीय संकल्प अद्वितीय व अभिनंदनीय है। इसी प्रकार के संकल्प हर चुनौती का सामना करने में सहायक होते हैं। हमारा पूरा विश्वास है कि इस मजबूत राष्ट्रीय संकल्प के सामने कोरोना जैसी महामारी भी अपने घुटने टेक देगी। हमें अब यह सुनिश्चित करना है कि संकट की इस घडी में देश का कोई नागरिक भूखा ना सोए। उन्होंने कहा कि देश के अनेक राज्यों में 31 मार्च तक लॉकडाउन की घोषणा की गई है। व्यापार, कारखाने, स्कूल, कॉलेज व सार्वजनिक परिवहन बन्द रहेंगे। इस

लॉकडाउन से दिहाड़ी मजदूर, रेहड़ी, रिक्शाचालक, कुली इत्यादि लोग जो रोज कुआं खोदकर पानी पीते हैं, के बड़ी कठिनाई में फंसने की सम्भावना है। आय बन्द होने से उनके परिवारों में बड़ा आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। अतः संघर्ष की इस वेला में कोई एक भी व्यक्ति भूखा न सोये, इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी देश के सभी सक्षम नागरिकों की है। विश्व हिंदू परिषद इन सभी सक्षम नागरिकों से आव्हान करती है कि वे अपनेअपने मोहल्ले, गाँव व शहरों में यह सुनिश्चित करें कि वहां के प्रत्येक व्यक्ति को दो समय की रोटी पेट भरने के लिए मिलती रहे। इस पवित्र कार्य में अपने क्षेत्र के धर्म स्थलों यथा मठमंदिरों, गुरुद्वारों, जैन स्थानकों, बौद्ध विहारों इत्यादि धार्मिक स्थलों, रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों, व्यापार मंडलों, पंचायत समितियों इत्यादि की सहायता भी ली जा सकती है। एक प्रेस वक्तव्य के माध्यम से आलोक कुमार ने यह भी कहा कि विहिप कार्यकर्ता समाज के सभी अंगों का साथ लेकर इस पुण्य कार्य को सम्पन्न करते हुए प्रशासनिक निर्देशों के पालन का ध्यान अवश्य रखें। सबको यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि हम प्रशासन के कार्यों में सहायक बनें, ना कि बाधक।

पुलिस के हत्थे चढ़ा बैटरी चोर, साथी की तलाश जारी

नई दिल्ली। उत्तम नगर पुलिस ने गाड़ी से बैटरी चुराने वाले एक चोर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से चोरी की तीन बैटरी भी बरामद हुई हैं। डीसीपी द्वारका एंटो अल्फोंस ने बताया कि पकड़े गए बैटरी चोर का नाम श्यामू यादव है जो रनहौला के विकास नगर का रहने वाला है। डीसीपी के अनुसार कंप्लेनेंट विकास गोस्वामी ने पुलिस को दी गई जानकारी में बताया था कि उसने अपनी कार पार्किंग में खड़ी की थी। जब वह सुबह वहां गया तो उसे पता लगा कि कार से बैटरी चोरी हो गई है। इस जानकारी पर पुलिस टीम ने इलाके में पेट्रोलिंग बढ़ा दी।

पेट्रोलिंग के दौरान एसीपी डाबड़ी बिजेंद्र सिंह की देखरेख में एसएचओ राज कुमार, हेड कॉन्स्टेबल किशन और कॉन्स्टेबल अनिल की टीम को एक व्यक्ति पर शक हुआ जो 3 बैटरी लेकर जा रहा था। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो वह कोई जवाब नहीं दे पाया। आगे की पूछताछ में उसने बताया कि उसने अपने दोस्त नदीम के साथ मिलकर यह बैटरी चुराई थी।

गुरुद्वारा कमेटी ने रैन बसेरों में शुरू किया लंगर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने दिल्ली सरकार की अपील पर राष्ट्रीय राजधानी के रैन बसेरों में लंगर बांटने की सेवा शुरु कर दी है। कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि दिल्ली सरकार ने संपर्क कर बताया था कि रैन बसेरों में लगर की जरूरत है व हमने तुरंत यह लंगर बांटने की सेवा शुरु कर दी है। उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी दिल्ली सरकार कहेगी या संगत महसूस करेगी तो दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा हर जरूरी जगह पर लंगर पहुंचाने की सेवा की जायेगी।

सिरसा ने यह भी बताया कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा गुरुद्वारा मजंनू का टीला में एक सराय को दिल्ली सरकार को क्वारंटीन के लिए देने की पेशकश की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार नियमों के अनुसार जितने भी ठीक समझे मरीज़ ठहरा सकती है, उनके लिए लंगर व अन्य जरूरी हर समान उपलब्ध करायेंगे।

सिरसा ने संगत को भी अपील कर कहा कि कोरोनावायरस जैसी

महामारी के इस समय में अकाल तख्त साहिब के जथेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह के आदेशानुसार जरूरतमंदों की ज्यादा से ज्यादा सेवा की जाये व गुरु के सिख होने के नाते इस पर पूरा पहरा दिया जाये।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में कोरोना के कारण लॉकडाउन हुआ है उसके चलते गुरुद्वारा कमेटी ने तय किया है कि गुरु ग्रंथ साहिब की मर्यादा के अनुसार ही गुरुद्वारा साहिबान में सेवा की जाये व यह मर्यादा प्रकाश व सुख आसन करने में लागू की जाये व इसमें केवल नौजवान लड़कों द्वारा ही सेवा संभाली जायेगी। उन्होंने कहा कि यह भी वह नौजवान होंगे जो गुरुद्वारा साहिबान के कांपलैक्स में ही रहेंगे व बाहरी संगत इस सेवा में शामिल होने से गुरेज़ करे क्योंकि हालात इसकी इजाज़त नहीं देते। सिरसा ने संगत को अपील कर कहा कि संगत गुरुद्वारा साहिबान में आने की बजाय घरों में ही रह कर नाम सिमरन करे बंदगी करे और दुनिया में यह महामारी खत्म होने के लिए अरदास करें ताकि मानवता को इस गंभीर बीमारी से छुटकारा मिल सके।

कोरोना: SC का कैदियों को पैरोल पर रिहा करने पर विचार के लिये समिति गठित करने का निर्देश

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के मद्देनजर उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को सभी राज्य सरकारों और केन्द्र शासित प्रदेशों को उच्च स्तरीय समिति गठित करने का निर्देश दिया कि जेलों में भीड़ कम करने के लिये कैदियों के ऐसे वर्ग का निर्धारण किया जाये जिन्हें चार से छह सप्ताह के लिये पैरोल पर रिहा किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसे कैदियों को पैरोल पर रिहा किया जा सकता है जिन्हें सात साल की कैद हुयी हो या फिर उनके खिलाफ ऐसे अपराध में अभियोग निर्धारित हो चुका हो जिसमें सात साल तक की सजा का प्रावधान हो। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति सूर्य कांत की पीठ ने कहा कि यह उच्च स्तरीय समिति कैदियों की रिहाई के लिये राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के परामर्श से काम करेगी। पीठ ने कहा, ''हम, इसलिए, निर्देश देते हैं कि प्रत्येक राज्य चार से छह सप्ताह के पैरोल या अंतरिम जमानत पर रिहा करने योग्य कैदियों के वर्ग का निर्धारण करने के लिये गृह सचिव और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष की सदस्यता वाली उच्च स्तरीय समिति गठित करेगी।''शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि कोविड19 के नाम से चर्चित इस महामारी की वजह से जेलों में अधिक भीड़ से बचने के प्रयास में इन कैदियों को रिहा किया जा रहा है।

कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर देश की जेलों में क्षमता से अधिक कैदी होने की वजह से उत्पन्न खतरे और इससे निबटने की तैयारियों को ध्यान में रखते हुये शीर्ष अदालत ने 16 मार्च को स्वतः ही इस मामले का संज्ञान लिया था। न्यायालय ने कहा था कि जेलों में क्षमता से अधिक कैदी होने की वजह से उनके लिये कोरोना वायरस, जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन ने महामारी घोषित कर दिया है, से बचाव के लिये एक दूरी बनाकर रखना बहुत मुश्किल है।

यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट ने दिल्ली सरकार से की गरीबों मजदूरों के लिए सहायता राशि देने की मांग

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए तमाम राज्य सरकारों द्वारा ऐतिहातन उठाए गए कदमों की तरह ही दिल्ली सरकार द्वारा जनहित मे उठाए गए कदम लाकडाऊन का यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट ने स्वागत किया है और दिल्लीवासियों से भी लाकडाऊन का पूर्णरुप से पालन किए जाने का आवाहन किया है। साथ ही इस लॉकडाऊन के कारण गरीब लोगों के सामने आने वाली परेशानी को ध्यान में रखते हुए तत्काल ही पांच हजार रुपए साहयता राशि देने की मांग की है। जिसके कारण लाकडाऊन के दौरान वे अपने परिवार को भूखमरी से बचा सकें।

फ्रंट द्वारा जारी एक प्रेस वक्तव्य में यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट के अंतर्राष्टीय कार्यकारी अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा लिया गया लाकडाऊन का निर्णय स्वागत योग्य कदम है किंतु इसके कारण उन दिहाड़ी मजदूरों, ईरिक्शा, रिक्शा चालकों, ऑटो चॉलकों, कैब

चॉलाकों, रेहड़ीपटरी वालों मॉल ढुलाई वाले व अन्य कई कार्यो से जुड़ें उन लाखो लोगो को नजर अंदाज करते हुए उनके बारे में बिल्कुल भी नहीं सोचा गया कि लाकडाऊन के बाद ये रोज कमाने खाने वाले लोग अपने व अपने परिवार का गुजारा कैसे कर सकेंगे। उन्होनें कहा कि दिल्ली में आज ऐसे लोगों की संख्या भी काफी अधिक है जिनके पास ना तो राशन कार्ड है और ना ही दिल्ली का आधार कार्ड है ऐसे लोगो को भी इस बीमारी के डर व लाकडाऊन की घोषणा के बाद इन लोगो के सामने जीवनमरण का प्रश्न खड़ा हो चुका है। जिनकी सरकार को तत्काल सुध लेने की आवश्यकता है। गोयल ने दिल्ली सरकार से मांग करते हुए कहा कि दिल्ली में उपरोक्त मजदूरी करने वाले लोगों की संख्या लाखों में है और इन लोगो का कहीं भी पंजीकरण भी नहीं होगा। उन्होनें कहा कि अन्य राज्य सरकारों व दिल्ली में वृद्वापेंशन इत्यादि में की गई बढ़ोतरी की तरह ही इन लोगो को भी कम से कम पांच हजार रुपए सहायता राशि उपलब्ध करवाएं जो इनके लिए बहुत बढ़ी राहत होगी।

कोरोना का डर: गर्मी की छुट्टियों में विदेश घूमने वालों ने बुकिंग रद्द कराई

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। कोरोना वायरस का असर गर्मी की छुट्टियों तक पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश से विदेश घूमने जाने वाले 90 फीसदी पर्यटकों ने अपनी बुकिंग रद्द करा दी है। इससे टूर एंड ट्रेवल इंडस्ट्री को पांच करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। वहीं घरेलू पर्यटन के लिए एक भी पैकेज बुक नहीं हुआ है।

बीते पांच वर्षों से अप्रैल से जून तक के महीने में यूपी से गर्मी की छुट्टियों में विदेश जाने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही थी। बीते 5 वर्षों में लखनऊ और वाराणसी से थाईलैंड मॉरीशस, दुबई, सिंगापुर, मलेशिया आदि की सीधी फ्लाइट होने से यहां से छुट्टियां बिताने के लिए विदेश जाने वालों का आंकड़ा बढ़ गया था। अप्रैल, मईजून के महीने में यूपी से रोजाना लगभग 500 लोग विदेश घूमने जाते हैं लेकिन इस बार यह सारी बुकिंग बीते 15 दिनों में कैंसिल कर दी गई है। सितंबर तक की बुकिंग भी रद्द करने के लिए पर्यटक ट्रैवल एजेंटों से संपर्क कर रहे हैं। इसके अलावा घरेलू पर्यटन पर जाने वाले पर्यटकों की बुकिंग फरवरी और मार्च से आना शुरू हो जाती है लेकिन इस बार इसके बारे में पूछताछ तक नहीं हो रही है। यूपी से 70 फीसदी लोग मिडिल ईस्ट की तरफ जाते हैं। वहीं 30 फीसदी लोग यूएस, यूके, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया जाते हैं। यूपी से जबसे सीधी फ्लाइट शुरू हुई थी, ये सारा बिजनेस हमें मिलने लगा था। इससे पहले लोग सीधे दिल्ली से जाते थे। नोटबन्दी के बाद हमारा काम नहीं उठ पा रहा। जनवरी से हम अपने खर्चे तक नहीं निकाल पा रहे। कोरोना के चलते ये साल भी निराशाजनक है।

बजट सत्र में लोकसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। लोकसभा में बजट सत्र सोमवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया और इस दौरान 23 बैठकों में 109 घंटे 23 मिनट तक कामकाज हुआ। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण तीन अप्रैल तक चलना था लेकिन कोरोना वायरस के कारण बनी अप्रत्याशितस्थिति में इसे सोमवार को ही वित्त विधेयक पारित करने और आम बजट की प्रक्रिया पूरी करने के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। सत्रहवीं लोक सभा के तीसरे सत्र (बजट सत्र) की शुरूआत 31 जनवरी को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अभिभाषण के साथ हुई थी। बजट सत्र कादो मार्च से शुरू हुआ था।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बताया कि इस सत्र के दौरान 23 बैठकें (आज की बैठक सहित) हुईं, जो 109 घंटे 23 मिनट तक चलीं। अध्यक्ष ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा करते हुए विदाई उल्लेख में कहा कि सभा ने 31 जनवरी, 2020 को दोनों सदनों केसदस्यों को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को मंजूरी दी। प्रस्ताव 15 घंटे 21 मिनट तक चले सुव्यवस्थित वादविवाद के पश्चात स्वीकार किया गया। बिरला ने कहा कि इस सत्र में महत्वपूर्ण वित्तीय, विधायी और अन्य कार्यों को भी निपटाया गया। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय बजट 202021 पर चर्चा 11 घंटे 51 मिनट तक चली, वहीं रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन वर्ष 202021 के लिए अनुदान की मांगों पर चर्चा 12 घंटे 31 मिनट, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के नियंत्रणाधीन वर्ष 2020 21 के लिए अनुदान की मांगों पर चर्चा 5 घंटे 21 मिनट तक तथा पर्यटन मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों पर चर्चा 4 घंटे और 1 मिनट तक चली। अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 202021 के लिए केन्द्रीय बजट के संबंध में शेष मंत्रालयों की अन्य सभी बकाया अनुदानों की मांगों को सभा मेंमतदान के लिए रखा गया और 16 मार्च, 2020 को पूरी तरह से स्वीकृत किया गया तथा संबंधित विनियोग विधेयक पारित किया गया। वर्तमान सत्र के दौरान, 16 सरकारी विधेयक पुरःस्थापित हुए। कुल मिलाकर, 13 विधेयक पारित हुए। अध्यक्ष ने बताया कि बजट सत्र में 98 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए।

BUSINET

संपादकीय

परिवार का कब्जा बना रहे, इसके लिए पूरी कांग्रेस को ही दाँव पर लगा दिया है

राजनीति हमेशा नए चैलेंज पैदा करती रहती है, इसलिए इन चुनौतियों से पार पाने के लिये नए लीडर्स की हर राजनीतिक दल को आवश्यकता है। जो भी राजनीतकि दल इसकी तैयारी में रहता है, वह आने वाले संकटों से पार पा लेता है, लेकिन देश की सबसे प्रमुख राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस नये लीडर्स तैयार करने एवं पहले से स्थापित कद्दावर नेताओं की उपेक्षा के कारण दिनोंदिन अपने अस्तित्व एवं अस्मिता को खो रही है। ज्योतिरादित्य सिंधिया का कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होना एक ऐसी ही विडम्बनापूर्ण घटना है, जिससे एक बार फिर कांग्रेस कमजोर हुई है। आखिर इस बात पर बहस क्यों नहीं होती कि योग्य, युवा और प्रतिबद्ध कांग्रेसियों को पाटी क्यों छोड़नी पड़ रही है ? कांग्रेस की वर्तमान दुर्दशा के लिये जिम्मेदार तत्वों पर बहस होना पार्टी ही नहीं बल्कि लोकतंत्र की जीवंतता के लिये भी जरूरी है।

कांग्रेस की बेहतरी की उम्मीद के लिये जरूरी है कि मौजूदा लीडर्स पर ऐसा सिस्टम लागू करने के लिए दबाव बनाएं, जो तटस्थ होकर अपना काम करते रहें, उन्हें उनकी योग्यता के अनुरूप प्रोत्साहन एवं पद प्राप्त होते रहे। ऐसा नहीं होने पर पार्टी की टूटन एवं बिखराव स्वाभाविक है। कांग्रेस को आज जो बिखरावमूलक स्थिति देखने को मिल रही है, उससे न केवल वह अपना राष्ट्रीय धरातल खो रही है बल्कि धीरेधीरे कुछ राज्यों में सिमटती जा रही है। क्या वह स्वयं ही अपनी गलत नीतियों एवं पूर्वाग्रहों के कारण कांग्रेस मुक्त भारत की ओर नहीं बढ़ रही है ? क्या जिन लोगों ने अपने खूनपसीने से कांग्रेस को खड़ाबड़ा किया, वे एक व्यक्ति और परिवार के लिए उसे दांव पर इसी तरह लगातार लगाते रहेंगे ?

कांग्रेस पार्टी में यह मर्ज आज का नहीं, बहुत पुराना है, लेकिन आज केन्द्रीय नेतृत्व की लगातार कमजोर होती स्थितियों के कारण वह विकराल रूप लेता जा रहा है। मध्य प्रदेश में कमलनाथ की सरकार ने बहुमत परीक्षण से पहले ही मैदान छोड़ दिया। उनकी सरकार का पतन तभी सुनिश्चित हो गया था, जब ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपनी लगातार उपेक्षाओं के चलते भाजपा में जाने का निर्णय लिया, संभवतः उनके जैसा असंतोष एवं पार्टी नीतियों से मतभेद अन्य नेताओं में भी पनप रहा है, जो निकट भविष्य में सामने फट सकता है। लेकिन इस बड़ी घटना से भी पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व ने कोई सबक लिया हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। राहुल ने यह तो माना कि ज्योतिरादित्य को कांग्रेस में अपना भविष्य नहीं दिख रहा था, लेकिन यह नहीं बताया कि ऐसा क्यों था ? पार्टी के कर्ताधर्ता माने जाने वाले राहुल को यह बताना चाहिए था कि ज्योतिरादित्य सरीखे उसके नेताओं को कांग्रेस में अपना भविष्य बेहतर क्यों नहीं दिखा ? जो नेता कांग्रेस छोड़ रहे हैं, वे यही कह रहे हैं कि गांधी परिवार समय रहते सही निर्णय नहीं ले पा रहा है। यह दिख भी रहा है। बड़ा कारण तो यही है कि अनेक दिग्गज नेता गांधी परिवार की जीहुजूरी करते हुए ऊब गये हैं।

बात ज्योतिरादित्य की ही नहीं है, पूर्व में ऐसी अनिर्णय, उपेक्षा, उचित प्रोत्साहन एवं पद न मिलने एवं स्पष्ट नीतियों के अभाव की स्थितियों में अनेक कांग्रेसी नेता पार्टी से विमुख होते रहे हैं, उनकी कांग्रेस निष्ठा भी तार तार होती हुई देखी गयी है, भले ही ओडिशा में बीजू पटनायक, उत्तर प्रदेश में चौधरी चरण सिंह, रीता बहुगुणा जोशी और जगदंबिका पाल, महाराष्ट्र में शरद पवार, बंगाल में ममता बनर्जी, आंध्र में जगन मोहन रेड्डी, तमिलनाडु में जयंती नटराजन, तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव, असम में हिमंत बिस्व सरमा आदि नेताओं की लंबी सूची है, जो कांग्रेस छोड़ गए। प्रश्न यह है कि यदि कोई राष्ट्रीय पार्टी अनेक राज्यों में अपने नेताओं को खोती जाए, तो उसका जनाधार बचेगा कैसे ? कैसे वह अपने राष्ट्रीय अस्तित्व को बचा पाएगी ? नरेन्द्र मोदी के जादुई प्रभाव से अधिक यह पार्टी अपनी स्वयं के कारणों एवं नीतियों के कारण धराशायी हो रही है।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : मनोज श्रीवास्तव
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : सत्य प्रकाश
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

इलाहाबाद कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइनस।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

अब 'लॉकडाउन' को सख्ती से पालन की चुनौती

विश्व का दूसरा सबसे बड़ा आबादी वाला देश होने के बावजूद भारत में कोरोना का बेकाबू ना होना मजबूत नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है। लेकिन जिस तरह से कोरोना का संक्रमण सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रहा है वह काफी गंभीर है। देश में कोरोना वायरस से अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना के मरीजों की संख्या 5 सौ के पार जा पहुंची है। अकेले 24 घंटे में 60 से अधिक नए मरीज आए हैं और 4 मौतें हुई हैं।

जबकि जनता कर्फ्यू के बाद देश के राज्यों व जिलों में 31 मार्च तक लॉकडाउन है। कहने को यूपी के 16 जिलों में 25 मार्च तक लॉकडाउन है। लेकिन पुलिस एवं प्रशासनिक लापरवाहियों के चलते इसका कड़ाई से अनुपालन नहीं हो पा रहा है। खासकर मुस्लिम व दलित आबादी वालों में लोगों को झुंड के रुप में देखा जा सकता है। मतलब साफ है सरकार को अब लॉकडाउन को सख्ती अनुपालन कराने की चुनौती है। वरना इटली की भूल की सजा भारत को भी भुगतना पड़ सकता है

फिरहाल, बड़ी सवाल तो यही है क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आह्वान पर 'जनता कर्फ्यू' की अभूतपूर्व सफलता के बाद अब लॉकडाउन को सफल बनाने की बड़ी चुनौती है? हालांकि 22 मार्च को जिस तरह से लोगों ने एकजुटता के साथ घंट घड़ियाल, शंख, थाली लोटा व पूरी उत्साह के साथ ताली बजाते दिखा उससे तो साफ है कि लोग 'करोना' को मात देने के लिए हर कुर्बानी देंगे। क्या बुजुर्ग क्या युवा, क्या बच्चे, सब के सब में गजब का जोश दिखा। लोगों की जोश से तो यही लगा कि 'भागो यहां से! हम तैयार हैं तुम से लड़ने के लिए। यह अलग बात है कि कुछ मुस्लिम इलाकों में झुंड को खदेड़ने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। कुछ ऐसा ही अब लॉकडाउन के बावजूद लोगों को झुंड के रुप में गलीमुहल्लों की सड़कों पर देखा जा रहा है। देश के कई इलाकों में लोग लॉकडाउन को ठेंगा दिखाते भी नजर आए। हालांकि इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर देशवासियों से लॉकडाउन को गंभीरता से लेने की बात कही। साथ ही केंद्र सरकार की तरफ से बाकायदा राज्य सरकारों को कहा गया है कि लॉकडाउन का सही से पालन कराएं और अगर कोई नियम का उल्लंघन करे तो सख्त कार्रवाई की जाए।

बुद्धिमता भी इसी में है कि हालात बिगड़ने का इंतजार करने के बजाय पहले से सब कुछ चाक चैबंद करने की जरुरत है। आम गरीब जनमानस की दिक्कतों को दूर करने की। अगर ऐसा नहीं किया गया तो चैखट पर खड़ी महामारी को घर में घुसकर आक्रमण करने से कोई रोक नहीं सकता। हमें इटली की गलतियों से सबक लेना होगा और चीन की तरह सख्ती करनी होगी। खतरा को टालने के लिए लोगों को ज्यादा से ज्यादा घरों में कैद रखना होगा। या यूं कहे हमें बेहद सख्त कदम उठाने होंगे। शहर दर शहर दुकानों से लेकर परिवहन तक को बंद करना होगा। शासनप्रशासन की इजाजत के बाद भी आदेश नहीं मांगने पर जबरदस्ती करनी होगी। ड्रोन के जरिए निगरानी कराकर आदेश ना मानने वालों के

खिलाफ रपट दर्ज कर सलाखों में डालना होगा। क्यों कि कोरोना से जूझ रहे इटली जैसे देशों ने इसे हल्के में लिया, जिसका नतीजा वे भुगत रहे हैं।

कहने का अभिप्राय यही है कि इस समय जनता व सरकार दोनों को बहुत सचेत रहना चाहिए। इस समय अधिकतम जांच कराने के साथ हर दिन दवा छिड़कते रहने की जरूरत है। माना कि जनता कर्फ्यू के व्यापक समर्थन से अनेकता में एकता की वह मिशाल देखने को मिली, जिसे बरसों पहले कहां गया था, 'कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी'। या यूं कहे जनता ने अपनी तरफ से कर्फ्यू लगा कर और उसका मुकम्मल पालन कर कोरोना के खिलाफ लड़ाई को समर्थन देने के साथ ही यह भी जता दिया है कि देश के लिए उसे कुछ दिन कष्ट झेलने से परहेज नहीं है। लेकिन कुछ मोदी विरोधी मानसिक बीमरी से जूझ रहे लोगों को यूं ही भ्रम फैलानेख् आमजनमानस को गुमराह करने, अनाफशनाप बोलने व सड़कों पर झुंड बनाकर घुमने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। मुठ्ठीभर लोगों की लापरवाहियों की सजा बड़े मॉब को देने का कहां का इंसाफ है। यूपी के कबीना मंत्री रवीन्द्र जायसवाल के उस सख्त रवैये की तारीफ करनी होगी, जिसमें उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कोरोना अखबारों के जरिए भी घरों में पहुंच सकता है। मुंबई में अखबारों के प्रिंट पर पाबंदी लगा दी गई है। इसलिए कुछ दिन तक लोगों को घरों में अखबार आने से रोकना होगा। उनके इस आह्वान को गंभीरता से लेनी होगी। खुशी की बात है कि कोरोना के बढ़ते खतरे को देखते हुए मुंबई में अखबारों के प्रिंट पर पाबंदी लगा दी गई है। घरेलू उड़ानों पर भी रोक लगा दी गई है। इससे पहले रेल सेवा पर पहले ही रोक लगाई जा चुकी है। कहा जा सकता है कोरोना ने पूरे देश में ब्रेक लगा दिया है। देश के 75 जिलों में लॉकडाउन लागू किया गया है। इसमें दिल्ली, महाराष्ट्र, पंजाब, गुजरात, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मूकश्मीर, लद्दाख, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, केरल, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, यूपी, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल शामिल है। पंजाब में कर्फ्यू है। लोकसभा की कार्यवाही भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित है। यूपी के 16 जिलों में लॉकडाउन है। लिहाजा अब इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर सबकुछ बंद है। होना भी चाहिए। कोरोना वायरस का कहर दुनियाभर में इस कदर बढ़ रहा है कि हर दिन सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। कोरोना से दुनियाभर में मरने वालों की संख्या 14616 पहुंच गई है। अब विश्व की महाशक्ति अमेरिका इस महामारी की चपेट में बुरी तरह से आ गया है। वहां हालात इतने खराब हैं कि यहां पिछले 24 घंटों में 112 लोगों ने दम तोड़ दिया है। इसके अलावा अमेरिका के सीनेटर रैंड पॉल भी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। इटली की लापरवाही का ही आलम यह है कि 22 मार्च तक वहां कोरोना के संक्रमण के 59,138 मामलों की पुष्टि हुई और इस वैश्विक महामारी के चलते 5,746 लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। जबकि वहां पूरी तरह से लॉकडाउन किया गया है। कुल मिलाकर कोरोना से बचाव के लिए लोगों को चाहिए कि घरों से कम से कम निकलें। सार्वजनिक जगहों पर जानें से परहेज करें। पार्टियों में जाना बंद कर देना चाहिए। कोरोना वायरस जैसे लक्षण दिखें तो डॉक्टर की सलाह लेंना चाहिए। खासकर 60 से अधिक उम्र के लोगों को घरों में कैद रहना होगा। डब्ल्यूएचओ के अनुसार कोरोना वायरस विशेष परिस्थितियों जैसे गर्मी और नमी में आठ घंटे तक हवा में ठहर सकता है। ऐसे कोरोना ग्रसित मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टर्स को काफी सावधान रहने की जरूरत है। स्वास्थ्य अधिकारी का कहना है कि सांस की बीमारी मानव से मानव के संपर्क में आने, छींक या खांसी के साथ निर्जीव वस्तुओं पर छोड़े गए कीटाणुओं के माध्यम से फैलती हैं।

यह एक बिल्कुल नई तरह का कोरोना वायरस, जो कोविड19 के रूप में भी कुख्यात है। तीन महीने पहले चीन में पहली बार प्रकट होकर एक के बाद एक इलाके फतह करता हुआ पूरी दुनिया को रौंदता चला आ रहा था। अब ऐसे देशों की संख्या 185 तक पहुंच गई है, जहां वायरस जड़ें जमा चुका है, इनमें से अधिकतर देशों को अपने इलाकों के अंदर इस वायरस का और आगे फैलाव रोकने में पसीने छूट रहे हैं। अपवाद स्वरूप कुछ ऐसे देश जरूर हैं, जिन्होंने वायरस की गंभीरता कम करने के लिए शुरुआती और ठोस उपाय कर लिए थे। लेकिन किसी विश्व विजेता की भांति यह वायरस सरहदों को कुछ नहीं समझता, राष्ट्रराज्यों की हस्ती नहीं पहचानता और न ही संप्रभुता की रत्ती भर परवाह करता है।

सुरेश गांधी

क्यों पूर्वांचल के श्रमिक कोरोना से डर के लौटें घर

रविवार को जनता कर्फ्यू के दौरान देशभर के करोड़ों लोगों ने एक अरसे के बाद सुबह परिंदों के चहचहाने की आवाजें सुनीं। सच में कोरोना वायरस से भयभीत माहौल में पंछियों को देखनासुनना सुखद अनु अनुभव था। पर प्रलय की तरफ जाती दुनिया को बचाने के लिए अभी और कई जनता कर्फ्यू÷ और नेशनल लॉकडाउन जरूरी होंगे। अभी इन बिन्दुओं पर सोचनेविचारने का वक्त ही नहीं है कि इन कठोर कदमों का देश की आर्थिक स्थिति पर कितना नकारात्मक असर होगा। फिलवक्त यह सवाल गौण है। आर्थिक स्थिति का अर्थ तभी है जब आप जीवित बचेंगे। हालांकि कुछ समझदार मित्र अब भी इस मसले को उठाते हुए सरकार को कोस रहे हैं। इस बीच, मुंबई में बसे पूर्वांचली मजदूरों का लाखों की तादाद में अपने गावों की ओर लौटना निश्चित रूप से ही चिंता का कारण है। उन्हें अभी धैर्य से काम लेना चाहिए। वे तो ऐसा करके सरकार के सामने अनावश्यक रूप से संकट ही पैदा कर रहे हैं।

बहरहाल, अभी तो लगभग पूरे विश्व में ही जीवनमरण का प्रश्न पैदा हो गया है सिर्फ भारतवासियों के लिए ही नहीं। जाहिर है, इस अभूतपूर्व स्थिति का भारत को भी डटकर मुकाबला करना ही होगा। इस लिहाज से किसी भी प्रकार की काहिली या लापरवाही पूरे देश के लिए बेहद खरतनाक सिद्ध हो सकती है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनता कर्फ्यू के आह्वान पर रविवार को पूरे देश में रखे गए जनता कर्फ्यू के टेस्ट में देश उतीर्ण हुआ है। मैंने बड़े बड़े नेताओं को देखा। जे0 पी0 आन्दोलन में भी सक्रिय रहा ढ्ढ पर किसी के आह्वान का ऐसा अभूतपूर्व असर तो पहली बार ही देखा ढ्ढ जनता कर्फ्यू के चलते देश भर के लगभग 7 करोड़ व्यापारी और उनके 40 करोड़ कर्मचारी घरों पर ही रहे। इस दौरान सारे देश के छोटेबड़े शहरों की सड़कों पर सन्नाटा छाया रहा। वे ही घरों से निकले जिनके पास कोई विकल्प ही नहीं था या जो सेना, पुलिस, रेलवे, मेडिकल,मीडिया,सुरक्षा सेवा जैसे पेशों से संबंध रखते हैं। यानी भारत ने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई लड़ने का मन तो बना ही लिया है। अगर इसी संकल्प से इस लड़ाई को लड़ा गया तो विजय भी मिलेगी, कोरोना वायरस पराजित भी होगा। कोरोना वायरस के खतरे के आलोक में आईटी कंपनी के पेशेवरों से लेकर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तक वर्क फ्रॉम होम ही कर रहे हैं। यानी सब अपने को वक्त के साथ बदल रहे हैं, ढाल रहे हैं। यह तो करना ही होगा। अब दूसरा कोई चारा बचा भी तो नहीं है। कोरोना के कारण सारी दुनिया डूबते हुए टाइटैनिक जहाज की तरह हो गई है। इसे तो हर हाल में बचाना ही होगा।

देश के लिए चुनौतीपूर्ण आने वाले दिन कोरोना के खिलाफ की लड़ाई को ÷संयम और संकल्प से ही जीता जाएगा। बेशक आने वाले कुछ दिन देश के लिए बेहद अहम रहने वाले है। कहना न होगा कि इस दौरान संयम से ही देश एक बड़ी महामारी को परास्त करने में सफल हो जाएगा। पर चिंता की बात तो यह है कोरोना वायरस के खतरों से बेपरवाह सिंगर कनिका कपूर और मुक्केबाज मैरी कॉम जैसे तमाम सेलिब्रिटी कहे जाने वाले लोगों ने दूसरों की जान को संकट में डालने का कम किया है । इन हस्तियों से इस तरह की गैरजिम्मेदराना हरकतों को करने की उम्मीद तो किसी ने नहीं की थी। बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर कोरोना वायरस संक्रमित होने के बाद अब लखनऊ में ÷क्वारैंटाइन÷ हैं और अच्छी मेडिकल केयर के बीच उनका इलाज भी चल रहा है। वे कोरोना वायरस संक्रमित होने के बावजूद एक नहीं चारचार संगीत कार्यक्रमों में पहुंच गई थी। अब जरा बॉक्सर मैरी कॉम की भी बात कर

लें। उन्होंने भी क्वारैंटाइन प्रोटोकॉल तोड़ा और 14 दिन के आइसोलेशन पृथकता से पहले ही राष्ट्रपति भवन के द्वारा आयोजित सांसदों के अल्पाहार कार्यक्रम में शामिल हो गईं। वे राष्ट्रपति भवन में विगत 18 मार्च को आयोजित कार्यक्रम में सांसदों के साथ मौजूद थीं जबकि मैरी कॉम जॉर्डन में ओलंपिक क्वालिफायर राउंड के बाद 13 मार्च को ही भारत लौटी थीं।

डब्ल्यूएचओ के प्रोटोकॉल के मुताबिक मैरी कॉम को 27 मार्च तक आइसोलेशन में रहना था। मैरी कॉम मेरी मित्र और साथ ही में राज्यसभा सांसद भी हैं। वह राष्ट्रपति भवन में ब्रेकफास्ट मीटिंग में पता नहीं क्यों चली गईं ? एयरपोर्ट पर किसी ने उन्हें कुछ बताया या नहीं ? अब कनिका कपूर और मैरी कॉम जैसी शख्सियतें भी जब घोर गैरजिम्मेदारी का परिचय देंगी तो फिर क्या होगा। इन्हें अपनी जिम्मेदारी का न मालूम एहसास कब होगा। क्या इन्हें किसी ने बताया नहीं था कि कोरोना वायरस संक्रमण रोकने के लिए सरकार ने विदेश से लौटने वाले हर यात्री के लिए 14 दिनों तक क्वारैंटाइन में रहना अनिवार्य कर दिया है। लेकिन, गायिका कनिका कपूर और बॉक्सर एमसी मैरी कॉम ने इस नियम को तोड़ा। राष्ट्रपति भवन के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से पोस्ट की गई चार तस्वीरों में से एक में मैरी कॉम दूसरे सांसदों के साथ देखी जा सकती हैं। फोटो के शीर्षक के तौर पर लिखा था राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सुबह उत्तर प्रदेश और राजस्थान के सांसदों के लिए राष्ट्रपति भवन में नाश्ते का कार्यक्रम आयोजित किया। बॉलीवुड गायिका कनिका कपूर के संपर्क में आने वाले भाजपा सांसद दुष्यंत सिंह भी उसी दिन राष्ट्रपति भवन में मौजूद थे।

उन्होंने भी अब सेल्फ आइसोलेशन में रहने की घोषणा की है। जैसा कि मैं पहले कह रहा था कि यह समझ नहीं आ रहा कि मुंबई में रहने वाले बिहारी श्रमजीवी अचानक से अपने घर वापस जाने के लिए मारामारी क्यों कर रहे हैं। वे जिन महानगरों में हैं वहां तो चिकित्सा सुविधा गावों से कहीं ज्यादा बेहतर है। वे बिना जाँच कराये वापस लौटकर खतरा पैदा कर रहे हैं। वे तो एक तरह से कोरोना वायरस को अपने साथ बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, उड़ीसा लेकर जा रहे हैं। रविवार को ही यह खबर आई कि पटना में एक 38 साल के युवक की कोरोना वायरस का शिकार होने के कारण मौत हो गई। वह क़तर से अपने गाँव मुंगेर लौट रहा था। कुछ ज्ञानी मित्र कह रहे हैं कि मुंबई से पूर्वांचली श्रमजीवी इसलिए घरों की तरफ जा रहे हैं क्योंकि मायानगरी में तो कुछ दिनों के बाद खानपान के लाले पड़ जाएंगे।

हालांकि यह बात रत्ती भर भी सहीं नहीं है। आखिर हर साल पूर्वांचली मजदूर दशहरे से लेकर छठ के बीच 2025 दिनों के लिए अपने गावं वापस तो आते ही हैं। क्या इतने दिनों तक काम न करने के कारण उनके सामने भूखों मरने के हालात पैदा होते हैं? नहीं। दिल्ली के चावड़ी बाजार, अनाज मंडी, लाहौरी गेट वगैरह में हजारों पूर्वांचली मजदूर थोक व्यापारियों के पास काम करते हैं। इन सबके रहने की व्यवस्था इनके मालिकों की तरफ से गोदाम के आसपास ही कर दी जाती है। उधर ही ये अपना भोजन भी पका लेते हैं। मुंबई में भी कमोबेश यही स्थिति होनी चाहिए। फिर भी ये पूर्वांचल लौटने के लिए न जाने क्यों परेशान है।

खैर, यह हम सबको समझना होगा कि कोरोना के रोगियों का इलाज भी हो रहा है। वे इलाज के बाद अपने घरों को लौट रहे हैं। इसलिए कोरोना से इतना भी घबराने की जरूरत नहीं है। हां, पर इससे बचने के लिए जो भी संभव उपाय विशेषज्ञ बता रहे हैं, उनका तो पालन करना ही होगा। इस बाबत कोताही जानलेवा साबित हो सकती है। करोना से लड़ने के लिए देश दो या तीन हफ्ते तक शायद पूरी तरह बंद कर देना पड़े। इससे 14 दिनों तक जीवित रहने वाला या कोविड19 वायरस अपनेआप नष्ट हो जायेगा, ऐसा वैज्ञानिक कह रहे हैं। तो भाइयों, व्ही करो ना। रुके क्यों हों। मेहनत से आर्थिक मजबूती तो हम फिर हासिल कर ही लेंगे।

आर.के. सिन्हा
सदस्य, राज्यसभा ।

पत्रकार बंधु सुरक्षित रहे और सबको सुरक्षित रखे

पत्रकारिता धर्म छोटी से बड़ी खबर जनता तक पहुंचाने की ज़िम्मेदारी रखता है और हमारे सभी पत्रकार बंधु हर दुख सुख में अपना ये धर्म बखूबी निभाते है फिर चाहे वो तीजत्यौहार हो या वीभत्स दंगे हो, युद्ध हो, कोई हिंसक प्रदर्शन हो या फिर कुछ और... लेकिन इस बार परिदृश्य बेहद गंभीर है पत्रकार दोस्तों क्योंकि संक्रमण फैलाने वाली बीमारी से यदि कोई भी व्यक्ति संक्रमित हो तो वो वही संक्रमण कई जगह पहुंचा सकता है क्योंकि पत्रकार दिन भर में कई जगह जाते है, आम जनता से लेकर अफसरों, राजनीतिज्ञों स्वास्थ्य कर्मियों इत्यादि से मिलते है ऐसे में उसके संक्रमित होने का ख़तरा कई गुना बढ़ जाता है, और यदि वे संक्रमित हो जाए तो उससे ज़्यादा तेज़ी से संक्रमण फैलाने वाला माध्यम और कोई नहीं हो सकता, इसीलिए पत्रकार बंधुओं को सबसे ज़्यादा सावधानी रखने की आवश्यकता है, कल कुछ जगह के वीडियो देखने पर पाया कि वे बार बार मास्क उपर नीचे कर रहे थे और गाहे बगाहे लोगों से मिल रहे थे। आप सामाजिक योद्धा हो और आपको हर परिस्थितियों में समस्याओ से लडना है पर आप ध्यान रखे कि आपका जीवन तो अनमोल है ही पर आप जिनके वक्तव्य लेने जा रहे हैं वे भी अनमोल है। हमेशा मास्क पहने रहना, हर थोड़ी देर में हाथ धोना,सेनेटाइज करने, अस्पताल और ऑब्जर्वेशन व क्वारांटेन क्षेत्र से दूरी बनाने के अलावा मेरे निम्न सुझाव हैं

प्रथमतः इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बंधु पत्रकार अति आवश्यक होने पर ही बाइट लें, और यदि लें तो बूम माइक को टेली मोड पर रख एक मीटर की दूरी बनाएं, मास्क पहने रखें और यदि हो सके तो बूम माइक स्पोंज को हर बाइट के बाद सैनिटाइजर से **sanetize** करें, साथ ही दिन में कम से कम दो से तीन बार माइक यूनिट व कैमरों को भी एक **sanetizer** में भीगी हुई गौज़ से डिसिंफेक्ट करें। इससे बाइट लेने और देने वाले दोनों की जिंदगी सुरक्षित रहे।

द्वितीय प्रिंट मीडिया के बंधु फील्ड में खबर लिखते वक्त यदि डायरी पेन के इस्तेमाल कि जगह अपने मोबाइल में सॉफ्ट नोट लिख

डेस्क पर भेजें तो अधिक सावधानी रहेगी, साथ ही यदि फील्ड पर किसी प्रेस कॉन्फ्रेंस या कार्यक्रम में कलम लाना भूल गए हों तो किसी दूसरे की कलम लेने से बचें और यदि परिस्थिति में इस्तेमाल कर भी लिया हो तो करने के तुरंत बाद हाथ धोएं या **sanitize** करें या फिर कोशिश करे कि मोबाइल पर मौखिक नोट करके स्वयं मोबाइल द्वारा ही प्रेसित करे।

तृतीय सभी फील्ड के पत्रकार बंधु डेस्क ऑफिस आने जाने से बचे, उपलब्ध सॉफ्टवेयर या वाट्सएप के माध्यम से डेस्क तक खबरें पहुंचाए एवं जनता से भी रूबरू डिजिटल मीडिया से हो। सबसे पहले हमारी खबर के छद्म युद्ध का शिकार न बने।

चतुर्थ किसी भी एयरपोर्ट, बस अड्डे या रेलवे स्टेशन पर यदि चल रही स्क्रीनिंग का कवरेज या इन जगहों पर किसी संदिग्ध मरीज़ के मिलने का न्यूज़ प्वाइंट यदि बहुत आवश्यक हो तो ही कवर करने जाएं और उचित दूरी ज़रूर बनाएं, अब अत्याधुनिक मोबाइल फोन कैमरे भी काफी दूरी तक के विजुअल साफ ले लेते हैं, टेक्नोलॉजी का उपयोग कीजिए। जान है तो जहाँ है आप सुरक्षित रहेंगे तो आपके पत्रकारिता के दर्शन और कभी भी मिल जाएंगे। इसलिए साहसी बने दुस्साहसी नहीं।

पंचम रूप से ध्यान रखे कि अति आवश्यक हो तो पूरी सावधानी से अच्छी गुणवत्ता का मास्क लगा के जनता के बीच जाएं, कार्य खत्म होते ही तुरंत निकलकर अपने इक्विपमेंट व हाथ सेनेटाइज करें

षष्ठम कड़ी में महत्वपूर्ण है कि , रोज़ के अपने मूवमेंट का रिकॉर्ड या लॉग अवश्य रखें, जैसे कि सुबह घर से निकल कर और वापस काम ख़त्म करके जब आप घर लौटे तो कहां कहां गए, इसका दिनांक समेत रिकॉर्ड रखें और ज़रा सी भी तबीयत ख़राब होने पर तुरंत मेडिकल सहायता लें।

सप्तम आजकल बहुत सारे छद्म पत्रकार भी हो गए हैं ऐसे में आप अपना परिचय पत्र साथ अवश्य रखें और कोशिश करे कि डिजिटल मीडिया की सहायता से घर बेठ कर ज्यादा कार्य करे। अति आवश्यक हो तो ही लोगों के बीच जाए। विकट परीक्षा की घड़ी है पर हे पत्रकार बंधु आप अपने पत्रकारिता धर्म को निभाने के साथ साथ अपने स्वास्थ्य का व अपने नागरिक धर्म का ध्यान रखें। जानेअनजाने आप किसी संकट की कड़ी का भागीदार न बने। नहीं तो सावधानी हटी और दुर्घटना घटी और यह दुर्घटना काफी भयावह हो सकती है। आप सभी के कार्यों का भावभीना अभिवादन एवं शुभकामनाएं।

डॉ भावना शर्मा
मोदियो की जाव
झुंझुनूं राजस्थान।

अब रोकना ही होगा टीबी की बीमारी को ?

टीबी एक संक्रामक बीमारी है। जो संक्रमित लोगों के खांसने, छींकने या थूकने से फैलती है। आमतौर पर यह फेफड़ों को प्रभावित करती है। लेकिन यह शरीर के किसी भी हिस्से में फैल सकती है। इस बीमारी का इलाज तो है बशर्ते लोग नियमित रूप से दवा लें। भारत की नई स्वास्थ्य नीति में 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है।

24 मार्च को पूरे विश्व में टीबी दिवस मनाया जाता है। इस दिन टीबी यानि तपेदिक रोग के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है। टी.बी माइक्रोबैक्टीरियम नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है। यह बैक्टीरिया फेफड़ों में उत्पन्न होकर उसमें घाव कर देते हैं। यह कीटाणु फेफड़ों, त्वचा, जोड़ों, मेरूदण्ड, कण्ठ, हड्डियों, अंतड़ियों आदि पर हमला कर सकते हैं। ट्यूबरक्लोसिस जिसे टीबी या क्षय रोग के नाम से जानते हैं। यह एक ऐसी बीमारी है जिसकी पहचान आसानी से नहीं हो पाती है। इसलिए इसके लक्षणों पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। दुनिया में छहसात करोड़ लोग इस बीमारी से ग्रस्त हैं और हर वर्ष 25 से 30 लाख लोगों की इससे मौत हो जाती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में वित्त वर्ष 20202021 का आम बजट पेश करते वक्त कहा था कि 2025 तक भारत को टीवी मुक्त बनाया जायेगा। वित्त मंत्री ने अपने बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 69 हजार करोड़ रुपये की घोषणा की है। यह पिछले दो वित्तीय वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में इस वर्ष स्वास्थ्य क्षेत्र को 7 हजार करोड़ रूपये अधिक आवंटित किए गए हैं। मोदी सरकार रोग रहित भारत का प्रयास कर रही है। साल 2025 तक देश को टीवी मुक्त करने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि देश में जिन टीबी रोगियों का इलाज चल रहा है उन्हें 500 रुपए प्रतिमाह सहायता के रूप में दिए जा रहें हैं।

दुनिया में बीमरियों से मौत के 10 शीर्ष कारणों में टीबी को प्रमुख बताया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2018 में टीबी मरीजों की संख्या में पिछले साल की तुलना में करीब 50,000 की कमी आई। साल 2017 में भारत में टीबी के 27.4 लाख मरीज थे जो साल 2018 में घटकर 26.9 लाख रह गए। भारत में 2018 में टीबी के करीब 26.9 लाख लाख मामले सामने आए। भारत में टीबी के इलाज की कारगर दवा रिफामसिन के हताश करने वाले आंकड़े सामने आए हैं। इस दवा के निष्प्रभावी मामलों की संख्या 2017 में 32 फीसदी थी। यह संख्या 2018 में बढ़कर 46 फीसदी हो गयी है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में स्वास्थ्य सेवा का बड़ा ढांचा कमजोर है और कर्मचारियों की भारी कमी है। इसके अलावा बीमारी का शुरुआती दौर में पता लगने में दिक्कत और सही इलाज का मिलना चुनौती बनी हुई है। विश्व में भारत पर टीबी का बोझ सबसे अधिक है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में टीबी उन्मूलन को प्राथमिकता के तौर पर लिया गया है। इसका उद्देश्य टीबी के नए मामलों में 95 प्रतिशत की कमी करना और टीबी से मृत्यु में 95

प्रतिशत की कमी लाना है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में रोजाना करीब आठ सौ लोगों की मौत टीबी की वजह से हो जाती है। भारत में टीबी के करीब 10 प्रतिशत मामले बच्चों में हैं लेकिन इसमें से केवल छह प्रतिशत मामले ही सामने आते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक टीबी रिपोर्ट के अनुसार भारत, इंडोनेशिया, चीन, फिलीपींस, पाकिस्तान , नाजीरिया और दक्षिण अफ्रीका इससे गंभीर रूप से प्रभावित है। दुनिया में टीबी के मरीजों की संख्या का 64 प्रतिशत सिर्फ इन्हीं सात देशों में है, जिनमें भारत का स्थान सबसे ऊपर है।

विश्वभर के टीवी मरीजों में से 27 प्रतिशत यानि सबसे अधिक मरीज भारत में है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि भारत में टीबी के केवल 58 प्रतिशत मामले ही दर्ज होते हैं। एक तिहाई से ज्यादा मामले या तो दर्ज ही नहीं होते हैं या उनका इलाज नहीं हो पाता है। इसका बड़ा कारण यह है कि गैर सरकारी सेक्टर के अस्पतालों में टीबी को दर्ज किए जाने का अब तक कोई सिस्टम नहीं बना पाना है। संगठन का ऐसा अनुमान है कि ऐसे तकरीबन दस लाख और टीबी मरीज देश में है जिन्हें पहचाना ही नहीं जा सका है। इसलिए माना यह जाना चाहिए कि हम 2025 तक टीबी को जड़ से मिटा देने की बात कर रहे हैं मगर वह इतना आसान नही है।

देश में बड़ी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जी रही है। जब तक गरीबी दूर नहीं होगी तब तक टीबी पर पूर्णतया रोक नहीं लग पायेगी। टीबी का संबंध पोषण से जुड़ा रहता है। भूखे पेट रोगों से लडने की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए टीबी की बीमारी के शिकार गरीब तबके के लोग ज्यादा होते हैं। पोषण से मतलब संतुलित भोजन से माना जाना चाहिए। इसलिए यहां पर केवल टीबी का इलाज मुहैया करा भर देने से टीबी का खात्मा संभव नहीं है। यह तब मुमकिन होगा जबकि देश में लोगों को रोग प्रतिरोधक ताकत बनाए रखने के लिए संतुलित आहार भी मिले। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि भारत टीबी से निपटने को लेकर गंभीर नहीं है। अपनी ग्लोबल टीबी रिपोर्ट में उसने हमारे आंकड़ों पर भी सवाल उठाया है। उसके मुताबिक भारत ने टीबी के जितने मामले बताए हैं, वास्तव में मरीज उससे कहीं ज्यादा रहे हैं। भारत के गलत आंकड़ों की वजह से इस रोग का विश्वस्तरीय आकलन सही ढंग से नहीं हो पाया है। पिछले कुछ समय से टीबी के कई नए रूप सामने आ गए हैं। कई मानसिक बीमारियां टीबी का बड़ा कारण बनकर उभरी हैं। इस बीमारी को लेकर हमे नजरिया बदलने की जरूरत है। सरकार को परम्परागत तौरतरीके से बाहर निकलना होगा। टीबी से निपटने के लिए सरकार को निजी क्षेत्र के साथ मिलकर व्यापक योजना बनानी होगी।

विशेषज्ञों के मुताबिक सरकार को इस क्षेत्र में एक ठोस अभियान शुरू करना होगा और साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस जानलेवा बीमारी पर काबू पाने की राह में पैसों की कमी आड़े नहीं आए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो इससे मरने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी होगी। अपने बजट भाषण में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने टीबी को मिटाने के लिये जो प्रतिबद्धता जतायी है उस पर तुरन्त अमल करने की जरूरत है।

एक समय टीबी की बीमारी को लाईलाज रोग माना जाता था। टीबी के मरीजो को घर से अलग रखा जाता था व उससे अछूत जैसा व्यवहार किया जाता था। मगर अब टीबी की बीमारी का देश में पर्याप्त उपचार व दवा उपलब्ध है। टीबी के रोगियों द्वारा नियमित दवा के सेवन से नो माह में ही टीबी का रोगी पूर्णत: स्वस्थ हो जाता है। सरकार को टीबी रोग की प्रभावी रोकथाम के लिये बजट में स्वास्थ्य सुविधओं के विस्तार के लिये और अधिक राशि का प्रावधान करना होगा। टीबी के प्रति लोगों को सचेत करने के लिये देश भर में टीबी जागरूकता कार्यक्रम चलाने होंगे। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केन्द्रो की संख्या बढ़ाकर ही टीबी पर काबू पाया जा सकता है।

रमेश सर्राफ झुंझुन,
राजस्थान 9414255034

लाइलाज बीमारी नहीं है क्षय रोग

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार क्षय रोग जानलेवा बीमारी है। यह रोग एक बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण होता है। इसे फेफड़ों का रोग माना जाता है। टी.बी. के बैक्टीरिया साँस द्वारा शरीर में प्रवेश करते हैं। रोग से प्रभावित अंगों में छोटीछोटी गाँठ बन जाती हैं। उपचार न होने पर धीरेधीरे प्रभावित अंग अपना कार्य करना बंद कर देते हैं और यही मृत्यु का कारण हो सकता है।

विश्व क्षय रोग दिवस पूरे विश्व में 24 मार्च को घोषित किया गया है और इसका ध्येय लोगों को इस बीमारी के विषय में जागरूक करना और क्षय रोग की रोकथाम के लिए कदम उठाना। क्षय रोग दुनिया भर में रुग्णता और मृत्यु दर की एक प्रमुख वजह है क्योंकि क्षय रोग से प्रत्येक वर्ष 1.7 मिलियन लोगों की मृत्यु हो जाती है जिसका तात्पर्य है प्रत्येक बीस सेकण्ड में एक मौत। भारत में क्षय रोग विश्व की विशालतम महामारी है और यह रोग 15 से 45 वर्ष के बीच के भारतीयों का सबसे बड़ा हत्यारा है। भारत में यह एक दिन में हजार से भी अधिक मौतों का कारण है। भारत में टीबी के मरीजों की संख्या दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा है। यदि एक औसत निकालें तो दुनिया के 30 प्रतिशत टीबी रोगी भारत में पाए जाते हैं। टी.बी. का पूरा नाम है ट्यूबरकुल बेसिलाइ। यह एक छूत का रोग है और इसे प्रारंभिक अवस्था में ही न रोका गया तो जानलेवा साबित होता है। यह व्यक्ति को धीरेधीरे मारता है। टी.बी. रोग को अन्य कई नाम से जाना जाता है, जैसे तपेदिक, क्षय रोग तथा यक्ष्मा। दुनिया में छहसात करोड़ लोग इस बीमारी से ग्रस्त हैं और प्रत्येक वर्ष 25 से 30 लाख लोगों की इससे मौत हो जाती है। देश में हर तीन मिनट में दो मरीज क्षयरोग के कारण दम तोड़ देते हैं। हर दिन चालीस हजार लोगों को इसका संक्रमण हो जाता है। क्षय रोग के कीटाणु, संक्रमित लोगों के खांसने, छींकने, बातें करने और थूकने से हवा में घुलकर रोग को बढ़ाते हैं। किसी भी व्यक्ति की सांसों

में घुलकर यह दण्डाणु उसे प्रभावित कर सकते हैं। क्षय रोग की शुरुआत में आप थोड़ा सा काम करने पर थक जाते हैं आपको कमजोरी महसूस होने लगती है। कई बार लोग इस लक्षण को गंभीरता से नहीं लेते हैं और धीरे धीरे आपके शरीर पर टी.बी के बैकटेरिया आक्रमण करना शुरु कर देते हैं। बुखार आना, सर्दी जुकाम होना यह तपेदिक होने की शुरुआत भी हो सकते हैं। कई बार यह अपने आप ठीक भी हो जाता है लेकिन कभीकभी यह वापस भी आ जाता है। ऐसे में बिना देर किए तुरंत क्षय रोग का टेस्ट कराएं।

इस घातक बीमारी से बचने के लिए, विश्व स्वास्थय संगठन द्वारा प्रत्यक्ष निगरानी उपचार कोर्स, जिसे डॉट्स के नाम से जाना जाता है, की सिफारिश की गई है। यह बैक्टीरियोसाइडल और बैक्टीरियोस्टेटिक दवाओं की मिश्रित चिकित्सा पद्धति है जिसमें आइसोनियाजिड, रिफैम्पिन, इथामब्युटोल और पाइरैजिनामाइड शामिल है। टी.बी रोग अब लाइलाज नहीं रहा। हमारे देश में ऐसी दवाईयां बन चुकी हैं जिनसे क्षय रोग ठीक हो सकता है। इन दवाओं का कोर्स 69 महिने का होता है। लेकिन सामान्य तौर पर मरीज थोड़ा सा ठीक महसूस करने पर दवाओं का सेवन करना बंद कर देता। इससे टी.बी के दोबारा होने का खतरा बढ़ जाता है। डॉट्स के जरिए टी.बी के रोगियों को ठीक किया जाता है। इसके द्वारा कम समय में रोगी को पूरी तरह से इस रोग से मुक्ति दिलाई जा सकती है। यह विधि स्वास्थय संगठन द्वारा विश्व स्तर पर टी.बी. को नियन्त्रण करने के लिये अपनाई गई एक विश्वसनीय विधि है, जिसमें रोगी को एकदिन छोड़कर हफ्ते में तीन दिन डॉट्स कार्यकर्ता के द्वारा दवाई का सेवन कराया जाता है।

भारतीय धार्मिक ग्रंथों में क्षय रोग का उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद (1500 ई.पू. लिखा गया) में क्षय रोग को यक्ष्मा कहा गया है, अथर्ववेद में इसे बालसा कहा गया है। सुश्रुत संहिता (620 ई.पू. लिखा गया) में इस रोग से बचाव के लिए मां का दूध, विभिन्न प्रकार के मांस, शराब और आराम का प्रयोग करने को कहा गया है। शिव पुराण में क्षय रोग का वर्णन मिलता है। इसकी कहानी के अनुसार दक्ष प्रजापति ने अपनी पुत्री के पति चंद्रमा को क्षय रोग होने का श्राप दिया था।

टीबी भारत की प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। देश आज पहले की तुलना में टीबी से लड़ने के लिए बेहतर रूप से तैयार है। देश प्रभावी रूप से इस रोग को रोकने के लिए इसके निदान, उपचार और देखभाल की आधुनिक तकनीकों से लैस है। वर्ष 20122017 की अवधि के दौरान, संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम ने 42 मिलियन से अधिक व्यक्तियों की जांच की और 7 मिलियन से अधिक रोगियों का उपचार किया गया।

बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार
डी32, मॉडल टाउन, मालवीय नगर, जयपुर।
मो. 8949519406

मिलकर कदम बढ़ाना होगा

जनसंख्या विस्फोट,
को भी मथना होगा।
बढ़ते कचरे को,
भी थमना होगा।
मिलकर कदम बढ़ाना होगा

तरक्की की अंधी दौड़ में ,
मशीनी मानव बनती दुनिया को,
मानवीय चिंतन का ,
सबक सिखाना होगा।

मिलकर कदम बढ़ाना होगा।
सृष्टि पर आए संकट से ,
सबको हमें बचाना होगा ।।

संपूर्ण जगत के हर
मानव को,
अब मिलकर ,
कदम से कदम बढ़ाना होगा।

कोरोना को विध्वंस करके ,
जगत को,
वायरस मुक्त बनाना होगा ।।
संपूर्ण जगत के हर मानव को,
अब, मिलकर
कदम से कदम बढ़ाना होगा।।

जीवन पर जो संकट बना है।
उसका हल .....
अब सावधानी से पाना होगा ।

सृष्टि पर आए संकट से ,
सबको हमें बचाना होगा।

फिर से जीवन सजल हो ,
पावन धरा पर ,
सबको
मिलकर कदम बढ़ाना होगा।

स्वच्छता का ध्यान ,
अब रखना होगा।

प्रीति शर्मा असीम
नालागढ़, हिमाचल प्रदेश।

प्रभु की दयादृष्टि

दिल जहाँ में कई टूटे हैं,
कितने ज़िंदगी से रूठे हैं।

कई पलकों में सजे ख़्वाब,
सदासदा के लिए सोये हैं।

थालियों के निवाले छिने हैं,
रोशन आलों के दीपक बुझे हैं।

मिरे मालिक क्यूँ तूने ख़फ़ा,
होके ऐसे बेहिसाब ज़ख़्म दिए हैं।

सर पर हर तरफ क़ज़ा खड़ी है,
कैसी ये अभागी सी घड़ी है।

दर्दग़म के दौर में सहारा नहीं,
इतना दुख देखना अब गँवारा नहीं।

इंसान बड़ा बेसब्र हो रहा है,
दिलों का चैन अब खो रहा है।

टूटती उम्मीदों को हौसला दे दो,
गिरते हुए इंसान को सहारा दे दो।

बेसाख़्ता अश्क़ों के समंदर को,
मेरे भगवन अब सूखा कर दो।

मेरे प्रभु खताएँ सबकी बख़्श दो,
मेरे दाता अब दयादृष्टि फेर दो।

वंदना मोहन दुबे
गुड़गाँव (हरियाणा)।

कोरोना से गर बचना है

कोरोना से गर बचना है नही
जल्दी से मरना है
छोटे जीवों को मत मारो गर
धरा पे बहुत दिन जीना है

तो एक प्रहर का भोजन कुत्ते
बिल्ली को देना होंगा
वन्य जीवों के सरंक्षण का भी
आशिर्वाद लेना होंगा।
मिला मांसाहारी भोजन से
कोरोना उपहार
खाली हो गई गलियां खाली
हुआ सारा बाजार

भूल के मंदिर मस्जिद मानवता
को सोचना होंगा
सफाई रखकर घर वार में
सतर्क होके रहना होंगा।

बने चाइनीज़ कुत्ते बिल्ली मांस
के शौकीन
कोरोना की हरकत से हुआ है
अब तौहीन

खां गये पशु पंक्षी अब कीमत
सब तुम्हें चुकाना होंगा
बजाओ घन्टी क्षमा की इन
पापों से मुक्ति पाना होंगा।

सरल जीवों का तुम करों न
बेरहमी से टुकड़े
वरना कोरोना एक दिन फारेंगा
तुम्हारे कपड़े
शुद्ध करके तन मन सपथ के
साथ हाथ जोड़ना होंगा
दिल मे दया भाव रखकर नव
प्रकृति संग चलना होंगा।

साई सच्चरित्र में साई कहते है
न होंगा बुरा हाल
जिस घर गाँव में सदा कुत्ते
बिल्ली रहते खुशहाल
हमें शाकाहारी बनके कदम से
कदम बढ़ाना होंगा

मानव बनके सारी सृष्टि को
दिल से अपनाना होंगा
वन्य जीवों के संरक्षण का भी
आशिर्वाद लेना होंगा।।

उमाकान्त यादव उमंग
मेजारोड, प्रयागराज।

कोरोना का मिटेगा नामोनिशान...

कोरोना के कहर से मच गया है
हाहाकार,
इसके जद में आ चुका है अब
पूरा संसार।
बिना किसी जुर्म के घर में
लोग हुए हैं कैद,
अब प्रभु की कृपा से हो
सकता चमत्कार।।

चीत्कार रही मानवता हम कैसे
लिखें गीत,
सुनने का न मन हो रहा बजता
मधुर संगीत।
बिना इम्तिहान के बच्चों के
पास के आदेश,
अगले को देखते संदेह से, हम
हैं भयभीत।।

विकास की दौड़ से प्रकृति का
हुआ नुकसान,
कई नई बीमारी के लिए खुद
ही लाते समान।
फास्ट फूड पिज्जा बर्गर की
हावी है संस्कृति,
कोरोना का वायरस जीवन के
लिए व्यवधान।।

धीरे धीरे कर्फ़्यू जैसे हालात
होते ही जा रहे हैं,
एक दूजे का विश्वास हम सब
खोते जा रहे हैं।
जरूरत आन पड़ी एक जुटता
से हम काम लें,
एक बार फिर प्रभु हमारा
इम्तिहान लें रहे हैं।।
स्वच्छता और साफ सफाई पर
दें खूब ध्यान,
अफवाहों से कभी भी हमें न
होना है परेशान।
खान पान व अच्छी आदतों
को हम अपनाएं,
कोरोना वायरस का मिट
जाएगा नामोनिशान।।

दृढ़ इच्छाशक्ति से इस संकट
को दूर भगाएँगे,
कुदरत से छेड़छाड़ न करने की
कसम खाएँगे।
कुछ दिन में यह भी संकट
निश्चित टल जाएगा,
तब हम सब मिल जीवन की
खुशियाँ मनाएँगे।।

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती [उत्तर प्रदेश]।

गौरवशाली बिहार भूमि

गौतम बुद्ध की ज्ञान स्थली,
महावीर की परिनिर्वाण भूमि।
गुरु गोविंद की अंगड़ाई स्थली।
आर्यभट्ट,बाणभट्ट के यह
जन्मभूमि।
सबसे गौरवशाली यह
बिहार भूमि।।

महात्मा गांधी की कर्म स्थली,
राजेंद्र प्रसाद की जन्म भूमि।
भिखारी ठाकुर की नृत्य स्थली,
दशरथ मांझी की यह प्रेम भूमि।
सबसे गौरवशाली यह बिहार भूमि।।

संपूर्ण क्रांति की प्रयोग स्थली,
बक्सर लड़ाई की यह रंगभूमि।
पीर अली की ललकार स्थली,
वीर कुंवर सिंह की यह वीर भूमि।
सबसे गौरवशाली यह बिहार भूमि।।

मेहनतकश लोगों की पसंद स्थली,
कर्पूरी ठाकुर,जगदेव प्रसाद और
लालूयादव के सामाजिक
राष्ट्रवाद को
मशहूर करने वाली
समाजवाद भूमि।
सबसे गौरवशाली यह
बिहार भूमि।।

विपरीत परिस्थितियों में
लोकतंत्र की
नई परिभाषा गढ़ने वाली
पवित्र भूमि।
दुनिया के सबसे पुरानी
गणतंत्र स्थली,
वह है वैशाली गणतंत्र
की महान भूमि।
सबसे गौरवशाली यह
बिहार भूमि।।

दीवार पेंटिंग की
शुरुआत स्थली,
मधुबनी,मिथिला की
कलाकार भूमि।
चंद्रगुप्त मौर्य की मगध
साम्राज्य स्थली,
शेरशाह की वीरता की
शानदार भूमि।
सबसे गौरवशाली यह
बिहार भूमि।।

किसानी के लिए उपयुक्त
गंगा स्थली,
लिटी चोखा के लाजवाब
स्वाद भूमि।
केला,लीची,अमरूद की उपज
स्थली,
मालदह आम की यह मिठास भूमि।
सबसे गौरवशाली यह बिहार भूमि।।

विंध्यवासिनी की सुर साधना स्थली,
बिस्मिल्लाह खान की रहनुमाई भूमि।
सच्चे दिलवालों की सच्चाई स्थली,
गोपेंद्र गौतम की यह रोशनाई भूमि।
सबसे गौरवशाली यह बिहार भूमि।।

गोपेंद्र कुमार गौतम
औरंगाबाद, बिहार।

कोरोना विषाणु

पैठ कर गई है भीति दिलों में
सबका एक ही रोना है
त्राहि माम ईश इस विषाणु से
जिसका नाम कोरोना है।

कुछ हुए हैं नर से नरपिशाच
न जाने क्या कर जाते हैं
चौपायों को तो खाते ही हैं

व्याल दविज खा जाते हैं
परिणाम उसी का सम्मुख है
मिलकर अब सबको ढोना है
त्राहि माम ईश ..... ।
इसने कहर है अपना ऐसा ढाया
आज अखिल जग त्रस्त है
कितनी रेखा बन्द है व्यापारों
की
विश्व की अर्थव्यवस्था पस्त है
न खोज सका विज्ञान समाधान
बन्द हो रहा कोना कोना है
त्राहि माम ईश ..... ।

स्वयं को शीत खाद्यपेय से
अब तो बिल्कुल दूर एखो
बिरयानी,पिज़्ज़ा,बर्गर,चाऊ से
मन के अम्बक को सूर रखो
गर गौर किया न इन बातों पर
फिर पंचतत्व में खोना है
त्राहि माम ईश ..... ।

पैठ कर गई है भीति दिलों में
सबका एक ही रोना है
त्राहि माम ईश इस विषाणु से
जिसका नाम कोरोना है।।

नीरज कुमार द्विवेदी
गन्नीपुरश्रृंगीनारी, बस्ती
(उ0प्र0)।

भारतवासी एक हुए

जीवन पद्धति बिगड़ गई सब
उपचार सभी असहाय हुए
मानव की मानव से दूरी
ऐसे अब हालात हुए..।।

आज अकेलेपन की पीड़ा
ऊपर से कोरोना भय
बिना जुर्म ये सजा मिली है
कमरे में सब बंद हुए..।।

देश हमारा फिसल गया है
दिनचर्या की पटरी से
जो करते थे नारेबाजी
न जाने अब कहाँ गए..।।

सभी धर्म मज़हब की बातें
अब किसको हैं याद भला
देश बांटने वाले भी अब
डर के मारे दुबक गए..।।

नहीं कल्पना थी जीवन में
ऐसा दिन भी आएगा
सांसें भी अब सहम गई हैं
सबके सब लाचार हुए..।।

करें प्रार्थना मिलकर हम सब
समाधान कुछ मिल जाए
चलो दिखा दें दुनिया को हम
भारतवासी एक हुए..।।
भारतवासी एक हुए..।।

विजय कनौजिया
अम्बेडकर नगर (उ0 प्र0)।

चलने लगे

तुम्हारे ख्यालों की
दुनियाँ में आकर
सियासत मेरे में
उतरती नहीं हैं

जरा अपने गम का
लिबास तुम उतारो
बिना तेरे खुशियाँ
ये उभरती नहीं हैं

आज कुछ महफूज
सारे गम होने लगे
तेरे चाहत के इरादे
अब बनने लगे

हम शाम सुबह की
परवाह क्या करें
वो हर मोड़ पर मेरे
साथ चलने लगे

शिवम अन्तापुरिया
उत्तर प्रदेश।

मई में भी आईपीएल के लिए तैयार है बीसीसीआई

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। इस समय फैली खतरनाक बीमारी कोरनावायरस ने पूरे विश्व की रफ्तार को थाम दिया है और ऐसे में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण का भविष्य भी अधर में लटका है। बीसीसीआई का हालांकि मानना है कि अगर चीजें अप्रैल के अंत में भी बेहतर होती हैं और लीग का पहला मैच अगर मई के पहले सप्ताह में भी आयोजित कराना पड़ता है, तब भी बोर्ड लीग के आयोजन के लिए तैयार है।

बीसीसीआई के अधिकारी ने बात करते हुए कहा कि आईपीएल का भविष्य बताना अभी मुश्किल होगा, लेकिन बोर्ड उस पैटर्न को फॉलो कर लीग का आयोजन कर सकता है जो दक्षिण अफ्रीका में लीग के आयोजन के लिए उपयोग में लिया गया था, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि पहला

मैच मई के पहले सप्ताह में हो। अधिकारी ने कहा ज्यादा से ज्यादा हम अप्रैल के अंत तक का इंतजार कर सकते हैं। अगर लीग का पहला मैच मई के पहले सप्ताह में नहीं खेला जाता है तो इसका आयोजन लगभग नामुमकिन है।

हमें प्रक्रिया का पालन करने के लिए अप्रैल के अंत का इंतजार करना होगा। हम दक्षिण अफ्रीका में आयोजित कराए गए संस्करण से मदद ले सकते हैं। अगर आपको याद हो वो सबसे छोटा आईपीएल था जो 37 दिन चला था और जिसमें 59 मैच खेले गए थे। हम ऐसा कर सकते हैं। लेकिन कुछ चीजों का पालन करना होगा। अधिकारी से जब पूछा गया कि किन चीजों का पालन करने की बात वो कह रहे हैं तो उन्होंने कहा लोजिक्सटिक्स एक समय होगी ऐसे में यह सुनिश्चित करना होगा कि टूर्नामेंट महाराष्ट्र जैसे राज्य में खेला जाए जहां चार अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम हैं।

उन्होंने कहा आप इस तरह की स्थिति में पूरे देश में सफर नहीं करते। अगर हमें जरूरी मंजूरी मिल जाती है तो हम महाराष्ट्र में ही लीग कराएंगे जहां हमारे पास मुंबई में तीन स्टेडियम और पुणे में एक स्टेडियम है। इससे टीमों को नई जगहों पर खेलने का मौका भी मिलेगा और कम से कम सफर करना होगा। लेकिन इससे पहले सरकार को टूर्नामेंट को आयोजित करने को लेकर फैसला लेना होगा। जैसा बीसीसीआई अध्यक्ष ने बारबार कहा है कि जनस्वास्थ्य प्राथमिकता है।

कोरोना के प्रति जिम्मेदार बनने की जरूरत हैं: रवीना

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई । बालीवुड सिंगर कनिका कपूर के कोरोना वायरस को लेकर किए गए व्यवहार पर रवीना टंडन ने कहा कि इस बारे में ऐसे कई सवाल हैं जिनका जवाब कनिका बेहतर तरीके से दे सकती हैं।

उन्होंने कहा, 'इस मामले पर कई तरह की विरोधी बातें सामने आई हैं। इसलिए कोई कुछ नहीं कह सकता है कि वास्तव में उस समय परिस्थिति क्या थी। क्या अथॉरिटीज ने उन्हें (कनिका) को ठीक से चेक किया या नहीं या वह वास्तव में इस बारे में झूठ बोल रही हैं कि उस समय उन्हें बुखार नहीं था।'

रवीना ने यह भी बताया कि होली के दौरान काफी लोग पार्टी कर रहे थे लेकिन उनके परिवार ने इन पार्टियों और सेलिब्रेशन से दूर रहने का फैसला लिया। इसके अलावा उन्होंने अपने पैरेंट्स को भी यही सलाह दी कि वे इस बार होली न

मनाएं क्योंकि सीनियर सिटिजन कोरोना वायरस का शिकार आसानी से हो रहे हैं।

लोगों के और ज्यादा जिम्मेदार होने के पर जोर देते हुए रवीना ने कहा, 'लोगों को जागरुक होना चाहिए। पता नहीं कनिका को इस बारे में पता भी था या नहीं? ये कुछ ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब सिर्फ कनिका ही दे सकती हैं। लेकिन इस समय लोगों को और ज्यादा जिम्मेदार होने की जरूरत है। अगर आप कम उम्र के हैं और आपकी इम्यूनिटी मजबूत हैं, तब भी आपको कोरोना के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस जानकारी को आप किसी वरिष्ठ व्यक्ति को दे सकते हैं जो आपकी तरह मजबूत नहीं हैं। संभव है कि आप पर वायरस से कोई असर न पड़े लेकिन आप इससे किसी अन्य व्यक्ति को संक्रमित कर सकते हैं। इसलिए जिम्मेदार बनें।' बता दें कि जब से बॉलिवुड सिंगर कनिका कपूर को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है तभी से वह खबरों में हैं। इस मामले में कई बॉलीवुड सिलेब्रिटीज ने बेहद गैरजिम्मेदाराना व्यवहार के लिए कनिका कपूर की कड़ी आलोचना की है। कनिका कपूर इसी महीने की शुरुआत में लंदन से लौटी थीं और उन्होंने आइसोलेशन में रहने और सेल्फक्वॉरिंटाइन करने के बजाय घूमनाफिरना और पार्टी करना शुरू कर दिया। बाद में वह कोरोना पॉजिटिव पाई गईं जिसके कारण अन्य लोगों की जान को भी खतरा हो गया।

कनाडा ने ओलंपिक से नाम वापिस लिया जापान ने कहा खेल स्थगित होना 'तय'

टोक्यो । कनाडा के कोरोना वायरस संक्रमण के कारण तोक्यो ओलंपिक से नाम वापिस ले लिया जबकि जापान के प्रधानमंत्री ने सोमवार को स्वीकार किया कि खेलों में विलंब 'अवश्यंभावी' है हालांकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने चार सप्ताह के भीतर फैसला लेने की घोषणा की है।

आस्ट्रेलिया ने भी अपने खिलाड़ियों से तोक्यो ओलंपिक 2021 की तैयारी करने के लिये कहा है। ऐसी पूरी संभावना है कि 24 जुलाई से नौ अगस्त के बीच होने वाले ये खेल अब स्थगित कर दिये जायेंगे। जापान और ओलंपिक अधिकारी लगातार कहते आये हैं कि खेल निर्धारित समय पर होंगे लेकिन दुनिया भर से खेल महासंघों और खिलाड़ियों के विरोध के बाद उनका रूख बदला है। प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने संसद में कहा कि जापान खेलों को मुकम्मिल कराने को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने हालांकि कहा, ''यदि वह मुश्किल होता है तो खिलाड़ियों को प्राथमिकता पर रखते हुए खेलों को स्थगित करने का फैसला अवश्यंभावी लग रहा है।'' वहीं अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने रविवार को कहा कि दुनिया भर में कोविड 19 के प्रकोप के चलते ओलंपिक स्थगित करना एक विकल्प है लेकिन तोक्यो ओलंपिक रद्द करना उसके एजेंडे में नहीं है। आईओसी अध्यक्ष थामस बाक ने कहा कि इस पर फैसला चार

सप्ताह के भीतर लिया जायेगा। उन्होंने खिलाड़ियों को एक खुले खत में लिखा, ''इंसान सबसे ऊपर है,खेलों के आयोजन से भी।'' उन्होंने कहा, ''हमने पहले भी संकेत दिये हैं कि हम अलग अलग विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। तोक्यो ओलंपिक 2020 की अंतिम तिथि तय करना अभी भी जल्दबाजी होगी।'' उन्होंने कहा कि आईओसी संबंधित पक्षों और स्वास्थ्य विभाग से संपर्क में है। बाक ने कहा, ''हमें यकीन है कि अगले चार सप्ताह में कोई हल निकल आयेगा। खेलों को रद्द करना किसी समस्या का समाधान नहीं है और इससे किसी का भला नहीं होगा लिहाजा यह हमारे एजेंडे में नहीं है।'' कनाडा की ओलंपिक समिति ने कहा, ''बात सिर्फ खिलाड़ियों की सेहत की नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की है।कोविड 19 के चलते हमारे खिलाड़ियों, उनके परिवारों और कनाडाई लोगों की सेहत और सुरक्षा को देखते हुए उनका तैयारी जारी रखना सही नहीं होगा।'' इससे पहले अमेरिका और फ्रांस के तैराकी महासंघ, अमेरिका और स्पेन के एथलेटिक्स महासंघ, नार्वे ओलंपिक समिति, फ्रांस एथलेटिक्स और जाने माने मौजूदा और पूर्व खिलाड़ी कह चुके हैं कि इन हालात में ओलंपिक नहीं होने चाहिये।

राहुल एकदिवसीय में पांचवें क्रम पर बल्लेबाजी के सर्वश्रेष्ठ विकल्प: मांजरेकर

मुंबई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा कि युवा बल्लेबाज लोकेश राहुल एकदिवसीय मैचों में भारतीय बल्लेबाली क्रम में पांचवें स्थान के लिए उपयुक्त है लेकिन उन्होंने सुझाव दिया कि भारतीय टीम प्रबंधन को सुरेश रैना और युवराज सिंह जैसे बल्लेबाजों को ढूंढना चाहिए। राहुल ने इस साल की शुरुआत में जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय मैच में मध्य क्रम में बल्लेबाजी की थी। बाद में उन्होंने न्यूजीलैंड में सीमित ओवरों की श्रृंखला में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। कर्नाटक का यह खिलाड़ी एकदिवसीय में विकेट कीपिंग कर रहे है। भारत के लिए 37 टेस्ट और 74 एकदिवसीय खेलने वाले मांजरेकर अपने ट्विटर पेज पर प्रशंसकों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उनसे पूछा गया कि क्या भारत को एकदिवसीय मैचों में राहुल के साथ पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करना जारी रखना चाहिए या वह राहुल के अलावा अन्य बल्लेबाजों को उस स्थिति में देखते हैं। मांजरेकर ने कहा, ''फिलहाल वह उपयुक्त हैं। लेकिन हमें रैना और युवी जैसे बल्लेबाज की तलाश जारी रखनी चाहिए, राहुल को बाद में शीर्ष क्रम पर खेलना होगा।

कैटरीना कैफ बनेंगी अमिताभ बच्चन की ऑन स्क्रीन बेटी!

मुंबई । अक्षय कुमार के साथ कैटरीना कैफ की फिल्म 'सूर्यवंशी' रिलीज होने वाली थी। लेकिन कोरोना के घातक परिणामों को देखते हुए इसकी रिलीज डेट टाल दी है। ऐसे में कैटरीना कैफ के फैंस के लिए खुशखबरी सामने आ रही है कि वह जल्द ही नई फिल्म में नजर आएंगी। दरअसल मीडिया गलियारों में खबरें हैं कि कैटरीना कैफ और अमिताभ बच्चन साथ में एक बार फिर काम करने जा रहे हैं।

कहा जा रहा है कि 'सुपर 30' और 'क्वीन' डायरेक्टर विकास बहल के साथ कैटरीना कैफ और अमिताभ बच्चन की अपकमिंग फिल्म 'डेडली' पर बातचीत चल रही है।

मीडिया वेबसाइट मुंबई मिरर में छपी रिपोर्ट में कहा गया है कि इस फिल्म में 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' में साथ में कर चुके कैटरीना कैफ और अमिताभ बच्चन साथ में काम करेंगे। कहा जा रहा है 'डेडली' नाम की ये फिल्म एक कॉमेडी फिल्म होगी। जिसमें कैटरीना कैफ और अमिताभ बच्चन लीड रोल में होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैटरीना कैफ इस फिल्म में अमिताभ बच्चन की बेटी का रोल अदा करेंगी। कहा जा रहा है कि अगर

दोनों ने इस फिल्म पर हामी भर दी तो ये पहला मौका होगा जब कैटरीना ऑनस्क्रीन बिग बी की बेटी का रोल अदा करेंगी। बताया जा रहा है कि कोरोना वायरस के चलते इस प्रोजेक्ट पर अभी बातचीत नहीं हो पाई है। जैसे ही स्थिति सामान्य होगी तो इस फिल्म को लेकर दोनों से बातचीत की जाएगी।

कैटरीना और अमिताभ दोनों की ओर से फिल्म ज्वाइन करने की कोई खबर सामने नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स में ही फिलहाल ऐसे दावे किए जा रहे हैं। खैर इससे पहले एक ज्वैलरी ऐड के लिए कैटरीना कैफ और अमिताभ बच्चन बाप बेटी के रोल में नजर आ चुके हैं। फिल्म पीकू में दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन ने साथ में काम किया था। दोनों की फिल्म ने शानदार बिजनेस भी किया था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन दीपिका के पिता के रोल में नजर आए थे।

अपनी फिल्मों के कई सीन के माध्यम से शाहरुख फैला रहे जागरूकता

मुंबई । सुपरस्टार शाहरुख खान रविवार को लोगों में कोरोनोवायरस के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक अनूठा और दिलचस्प वीडियो लेकर आए। उन्होंने अपनी फिल्मों के दृश्यों का प्रयोग कर कोविड19 पर एक मजेदार और जानकारीपूर्ण वीडियो बनाया है। साल 1992 में आई उनकी लोकप्रिय फिल्म 'राजू बन गया जेंटलमैन' का गीत 'लवेरिया', 'कल हो ना हो' (2003), 'चलते चलते' (2003) और 'रईस' (2017) जैसे हिट फिल्मों के गानों के माध्यम से शाहरुख ने कोरोनोवायरस के बारे में तथ्यों को बताने का प्रयास किया है। सिर्फ इतना ही नहीं उन्होंने यह भी बताया है कि लोगों को किस तरह के मास्क नहीं खरीदने चाहिए और इसके लिए उन्होंने 'बाजीगर' और 'बादशाह' फिल्म की मदद ली है। शाहरुख ने ट्वीट किया, 'इंशाअल्लाह हैशटैगजनताकर्फ्यू वायरस के प्रसार के खिलाफ मदद करेगा, हालांकि हमें यह फिर से करना पड़ सकता है। ताली ने काफी खुशी दी।

जिंदगी रही तो ही ओलिंपिक खेल पाएंगे: बजरंग पूनिया

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। ओलिंपिक की तैयारियों में जुटे भारत के कद्दावर पहलवान बजरंग पूनिया भी इन दिनों दुनिया भर में फैले कोरोना वायरस से चिंतित हैं। इस रेसलर ने भी कोरोना के चलते आगामी तोक्यो ओलिंपिक को टालने की बात कही है। इस पहलवान ने कहा अगर जिंदगी रही तो ओलिंपिक खेल पाएंगे। बजरंग तोक्यो ओलिंपिक में भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीदों में एक हैं। राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित इस पहलवान ने अंग्रेजी दैनिक 'द इंडियन एक्सप्रेस' से हुई बातचीत में कहा, 'फिलहाल जिस तरह चीजें चल रही हैं ऐसे में बेहतर यही है कि ओलिंपिक खेलों को टाल दिया जाए। यह सिर्फ हमारे लिए ही नहीं बल्कि दुनिया भर के ऐथलीट्स के लिए बेहतर फैसला होगा। यह सभी के लिए मुश्किल क्षण हैं।' 65 किलो वर्ग में दुनिया के श्रेष्ठ पहलवानों में शुमार इस रेसलर ने कहा, 'अगर आईओसी तय शेड्यूल पर ही आगे बढ़ता है और दूसरे देश भी इसमें (ओलिंपिक) हिस्सा लेने आते हैं, तब हमें भी भाग लेना होगा। लेकिन अगर वे दोचार महीने हालात सामान्य होने का इंतजार कर लें तो यह बेहतर होगा। जिंदगी रही तो ओलिंपिक खेल पाएंगे। लेकिन अगर कोई अपनी जिंदगी ही गंवा दे तो फिर ओलिंपिक का क्या मतलब है?' इस बीच कनाडा ने साफ कर दिया है कि वह अपनी टीम को ओलिंपिक खेलों में नहीं भेजेगा और उसने

इंटरनैशनल ओलिंपिक संघ (आईओसी) विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) से अपील की है कि इन खेलों को एक साल के लिए टाल दिया जाए। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने भी अपने खिलाड़ियों को 2021 तोक्यो ओलिंपिक की तैयारी के लिए बोल दिया है। यानी उसे भी उम्मीद है कि इस बार ओलिंपिक तय समय पर नहीं हो पाएंगे। ओलिंपिक कमिटी ने भी कहा है कि वह अगले चार सप्ताह के भीतर ओलिंपिक को स्थगित करने पर कोई बड़ा फैसला ले लेगा।

कोई मैच नहीं होने से वापसी की योजना को धक्का लगा: जेजे

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। भारतीय फुटबाल टीम के विश्व कप क्वालीफायर मैच को कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के कारण टाल दिया गया जिससे राष्ट्रीय टीम में वापसी का इंतजार कर रहे फारवर्ड खिलाड़ी जेजे लालपेखुलुआ को झटका लगा है जो इन दिनों मिजोरम में प्रशिक्षण ले रहे हैं।इस महामारी के कारण लगभग सभी खेल आयोजनों को रद्द या स्थगित कर दिया है जिसमें आगामी 2022 फुटबाल विश्व कप क्वालीफायर के मैच भी शामिल है। भारत को इसमें अपने घरेलू मैदान पर कतर (26 मार्च) के खिलाफ और जून में बांग्लादेश और अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना था। जेजे ने कहा, ''मैं वास्तव में भुवनेश्वर में होने वाले शिविर का इंतजार कर रहा था। इसके निलंबन होने से बड़ा झटका लगा है लेकिन शिकायत करने की कोई वजह नहीं है और मैं पूरी तरह से इस फैसले का समर्थन कर रहा हूं।'' पिछले साल मई के महीने से रिहैबिलिटेशन में गुजर रहे जेजे ने कहा कि वह वापसी के लिए बेकरार है। उन्होंने कहा, ''पिछले सत्र में मेरे घुटने में चोट लगी थी और मई में सर्जरी हुई। मेरा रिहैबिलिटेशन पूरा हो गया है। मुझे महसूस हो रहा कि मैं पूरी फिटनेस हासिल करने के करीब पहुंच रहा हूं।'' जेजे ने कहा, ''शुरुआत में मैंने चेन्नई में अपना रिहैबिलिटेशन शुरू किया। उसके बाद मैं विदेश गया था और वहां अच्छा सत्र बिताया। चिकित्सक और फिजियो काफी मददगार थे। कई बार मुझे एक दिन में

दो सत्र में भाग लेना होता था जिसने मुझे जल्दी ठीक होने में मदद की।'' उन्होंने कहा, ''मैं अभी मिजोरम में हूं और यहां चिकित्सकों और फिजियो के परामर्श से व्यक्तिगत सत्र में भाग ले रहा हूं।'' इस फुटबाल खिलाड़ी ने कोरोना वायरस की महामारी के खिलाफ लड़ाई में शामिल चिकित्सा कर्मचारियों और दूसरे लोगों को सलाम किया। उन्होंने कहा, ''दुनिया भर में इस बीमारी से लड़ने में मदद कर रहे चिकित्सा सदस्य और अन्य सभी लोगों को बड़ी सलामी। उनके बिना यह संकट और भी बुरा होता।''

'हिचकी' के साथ मैंने नई यात्रा शुरू की: रानी मुखर्जी

मुंबई, (वेबवार्ता)। रानी मुखर्जी की फिल्म 'हिचकी' ने आज अपनी रिलीज के दो साल पूरे कर लिए। अभिनेत्री ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए बहुत खास है और उन्होंने फिल्म के साथ इंडस्ट्री में एक नई यात्रा की शुरुआत की है। रानी ने कहा, 'जब भी मैं यह सोचती हूं कि 'हिचकी' कितनी खास है, तो मुझे पहले यह कहना होगा कि यह कई चीजों के मद्देनजर मिली एक तरह की जीत थी।

यह बहुत सारी रूढ़िवादिता को तोड़ रही थी। मैं शादी और मां बनने के बाद एक फिल्म कर रही थी। रानी ने कहा, 'यह एक ऐसी फिल्म थी जो विश्व स्तर पर विशेष रूप से चीन जैसे देशों में रिलीज हो रही थी, जहां यह एक ब्लॉकबस्टर बन गई थी और इसे एक दिल को छूने वाली मानवीय कहानी के रूप में स्वीकार किया गया था। मुझे लगता है कि इस तरह का साबित हुआ कि यह फिल्म कितनी खास है। फिल्म में रूढ़िवादिता को पछाड़ने का संदेश है। फिल्म में रानी ने एक स्कूल शिक्षिका का किरदार निभाया था, जो टॉरेट सिंड्रोम से जूझती है। अभिनेत्री को लगता है कि 'हिचकी' हमेशा उनके लिए 'विशेष' फिल्म रहेगी।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मेरे लिए यह हमेशा एक विशेष फिल्म रहेगी। मां बनने के बाद मेरी पहली फिल्म थी। एक तरह से मेरे करियर की दूसरी पारी में मेरी पहली फिल्म। यह एक व्यक्ति के रूप में मेरे लिए एक पुनर्जन्म जैसा था।

जनता कर्फ्यू में बाहर निकले लोगों को ऐक्टर वीर दास ने बताया वायरस

मुंबई । जनता कर्फ्यू के दौरान रविवार को शाम 5 बजे भारत के अलगअलग हिस्सों में लोगों ने अपनी बालकनी, दरवाजों के बाहर आकर तालियां बजाईं और कोरोना वायरस के बीच काम कर रहे हेल्थ वर्कर्स के लिए चियर किया। हालांकि, कुछ बॉलिवुड सिलेब्रिटीज ने उन लोगों पर सवाल उठाया जो कर्फ्यू तोड़कर सड़कों पर सेलिब्रेट करने के लिए पहुंच गए।

मुंबई के ट्विटर यूजर ने ऐसा ही एक विडियो पोस्ट किया जिस पर ऐक्ट्रेस रिचा चड्ढा ने लिखा, 'बेवकूफी अपने चरम पर। यह जनता कर्फ्यू के विपरीत है।' इस विडियो में पीएम मोदी द्वारा लगाए गए 14 घंटे के कर्फ्यू के बीच कई लोग एकसाथ सड़कों पर नजर आ रहे हैं।

वहीं, ऐक्टर और स्टैंडअप कमीडियन वीर दास ने लिखा, 'अब लोग बाहर घूम रहे हैं और इंजॉय कर रहे हैं। बेवकूफी3 यह हमारा वायरस है।' वहीं, ऐक्टर जय भानुशाली ने भीड़ का एक विडियो शेयर करते हुए लिखा, 'क्यों नहीं कुछ लोग जनता कर्फ्यू की गंभीरता को समझते हैं। लोगों को सड़कों पर देखकर निराशा होती है जबकि कोविड19 बुरी तरह फैल रहा है। अगर आप इस विडियो में हैं तो आपको शर्म आनी चाहिए। पुलिस और सरकार से रिक्वेस्ट है कि वे और कठोर नियमों के साथ आगे आएं।' गौहर खान ने भी एक विडियो पर रिऐक्ट किया जिसे फिल्ममेकर केन घोष ने ट्विटर पर पोस्ट किया। ऐक्ट्रेस ने लिखा, 'उद्देश्य को ही मार डाला!' डिनो मोरिया ने भी अहमदाबाद के एक विडियो पर रिऐक्ट करते हुए लिखा, 'कहां है सोशल डिस्टेंसिंग। आपको अपने घर में ही खड़े होकर ताली बजानी थी। इंडियावालों, निर्देशों को ध्यान से सुनिए।'

कोरोना वायरस: शोएब अख्तर बोले- इंडिया से सीखें पाकिस्तान के लोग

लाहौर । पाकिस्तान में कोरोना वायरस कोविड 19 महामारी के प्रकोप ने रफ्तार पकड़ ली है। यहां अब तक 799 केस पॉजिटिव पाए गए हैं और 6 लोगों की मौत हो चुकी है। इस मौके पर पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने पाकिस्तान के हालात पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यहां के लोग इस घातक वायरस के इतना गंभीर रूप लेने के बाद भी चैकन्ने नहीं हैं और वे बेधड़क झुंड बनाकर कहीं भी आजा रहे हैं। लोगों को संभलना चाहिए और खुद को लॉकडाउन करना चाहिए। रावलपिंडी एक्सप्रेस ने कहा कि इस मामले में हमें इंडिया से सीख लेने की जरूरत है। वहां कर्फ्यू लगा है लोगों ने खुद को अपनी मर्जी से लॉकडाउन किया हुआ है। बांग्लादेश और रवांडा जैसे मुल्क भी इस घातक बीमारी पर अच्छा काम कर रहे हैं। लेकिन पाकिस्तान के लोगों में डर ही नहीं है। यहां एकएक बाइक पर चारचार लोग बैठकर घूम रहे हैं। लोग पहाड़ों पर

पिक्निक मनाने जा रहे हैं। अख्तर ने कहा कि पंजाब (पाकिस्तान प्रांत) सरकार को यहां हालात पर काबू पाने के लिए कर्फ्यू लगाना चाहिए। यहां रेस्तरां रात 1010 बजे तक खुल रहे हैं। लोग एकदूसरे के घर में दावतों के लिए जा रहे हैं। अख्तर ने लोगों से अपील की वे वक्त की नजाकत को समझें और दो सप्ताह के लिए सबसे मिलनाजुलना बंद करें ताकि इस वायरस को प्रभावहीन किया जा सके। इस तेज गेंदबाज ने बताया कि लोगों को समझना चाहिए कि इस बीमारी के 90 फीसदी मामले लोगों के संपर्क में आने से ही सामने आए हैं। ऐसे में लोगों को संपर्क में आने से बचना चाहिए और दो सप्ताह घर में रहने की आदत डालनी चाहिए।

ब्रिटेन से स्वदेश लौटने के बाद संगकारा ने खुद को अलग किया

कोलंबो । श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा ने कहा है कि उन्होंने फिलहाल खुद को अलग कर लिया है। कोविड 19 के चलते श्रीलंका सरकार ने भी निर्देश दिये हैं कि यूरोप से लौटने वाले नागरिक खुद को अलग कर लें।

संगकारा ने न्यूज फर्स्ट से कहा, ''मुझमें कोई लक्षण नहीं पाये गए हैं लेकिन मैं सरकार के निर्देशों का पालन कर रहा हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं एक सप्ताह पहले लंदन से आया और मैने देखा कि एक से 15 मार्च के भीतर विदेश से आने वालों के लिये पुलिस के पास रजिस्ट्रेशन कराना और खुद को अलग करना जरूरी है। मैने पुलिस के पास रजिस्ट्रेशन करा लिया है।'' संगकारा और पूर्वकप्तान महेला जयवर्धने सोशल मीडिया पर लोगों को घबराहटसे बचने और सामाजिक दूरी बनाये रखने का आग्रह कर रहे हैं।

संयोगिता के किरदार के साथ न्याय करना बड़ी जिम्मेदारी: मानुषी छिल्लर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई । बालीवुड की अपकमिंग फिल्म 'पृथ्वीराज' से अक्षय कुमार के साथ डेब्यू करने जा रही अभिनेत्री मानुषी छिल्लर का कहना है कि पर्दे पर संयोगिता के किरदार के साथ न्याय करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मानुषी छिल्लर ने कहा, फिल्म 'पृथ्वीराज' वास्तव में एक बहुत बड़ा अनुभव है। इसे एक बहुत बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है और हमने अपने राजस्थान शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है। इस राज्य में शूटिंग करने का अनुभव बेहतरीन रहा, क्योंकि हमने कुछ बेहद ही शानदार दृश्य यहां फिल्माए हैं। यह मेरी पहली फिल्म के लिए मेरा पहला आउटडोर है और इस पूरे अनुभव से मोहित हूं।' मानुषी छिल्लर ने आगे कहा, 'राजस्थान में शूटिंग के दौरान हमें खूब प्यार मिला। पृथ्वीराज और संयोगिता के लिए लोगों के दिलों में सम्मान है और इसे देखकर बहुत ही अच्छा लगा। ऐसे में संयोगिता के किरदार को पर्दे पर निभाना मेरे लिए

एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रही हूं कि जब लोग दिवाली में इस फिल्म को थिएटर में देखें, तो उन्हें पूरी तरह से संतोष मिले।' चंद्रप्रकाश द्विवेदी द्वारा निर्देशित यह फिल्म इस साल दिवाली पर रिलीज हो रही है। फिल्म में अक्षय कुमार पृथ्वीराज चैहान का किरदार निभाएंगे। बता दें, पृथ्वीराज चैहान का जन्म वर्ष 1168 में हुआ था। वह अजमेर के राजा सोमेश्वर चैहान के पुत्र थे। पृथ्वीराज ने 13 वर्ष की उम्र में अजमेर के राजगढ़ की गद्दी को संभाला था। मानुषी छिल्लर की यह डेब्यू फिल्म भारत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। सैकडों साल पहले जन्मे वीर यौध्दा पृथ्वीराज चैहान को पूरे देश भर में आज भी सम्मान के साथ देखा जाता है।

कोरोना से जीतने के लिए हमें रुकना पड़ेगा: अक्षय

मुंबई । कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए बालिवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने एक विडियो शेयर कर लोगों से घर पर रहने और लोगों से दूरी बनाने की अपील की है। अक्षय कुमार ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक विडियो शेयर किया है। इस विडियो में अक्षय कुमार कह रहे हैं, मुंबई एयरपोर्ट पर लौटें लोगों का कोरोना टेस्ट किया जा रहा है और उन्हें स्टैंप लगाकर होम क्वारंटाइन के लिए भेजा रहा है और होटल के लिए भेजा जा रहा है। इन लोगों समझाया जा रहा कि सोशल डिस्टैसिंग बनाने के लिए कहा जा रहा लेकिन लोग इसका पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि कोरोना वायरस हम से आगे चल रहा है। इससे जीतने के लिए हमें रुकना पड़ेगा। बता दें कि वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने बीते बुधवार को कोरोना वायरस को महामारी घोषित कर दिया। देशभर में कोरोना वायरस के अबतक 207 कन्फर्म मामले सामने आए हैं।

एक नजर

वाहन बनाने वाली कंपनियों ने किया उत्पादन बंद

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के उद्देश्य से यात्री वाहन बनाने वाली कंपनियों महिंद्रा एंड महिंद्रा, हीरो मोटोकॉर्प, होंडा मोरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया और सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने अपनेअपने संयंत्रों में उत्पादन बंद करने का निर्णय लिया है। महिंद्रा ने यहां जारी एक बयान में कहा कि उसके लिए कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पहली प्राथमिकता है और इसी को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र में कोरोना के संक्रमण को देखते हुए नागपुर, चाकन के साथ ही मुंबई के कांदिवली स्थित संयंत्रों और कार्यालयों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। चाकन में आज रात से उत्पादन बंद होगा जबकि अन्य संयंत्रों में उत्पादन बंद किया जा चुका है। दोपहिया वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी हीरो मोटकॉर्प ने देश विदेश स्थित अपने सभी संयंत्रों को बंद कर दिया है। उसने भारत के साथ ही कोलंबिया और बंगलादेश स्थित विनिर्माण इकाइयों के साथ ही नीमराना के ग्लोबल पार्ट्स सेंटर में भी 31 मार्च तक उत्पादन बंद कर दिया है। दोपहिया वाहन बनाने वाली देश की दूसरी बड़ी कंपनी होंडा मटरसाइकिल एंड स्कूटर ने भी देश में स्थित अपने चारों सन्यत्रों में अगले आदेश तक उत्पादन बंद कर दिया है। दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी सुजुकी मोटर साइकिल ने भी गुरुग्राम स्थित अपने संयंत्र में अगले आदेश तक विनिर्माण बंद कर दिया है।

शराब के कारोबार में पकड़े गए लोगों को तुरंत रिहा किया जाए: मनोज

(आदित्य कुमार दुबे)

बेतिया। राहुल गांधी यूथ बिग्रेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज केशान मीडिया को बताया कि बिहार में शराब के करवर में अधिकांशत लोगों को पकड़ा गया है जो कि अभी जेल में बंद है । कोरोना वायरस का प्रकोप दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहा है । इन लोगों को बिहार सरकार जल्द से जल्द रिहा करे। जिससे कि यह कोरोना वायरस के प्रकोप से बच सकें । बात दे की उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आदेश जारी किये जाने के बाद यह बात कहीं है।

स्ट ने अपने आदेश में कहा है कि कोरोना के मद्देनजर सैकड़ों कैदी रिहा होंगे। विचाराधीन कैदियों को कुछ समय के लिये रिहा कर सकते हैं । स्ट ने राज्यों को दिया सुझाव 7 साल से कम सजा पाये, छोटे अपराधों में विचाराधीन कैदियों को 6 हफ्ते की परोल देना उचित रहेगा ! इसी के मद्देनजर मनोज केशान ने अपनी मांगों को रखा है ।

अगर सरकार इनकी बातों को मानती है तो जेल में बंद कैदियों को कोरोना वायरस से बचने की संभावना भी बढ़ जाती है ।

लॉकडाउन को दिखाया ठेंगा तो सख्त हुई पुलिस

संक्रमण के बढ़ते असर को देखते हुए बनारस के बार्डर सील, आवाजाही पर रोक

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। तमाम सख्ती के बाद भी सोमवार को लॉकडाउन को ठेंगा दिखाते हुए सड़कों पर लोगों ने जमकर भीड़भाड़ की। खासकर मुस्लिम इलाकों में तथाकथित मोदी विरोधी नेताओं ने लोगों में भ्रम फैलाने की भरपूर कोशिश की। जबकि वाराणसी में लॉकडाउन के बाद धारा 144 लागू है। सार्वजनिक स्थल पर पांच से अधिक व्यक्तियों का इकट्ठा होना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद सुबह होते ही अधिकांश इलाकों में दुकाने धड़ाधड़ खुल गयी। दुकानों पर दुगने दाम में भी लोग आटा, दाल, चावल सहित रोजमर्रा की जरुरते वाली सामनों व साग सब्जियों की खरीदारी की।

यह अलग बात है कि सोशल मीडिया के जरिए जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जानकारी हुई ट्वीट कर देशवासियों से लॉकडाउन को गंभीरता से लेने की बात कही। साथ ही केंद्र सरकार की तरफ से बाकायदा राज्यों सरकारों को कहा गया है कि लॉकडाउन का सही से पालन कराएं और अगर कोई नियम का उल्लंघन करे तो सख्त कार्रवाई की जाए। इस आदेश के बाद प्रशासन सख्त रुख अख्तियार करते हुए दुकाने बंद कराई। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद आननफानन में वाराणसी के सभी बार्डर सील कर दिए गए। वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी गई। हिदायत दी गयी है कि लॉकडाउन की अवधि के दौरान कोई भी नागरिक

बिना वजह सड़कों पर नहीं घूमेगा।

बता दें, कोरोना वायरस अलर्ट के बाद वाराणसी जिले को लॉकडाउन किया गया है। लेकिन प्रशासन की बारबार अपील के बावजूद खानेपीने की चीजें खरीदने में लोगों में होड़ दिखाई दी। कई जगह मंडी और खानेपाने की दुकानों पर भारी भीड़ नजर आई। सड़कों पर जरूरी खाद्य सामग्री खरीदने के लिए लोगों की भीड़ उमड गयी। इससे प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। लेकिन प्रशासन ने जल्द ही स्थिति कंट्रोल में कर लिया और दुकाने बंद कर दी। जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने बताया कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए जनहित में 23 से 25 मार्च तक कुछ विशेष प्रतिबंध लगाए गए हैं। पूरे जनपद में धारा 144 लागू की गई हैं। इस अवधि में सभी नागरिक आपातकालीन स्थिति को छोड़कर अपनेअपने घरों में रहेंगे। सभी निजी दोपहिया, तीन पहिया, चार पहिया वाहन एवं साइकिल का संचालन पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। आवश्यक सेवाओं की किसी को आवश्यकता होगी, तो वह अपने मोहल्ले स्थित दुकान से ही सामान खरीदेगा व इसके लिए कोई वाहन प्रयोग नहीं होगा।

टैक्सी, ऑटो रिक्शा, ईरिक्शा का परिवहन एवं संचालन बंद रहेगा। सभी वाणिज्यक प्रतिष्ठान, दुकाने, शैक्षिक संस्थान, रेस्टोरेंट, होटल पूर्ण रूप से बंद रहेंगे। नागरिक सोशल डिस्टेंस गाइडलाइन का पालन करेंगे। जनपद के बॉर्डर सील रहेंगे। बाहर से आने वाले वाहन जनपद के अंदर प्रवेश नहीं करेंगे। केवल आवश्यक वस्तुओं का विक्रय करने वाली दुकानें और प्रतिष्ठान जैसेअनाज, गल्ला, किराना, जनरल स्टोर, दूध, रसोई गैस, पेट्रोल पम्प, एलपीजी गैस, सीएनजी स्टेशन, सब्जी, फल, दवाई की दुकानें, पेय पदार्थ, बेकरी, डेयरी दुग्ध/डेयरी प्लान्ट ट्रांसपोर्ट, लाजिस्टिक्स, कूरियर, वेयर हाउस, शीतगृह, खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित इकाईयों और पैथोलॉजी लैब से जुड़े रिटेल एवं होलसेल की दुकानें/प्रतिष्ठान पर प्रतिबन्ध लागू नहीं है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस से देश में अब तक 9 लोगों की मौत हुई है। आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। महाराष्ट्र में स्थिति कुछ ज्यादा ही खराब है। यहां मरीजों की संख्या बढ़कर 89 पहुंच गई है। जबकि देश में 23 मार्च की शाम 4 बजे तक मरीजों की कुल संख्या 433 हो गई। सबसे ज्यादा 3 मौत महाराष्ट्र में हुई हैं। जबकि दिल्ली, पंजाब, गुजरात, बिहार, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में 11 शख्स की जान गई है।

मोदी ने जानी काशी की जनता का हाल

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

वाराणसी। प्रधानमंत्री और वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी कोरोना वायरस को लेकर पूरे देश की निगरानी में लगे हुए हैं। वह लोगों को ट्विटर के माध्यम से सचेत कर रहे हैं। इस व्यस्तता में भी वह काशी की जनता का हाल जानना नहीं भूलते हैं। उन्होंने रविवार को भाजपा के नेताओं को फोन कर जनता कर्फ्यू का हाल जाना। प्रधानमंत्री ने पूछा कि जनता कितना पालन कर रही है। प्रशासन का सफाई को लेकर कितनी सजगता है।

साथ ही उन्होंने मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, चर्च आदि धार्मिक स्थलों पर इसके पालन के संबंध में जानकारी ली। उधर, सूबे के स्टांप शुल्क राज्यमंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने लोगों से कोरोना महामारी को देखते हुए लोगों से बेहद सतर्क रहने की अपील की है।

लोगों से घरों में ही रहने की हिदायत देते हुए कहा है कि पेपरयुक्त अखबारों से भी परहेज करें। घर बैठे ईपेपर डाउनलोड कर पढ़ें। इससे कोरोना संक्रमण का भी खतरा कम होगा और आप सुरक्षित भी रहेंगे। वाराणसी में प्रवास कर रहे भाजपा

राज्यमंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने किया लोगों से घर में अखबार की जगह ईपेपर पढ़ने की अपील

प्रदेश और काशी क्षेत्र के पदाधिकारियों ने उन्हे बताया कि जनता का आपके आवाहन का शत प्रतिशत समर्थन है। लोग घरों में रह कर प्रशासन का पूरा सहयोग बरत रहे हैं। प्रशासन भी पूरी चैकसी के साथ जनता के साथ कंधे से कंधा मिला कर कोरोना से लड़ने में लगा हुआ है। जहां कहीं से भी कोई अस्वाभाविक सूचना आ रही है प्रशासन तत्काल उसका संज्ञान ले रहा है। काशी के नेताओं ने प्रधानमंत्री को आश्वस्त किया कि समस्त काशीवासी कोरोना के संक्रमण से देश को बचाने में आपके साथ है। काशी के सभी धर्मों के गुरुओं ने भी प्रधानमंत्री के आवाहन में एक दिन पहले ही अपने धर्मावलंबियों से घर में रहकर पूजा और उपासना करने का एलान किया है। प्रधानमंत्री ने काशी की जनता का सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया।

सेंसेक्स में 10 प्रतिशत की गिरावट, कारोबार 45 मिनट के लिए रोका गया

मुंबई । प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स में सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान लगभग 3,000 अंकों की भारी गिरावट हुई। दुनिया भर में कोरोना वायरस महामारी को रोकने के लिए की जा रही बंदी के चलते सेंसेक्स ने सुबह के सत्र में निचली सर्किट सीमा को छू लिया, जिसके कारण कारोबार को 45 मिनट के लिए बंद कर दिया गया। इस समय दुनिया भर में भारी मंदी की आशंकाएं जताई जा रही हैं। बीएसई सेंसक्स सुबह के कारोबार में 2,718 अंक गिरकर खुला और उसके बाद यह 2,991.85 अंकों या 10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,924.11 पर आ गया। इसी तरह एनएसई निफ्टी 842.45 अंक या 9.63 प्रतिशत गिरकर 7,903 पर आ गया। शेयर बाजार की स्वचालित व्यवस्था के अनुसार जब बाजार दोपहर एक बजे से पहले 10 प्रतिशत गिरता है, तो शेयर बाजारों में 45 मिनट के लिए कारोबार रुक जाता है।

सो रहे लोगों के पत्थर हो जाने की अफवाह पर सड़क पर बिताई रात

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मेरठ । जनता कर्फ्यू और लॉकडाउन के बीच रविवार रात एक अफवाह से वेस्ट यूपी के तमाम गांवों के लोग रातभर जागते रहे। अफवाह फैली कि कई जगह सोतेसोते लोग पत्थर बन गए हैं। गांव पलट गया है। भूकंप आने वाला है। खबर एक से दूसरे गांव होते हुए पूरे वेस्ट में फैल गई। बच्चे, महिलाएं और पुरुष चारपाई छोड़कर सड़कों पर आ गए। जो लोग सो रहे थे, उन्हें भी घर वालों ने जगा दिया। अफवाहों को काबू करने के लिए कई जगह पुलिस को सड़क पर उतरना पड़ा। बिजनौर में पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में भी ले लिया है। इसी तरह बुलंदशहर, बागपत, हापुड़, शामली में भी अफवाहें सिर उठाती रहीं। इन अफवाहों के चलते गांव के गांव जागते रहे मेरठ जिले के 50 से ज्यादा गांवों में रात दो से तड़के पांच बजे के बीच इन अफवाहों का जोर रहा। मेरठ की पुलिस लाइन के ज्यादातर परिवार तड़के चार बजे उठ गए। मेरठ में चार स्स्थानों पर रात में यूपी112 की पुलिस पहुंची और अफवाहों को शांत

किया। कंकरखेड़ा, लावड़, हस्तिनापुर, किठौर, सरधना, परीक्षितगढ़, दौराला, गंगानगर आदि क्षेत्रों में पत्थर हो जाने की अफवाह रही। सोशल मीडिया पर भी एक से बढकर एक मनगढंत चीजें चलती रहीं। बिजनौर में फोन से फैली अफवाह पर तमाम गांव के लोग घरों से बाहर निकल आए। कस्बों के अलावा करीब पांच सौ गांव के लोग सारी रात जागे। सोशल मीडिया पर एक ही परिवार के सात लोगों को मृत बताकर फोटो वायरल किया गया। यहां अधिकारियों को सोशल मीडिया पर आकर अफवाहों का खंडन करना पड़ा। सोमवार की शाम, अफवाह फैलाने में शामिल सात लोगों को पुलिस ने अलग अलग थाना क्षेत्रों में पकड़ा है। पकड़े गए लोगों से पूछताछ की जा रही है। अफवाह फैलाने के लिए उन जिलों और गांवों के नाम का इस्तेमाल हुआ, जो दूरी पर पड़ते हैं। उदाहरण के तौर पर बुलंदशहर के लोगों को मेरठ के कई गांवों में पत्थर हो जाने की सूचना दी गई। मेरठवालों को बिजनौर के कई गांव बताए गए। बिजनौर में अलीगढ़, मेरठ में नोएडा और बुलंदशहर के गांवों के नाम बताए गए।

कोरानाः दुनिया भर में 15,000 मौतें, 120 करोड़ लोग कैद

नई दिल्ली । 21वीं सदी में दुनिया एक बेहद भयावह दौर से गुजर रही है। मानव सभ्यता पर संकट के ऐसे बादल मंडरा रहे हैं कि लोगों को अपना सारा कामधाम छोड़कर घरों में दुबकने को मजबूर होना पड़ रहा है। स्कूल, ऑफिस, मॉल, कम्युनिटी हॉल, सांस्कृति केंद्र, रेस्तरां और दुकानों पर ताला लगा हुआ है तो न लोगों को लग्जरी प्लेन की उड़ानें भा रही हैं न साइकल की। जीवन पर ऐसा ब्रेक चीन से फैले कोरोना वायरस ने लगा दी है। कई देशों में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से लॉकडाउन की स्थिति है और एक अनुमान के मुताबिक एक अरब से अधिक लोगों को घरों में रहने को कहा गया है। जब धरती पर मानव आबादी 7.7 अरब है तो एक अरब का घर के अंदर बंद हो जाना बड़ी बात है। एएफपी के अनुमान के मुताबिक दुनिया के 50 से अधिक देश और क्षेत्रों ने अपने 120 करोड़ लोगों को घरों के अंदर रहने को कहा है। कुछ देशों में पूरी तरह लॉकडाउन है तो कुछ देशों ने सीमित इलाके को लॉकडाउन किया है। चीन, डेनमार्क, अलसल्वाडोर, फ्रांस, आयरलैंड, इटली, जर्मनी, ब्रिटेन, पोलैंड, स्पेन, बेल्जियम, अर्जेंटीना, वेटिकन सिटी, नार्वे, ईरान, दक्षिण कोरिया, हॉन्गकॉन्ग और इंडोनेशिया सहित 20 देशों ने लॉकडाउन लागू किया हुआ है। इसके अलावा भारत, पाकिस्तान, अमेरिका जैसे देशों ने किसी शहर या एक सीमित इलाके में लॉकडाउन लागू किया है। दुनिया में संक्रमित लोगों का आंकड़ा 3.5 लाख को पार कर गया है जबकि 15 हजार से अधिक लोग अब तक मारे गए हैं। वहीं, 90 हजार से अधिक लोग इससे रिकवर भी हुए हैं। भारत में 16 राज्यों में लॉकडाउन घोषित कर दिया गया है। भारत में अब तक 380 पॉजिटिव केस आए हैं जिनमें 41 विदेशी नागरिक हैं और 7 लोगों की मौत हो चुकी है। बढ़ते संक्रमण के बीच रविवार को जनता कर्फ्यू का आयोजन किया, जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, लेकिन कई जगह लोग समूहों में जुटे दिखे।

सूर्यदत्ता इन्स्टिट्यूट ऑफ फॅशन डिझाईन को अभिनेता सुनील शेट्टी के हाथों इंडियाज सिग्नेचर ब्रँड पुरस्कार

(संजय जोशी/वूमेन एक्सप्रेस)

पुणे। पिछले 10 वर्षों में छात्र और प्राध्यापकों ने द्वारा किये गए इनोव्हेटिव्ह अँड क्रिएटिव्ह कार्य को ध्यान में लेकर सूर्यदत्ता इन्स्टिट्यूट ऑफ फॅशन टेक्नॉलॉजी (एसआयएफटी) को पश्चिम भारत का नाविन्यपूर्ण और क्रयशील फॅशन डिझाईन इन्स्टिट्यूट के तौर पर नवाजा गया है। मिशवा प्रॉडक्शन्स द्वारा दिया जाने वाला यह इंडियाज सिग्नेचर ब्रँड पुरस्कार सूर्यदत्ता एज्युकेशन फाउंडेशन के कुलसचिव नूतन जाधव और एसआयएफटी के प्रो. मोनिका कर्वे ने स्वीकार किया।

गोवा में हाल ही हुए समारोह में प्रसिद्ध अभिनेता सुनील शेट्टी और गोवा के नगरविकास और कृषिमंत्री चंद्रकांत कवळेकर के हाथों इस पुरस्कार का वितरण किया गया। इस पुरस्कार सामारोह में कई संस्था, कंपनी, ब्रँड और उधमी संबंधित आदि श्रेणीं में उनके कार्य के लिये पुरस्कार दिये गए। एसआयएफटी को मिले इस पुरस्कार के लिये सूर्यदत्ता संस्थान की उपाध्यक्ष सुषमा चोरडिया ने सभी छात्र छात्राओं, शिक्षकों और विविध कर्मचारी वर्ग का अभिनंदन किया। सुषमा चोरडिया ने कहा, संस्थान के

संस्थापक डॉ. संजय चोरडिया के नेतृत्व में छात्र के विकास और सर्वोत्तम शिक्षा देकर गुणवत्ता का एक मानक बनाने के लिये प्रयत्नशील है। पुणे विश्वविद्यालय संलग्न बीएससी इन फॅशन डिझाईन, और यशवंतराव चव्हाण मुक्त विश्वविद्यालय संलग्नित डिप्लोमा, अडवान्सड डिप्लोमा आदि कोर्स चलाये जाते है। प्रो. रेणुका घोसपुरकर और प्रो. मोनिका कर्वे ने कहा, ÷हम उन छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं जो डिजाइन क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं।इसके लिए पाठ्यक्रम के साथसाथ विभिन्न प्रदर्शनों और फील्डवर्क पर जोर दिया जाता है। लाक्लास वार्षिक फैशन शो, स्पार्क प्रदर्शनी हो रही है। इस 10 वर्षों में विभिन्न संकल्पना पर उपक्रम किये गये। इस साल खादी पर प्रदर्शन और फैशन शो हुआ।

इसमें एक हजार से अधिक खादी वस्तुओं को छात्रों द्वारा बनाया गया था।साथ ही छात्रों के बीच सामाजिक प्रतिबद्धता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

किसी योद्धा से कम नहीं हैं नगर निगम के सफाई कर्मचारीः तिवारी

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने दिल्ली सरकार से तीनों नगर निगम के रुके हुए फंड को तत्काल प्रभाव से रिलीज करने की अपील करते हुए कहा कि दिल्ली के लोगों की सुरक्षा को देखते हुए पूरी दिल्ली लॉक डाउन है और सभी लोग अपने घरों में सुरक्षित हैं लेकिन नगर निगम के कर्मचारी सड़कों पर दिल्ली की सेवा में लगे हुए हैं। कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के बीच साफसफाई भी उतनी ही जरूरी है और यही कारण है कि अपने स्वास्थ्य की परवाह किए बगैर नगर निगम कर्मचारी दिल्ली की साफसफाई का पूरा ध्यान रख रहे हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि फंड की कमी के कारण दिल्ली को साफ और स्वच्छ रखने के लिए नगर निगम के सफाई कर्मचारियों का काम प्रभावित ना हो। तिवारी ने कहा कि नगर निगम के सफाई कर्मचारी कोरोना से संक्रमित होने के खतरे का सामना करते हुए अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद रहे। संक्रमण के इस भारी खतरे के बीच सफाई कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं जिससे लोग गंदगी के कारण किसी दूसरी बीमारी से संक्रमित न हो जाए। जनता कर्फ्यू के दिन भी शहर के सफाई कर्मचारी अपने कार्यस्थल पर उपस्थित रहे। कोरोना के खौफ के

बीच वे आज भी अपने कार्य स्थल पर मुस्तैद हैं। लोगों की सुरक्षा के लिए इन्होंने खुद जोखिम लेने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। आज की स्थिति में ये किसी योद्धा से कम नहीं है। इस मुश्किल परिस्थिति में यह दिल्ली सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है कि नगर निगम के रुके हुए फंड को रिलीज करें ताकि नगर निगम कर्मचारी अपना दायित्व निभा सके।

यूपीः पूर्वांचल में परदेशी बाबू बढ़ा सकते हैं कोरोना का संक्रमण

(प्रभुनाथ शुक्ल/वूमेन एक्सप्रेस)

भदोही । पूर्वांचल में कोरोना संक्रमण महामारी का रुप ले सकता है। क्योंकि जनता कर्फ्यू के दूसरे दिन वह सतर्कता नहीं दिखी। सोमवार को दुकानें खुली रहीं लोग बेधड़क सड़कों पर आते जाते दिखे। भारी तादात में घर पहुँचे परदेशी भी वायरस का वाहक बन सकते हैं। क्योंकि जो महानगरों से लोग घर पहुँचे हैं यह पता नहीं हैं कि उनकी थर्मल स्क्रीनिंग हुई भी है। नवरात्रि की खरीददारी को लेकर भी व्रती बाजार पहुँच रहे हैं।

राज्य की योगी सरकार ने संक्रमण की गम्भीरता को देखते हुए 16 जिलों को लाक डाउन कर दिया है। जिसमें वाराणसी, बलिया और आजमगढ़ जैसे जिले भी शामिल है। क्योंकि आजमगढ़ में भारी संख्या में लोग खाड़ी देशों में रहते हैं। इस वैश्विक संकट की वजह से वह घर लौट रहे हैं। पूर्वांचल में काफी संख्या में लोग मुम्बई, सूरत और दूसरे महानगरों में रहते हैं। भदोही में काफी संख्या में लोग मुंबई , सूरत और कोलकाता से लौट रहे हैं। जिसकी वजह से स्थिति बिगड़ सकतीं है। क्योंकि इनकी कोई जांच हुई भी है ऐसा नहीं कहा जा सकता है। वह यात्रा के दौरान किसी संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं। मुम्बई से गोरखपुर जाने वाली गोदान एक्सप्रेस में भी कई संक्रमित मिल चुके हैं।

देश के दूसरे राज्यों से जो लोग घर पहुँचे हैं उनकी जांच हुई है कि नहीं यह भी बड़ा सवाल है। गाँव में प्रदेश से पहुँचे वाले लोगों में शंकाएं भी बढ़ रहीं हैं और लोग उन्हें संदिग्ध की निगाह से देख रहे हैं। उधर देश के कई शहरों में लाक डाउन होने से जो लोग घर नहीं पहुँचे हैं उनके परिजनों की चिन्ताएं बढ़ गई हैं। इस स्थिति को देखते हुए गाँवों को भी एक दूसरे गाँव से लाक डाउन करने की स्थिति बढ़ गई है। लोग रेल गाड़ियों के चैनपुल कर स्टेशनों के पूर्व ही उतर कर घर पहुँचे हैं। सरकार को इस मामले में प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में थर्मल स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। गाँवों को भी लाक डाउन करने की ज़रूरत है। गोपीगंज के पूरे भागवत गाँव में कुछ लोग महाराष्ट्र और नगालैंड से आए हैं। लेकिन गाँव वालों का दावा है की उनकी जांच नहीं कराई गई। ग्रामीणों का दावा है कि ज़िला प्रशासन को सूचना देने के बाद भी जांच नहीं कराई गई। जिसके बाद गाँव वालों ने प्रदर्शन किया। पुलिस और प्रशासन लोगों से घरों से न निकलने की नसीहत दे रहा है लेकिन लोग कोरोना संक्रमण को उतनी गम्भीरता से नहीं ले रहे हैं। ज़िला प्रशासन को इस पर बेहद सख्त क़दम उठाने और ग्राम पंचायतों को अधिक सजग और सतर्क बनाने की जरूरत है। इस मामले में थोड़ी सी लापरवाही महामारी का रुप ले सजती है।

दिल्ली सरकार चौथे चरण के मेट्रो के लिए जारी करेगी 2400 करोड़

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने चैथे चरण के मेट्रो के लिए 2400 करोड़ रुपये जारी किए हैं। दिल्ली सरकार ने सोमवार को वित्तीय वर्ष 202021 के लिए पेश बजट किया।इससे उम्मीद की जा रही है कि दिल्ली मेट्रो के चैथे चरण का काम काफी तेजी से होगा। बता दें कि दिल्ली मेट्रो राजधानी की लाइफलाइन बन चुकी है। दिल्ली मेट्रो के विस्तार के चैथे चरण के निर्माण केलिए मोदी और केजरीवाल सरकार ने अपनी रजामंदी दे दी थी। इसके बाद इसके वित्तपोषण के तौर तरीकों में बदलाव को भी अनुमति मिल चुकी है। इस फेज चार के तहत बन रहे तीन कॉरिडोर के लिए जमीन की हिस्सेदारी भी समझौता हो चुका है। इसमें केंद्र और राज्य की 50:50 फीसद हिस्सेदारी होगी।

इन कॉरिडोर में एरोसिटी तुगलकाबाद, आरके आश्रमजनकपुरी (पश्चिम) तथा मुकुंदपुरमौजपुर के कॉरिडोर शामिल हैं। मेट्रो का चैथा फेज बन जाने के बाद दिल्ली के साथ नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम और सोनीपत के 40 लाख से अधिक मेट्रो यात्रियों को लाभ मिलेगा।

अयोध्या में अघोषित लॉकडाउन की हुई घोषणा, 2 अप्रैल तक लगा प्रतिबंध

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

अयोध्या । कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए अयोध्या में राम नवमी मेले में हर तरह से भीड़ रोकने की तैयारी शुरू हो गई है। कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए डीएम एके झा ने सोमवार को ही अघोषित लॉकडाउन का आदेश जारी कर इसको सख्ती से लागू करवाने की भी पहल शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि यह एडवाइजरी नहीं बल्कि आदेश है, इसका पालन न करने वालों के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा। आदेश आने के बाद से ही बाजार बंद होने लगे।

मंदिरों के द्वार श्रद्धालुओं के लिए बंद

प्रशासन की पहल पर अब अयोध्या के मठ और मंदिरो के महंतो ने कोरोना वायरस के संकट को देखते हुए मंदिरों के द्वार श्रद्धालुओं के लिए बंद करने का ऐलान कर दिया है। दशरथ महल के महंत देवेन्द्र प्रसादाचार्य ने सबसे पहले इसका ऐलान किया। श्रद्धालुओं से रामनवमी व नवरात्र के अनुष्ठान अपने घर पर ही करने की सलाह दी। इसके बाद महंत जनार्दन दास व दांडिया मंदिर के महंत व राम लला मंदिर के पुजारी सत्येंद्र दास ने भी ऐसी ही घोषणाएं कर दीं। अघोषित लॉकडाउन के तहत सभी

साप्ताहिक बाजार, बैंक, हॉट ,मॉल, रेस्टोरेंट, फूड पॉइंट ,इंडस्ट्री, ढाबा होम डिलीवरी बंद रहेगी।

नगर क्षेत्र में किसी प्रकार का वाहन टेंपो, ट्रैवलर, ऑटो, प्राइवेट टैक्सी एवं निजी बसों का परिचालन 2 अप्रैल तक बंद रहेगा। इसके अलावा सभी तरह के सरकारी व गैर सरकारी निर्माण कार्यों पर 2 अप्रैल तक रोक लगा दी गई है। जिले के सभी सिनेमा हॉल, मल्टी ब्रांडेड शोरूम ,रिटेल शोरूम भी 2अप्रैल तक बंद रहेंगे। चकबंदी व अन्य न्यायालय भी 2 अप्रैल तक बंद रहेंगे। किसी भी सार्वजनिक स्थल पर 5 से ज्यादा एक साथ इकट्ठा नहीं होंगे। केवल फार्मेसी, किराना और फल सब्जी की दुकानें चालू रहेंगी। खाद्यान्न और दैनिक उपयोगी वस्तुओं सुनिश्चित करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। जमाखोरी और कालाबाजारी के नियंत्रण लगाया जाएगा। राज्य सरकार जिला प्रशासन के वित्तीय संस्थानों ,निकायों ,प्राधिकरणों की वसूली 6 अप्रैल तक स्थगित कर दी गई है। कोई बेदखली की कार्रवाई नहीं होगी।

नैनी (इलाहाबाद) कार्यालय
मेवालाल की बगिया खादिम के बगल
प्रभारीः
राजेश सरकार
सुजीत चौरसिया
Mo- 9956762825
9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुनील पाण्डेय ने आदित्य ग्राफिक्स INC, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व ई–4/168, गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

निगम पार्षद वीना विरमानी ने फेस-मास्क किए वितरित

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की पूर्व अध्यक्षा और रमेश नगर से निगम पार्षद वीना विरमानी ने आज अपनी संस्थाआस्था वेलफेयर सोसाइटी के माध्यम से सैनिटेरी, हॉर्टिकल्चर एवं मलेरिया डिपार्टमेंट के कर्मचारियों को फेसमास्क वितरित किए। 2 दिन पहले भी विरमानी ने अपनी संस्था के माध्यम से इन कर्मचारियों को साबुन वितरित किए थे। विरमानी ने यह अनुरोध किया कि जनता को सफाई कर्मचारियों का सहयोग करना चाहिए और स्वयं में सतर्क रहना चाहिए। लोगों को खुद में सतर्क रहना चाहिए और सफाई कर्मचारियों का भी ख्याल रखना चाहिए। महिलाओं से वीना विरमानी ने अनुरोध किया गया कि घर में काम करने वाली श्रमिकों को तत्काल प्रभाव से छुट्टियां दी जाए जब तक स्वयंसंगरोध का समय है घर के सारे काम सभी घरवालों को मिल कर करने चाहिए। विरमानी ने कहा कि इस समय यह आवश्यक है कि महामारी के इस स्टेज 3 पर एक सख्त संगरोध मनाया जाए। हम दिल्ली में और भारत में एक बड़ी आबादी है, इसलिए हम पश्चिमी देशों की तुलना में अधिक सावधानी बनाई रखनी होगी। कल 5 बजे के लोगो के उत्साह से पता चलता है की हमारा देश एकजुट खड़ा है और हम साथ मिलकर इस महामारी लड सकेंगे।

सड़क के किनारे नवजात का शव मिला, पुलिस ने शुरू की जांच

नई दिल्ली। गीता कॉलोनी इलाके में नवजात का शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। यह घटना रविवार की है। पुलिस ने बताया कि शाम साढ़े पांच बजे ताज एंक्लेव के पास सड़क के किनारे नवजात के पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस को कपड़े में लिपटा बच्ची का शव बरामद हुआ। लगता है कि रविवार को ही उसका जन्म हुआ। आसपास के नर्सिंग होम से रविवार को हुई डिलीवरी के बारे में पता लगाया जा रहा है। मातापिता का पता चलने पर ही स्पष्ट होगा कि बच्ची मृत तो पैदा नहीं हुई। इधर, पूर्वी दिल्ली में जनता कफ्यरू के बीच यमुनापार के आनंद विहार और ओल्ड अनारकली में अलगअलग घटनाओं में दो दुकानों में आग लग गई। हालांकि, इनमें कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन लाखों रुपये के मूल्य का सामान जलकर राख गया। पुलिस को आशंका है कि आग शार्ट सर्किट के कारण लगी। पुलिस और दमकल विभाग आग के कारणों की जांच कर रहे हैं। दमकल विभाग के मुताबिक, 5:54 बजे उन्हें बालाजी मंदिर, ओल्ड अनारकली स्थित दुकान में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यहां किसी को कोई हताहत नहीं पर काफी नुकसान हुआ है। इससे पहले सुबह नौ बजे ए ब्लॉक, आनंद विहार में एक दुकान में आग लग गई थी। किराने की दुकान का शटर तोड़कर आग पर काबू पाया गया। यहां भी कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन दुकान में रखे सामान जल गए हैं।

मुंडका-बॉर्डर पर पुलिस चेकिंग जरूरी वाहनों की हो रही एंट्री

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मुंडकाहरियाणा बॉर्डर पर पुलिस की जबरदस्त मुस्तैदी दिख रही है। जिसमें हरियाणा की तरफ से आने वाली गाड़ियों को चेक किया जा रहा है, जिस गाड़ी में पेशेंट हैं, उन्हें जाने दिया जा रहा है और जिनमें लोग बिना किसी जरूरी वजह से दिल्ली में आ रहे हैं, उन्हें बॉर्डर पर ही रोक दिया जा रहा है। आप देख सकते हैं की किस तरह कोरोना वायरस के चलते यह मुंडका बॉर्डर सील किया गया है।

बॉर्डर पर बैरिकेडिंग करके चेकिंग की जा रही है उसके बाद ही हरियाणा की तरफ से आने वाली गाड़ियों को दिल्ली में एंट्री दी जा रही है। जिन गाड़ियों में खाने पीने का सामान, दवाइयां आदि जो जरूरी सामान है, उसको तुरन्त दिल्ली में एंट्री दी जा रही है। हरियाणा से दिल्ली आने वाले दिल्ली वासियों के लिए परेशानी बढ़ गई है। इस चेकिंग में उन्हें दिक्कत हो रही है, जो दिल्ली के निवासी हैं और किसी काम से दिल्ली से हरियाणा गए हुए थे, लेकिन वापसी में उन्हें पुलिस से दोचार होना पड़ रहा है। जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कोरोनाः भारत में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 468 हुई

मरने वालों की संख्या 9 तक पहुंची, देश के अधिकतर हिस्सों में लॉकडाउन का असर

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 468 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। देश के अधिकतर हिस्सों में सोमवार को लॉकडाउन का खासा असर देखने को मिला। इस बीच केन्द्र सरकार ने वायरस पर नियंत्रण के लिये लागू पाबंदियों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। कोरोना वायरस से दुनियाभर में 14,500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में अब तक सात लोग जान गंवा चुके हैं। पंजाब सरकार ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए सोमवार को कर्फ्यू लागू कर दिया। ऐसा बड़ा कदम उठाने वाला देश का यह पहला राज्य है। अधिकारियों ने बताया कि लोग लॉकडाउन का पालन नहीं कर रहे थे, इसलिए मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने कर्फ्यू की घोषणा की। इस दौरान जरूरी सेवाओं को छोड़कर सभी सेवाओं पर पाबंदी रहेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य सरकारों से यह सुनिश्चित करने के लिये कहा है कि लॉकडाउन के नियमों का सही ढंग से पालन हो रहा है क्योंकि उन्होंने ध्यान दिया है कि कुछ लोग इसका गंभीरता से पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने हिंदी में ट्वीट किया, ''लॉकडाउन को अभी भी कई लोग गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। कृपया करके अपने आप को बचाएं, अपने परिवार को बचाएं, निर्देशों का गंभीरता से पालन करें। राज्य सरकारों से मेरा अनुरोध है कि वो नियमों और कानूनों का पालन करवाएं।'' दिल्ली, झारखंड और नगालैंड ने राज्यव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की है, जबकि बिहार, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में कई जिलों में भी ऐसी ही घोषणा की जा चुकी है। महाराष्ट्र,

केरल, राजस्थान और उत्तराखंड सहित कई राज्य पहले ही आंशिक या पूर्ण लॉकडाउन घोषित कर चुके हैं। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू और चेन्नई समेत देशभर के 80 जिलों में ट्रेन और अंतरराज्यीय बस सेवाएं 31 मार्च तक निलंबित होने से लोगों की यात्रा और आवाजाही पर पाबंदी लगी है।केंद्र ने राज्य सरकारों को लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए कहा है। सरकार के संचार विंग प्रेस इनफॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) ने ट्वीट किया, ''राज्यों से कहा गया है कि वे उन क्षेत्रों में लॉकडाउन को सख्ती से लागू करें, जहां इसकी घोषणा की गई है। उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'' देश ने अलग अलग हिस्सों से कोरोना वायरस से संक्रमण के 55 नए मामले सामने आए हैं, जिससे संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 468 हो गई है। इनमें से सात लोगों की मौत हो चुकी है। संक्रमितों में 41 विदेशी नागरिक हैं। गुजरात, बिहार और महाराष्ट्र में रविवार को एकएक व्यक्ति की मौत हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कर्नाटक, दिल्ली, महाराष्ट्र और पंजाब ने चार लोगों की मौत की खबर दी है। 24 लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दी जा चुकी है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा कि सोमवार सुबह 10 बजे तक 18,383 नमूनों की जांच की जा चुकी है। यह तत्काल स्पष्ट नहीं हुआ है कि नये मामले कहां से आए हैं। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक महाराष्ट्र में कोरोना वायरस से संक्रमण के 67 मामले हैं जिनमें तीन विदेशी नागरिक शामिल हैं। केरल से भी 67 मामले सामने आए हैं जिनमें सात विदेशी शामिल हैं। दिल्ली में संक्रमित लोगों की संख्या एक विदेशी समेत 29 है जबकि उत्तर प्रदेश में एक विदेशी समेत 28 लोग संक्रमित हैं। राजस्थान में दो विदेशी नागरिकों समेत 27 लोग संक्रमण से ग्रस्त हैं। तेलंगाना में 11 विदेशी समेत 26 लोग संक्रमित हैं। कर्नाटक में कोरोना वायरस के 26 मरीज हैं। हरियाणा, पंजाब, गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड सहित देश भर से मामले सामने आए हैं।इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए उन कैदियों को श्रेणीबद्ध करने के लिये उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्देश दिया, जिन्हें पैरोल पर रिहा किया जा सकता है। वहीं, सीएए के खिलाफ मुंबई के नागपाडा में सीएए के खिलाफ चल रहे 'मुंबई बाग' विरोध प्रदर्शन को रोक दिया गया है। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने यह जानकारी दी। यह प्रदर्शन इस साल 26 जनवरी से चल रहा था।इधर तमिलनाडु में मंगलवार शाम छह बजे से 31 मार्च तक लॉकडाउन लागू रहेगा। मुख्यमंत्री के पलानीसामी ने इसकी घोषणा की। पलानीसामी ने सोमवार को विधानसभा में बयान दिया कि जरूरी सामानों और आपात सेवाओं को छोड़कर सार्वजनिक तथा निजी परिवहन बंद रहेगा। राज्य में कोरोना वायरस के अबतक नौ मामले सामने आ चुके हैं। लॉकडाउन के बीच सोमवार को लोगों के बीच जरूरी सामान खरीदारी को लेकर गहमागहमी देखने को मिली। मणिपुर के मुख्य सचिव तेमजिन टोये ने रविवार को आश्वासन दिया था।

सभी वस्तु ई कॉमर्स कंपनियों द्वारा बेचे जाने पर लगे प्रतिबन्ध

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों में लगाए गए पूर्ण लॉकडाउन, अनेक राज्यों में आंशिक रूप से लॉकडाउन तथा देश में कोरोना वायरस के सामुदायिक संक्रमण से निपटने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा उठाये गए विभिन्न क़दमों का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा है की कोरोना से निपटने के लिए यह सभी कदम बेहद आवश्यक हैं और दिल्ली सहित देश के व्यापारी इसका पूर्ण रूप से पालन करेंगे ! कैट ने वर्तमान विकत परिस्थितियों में ई कॉमर्स कंपनियों के बिज़नेस व्यवहार पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा की ऐसे समय में जब लॉकडाउन के कारण कई राज्यों में व्यापारिक बाजार बंद हैं वहीँ ईकॉमर्स कंपनियां सभी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियों के लिए स्वतंत्र हैं जो बराबरी के सिद्धांत का खुला उल्लंघन है ! इस मुद्दे पर कैट ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और उपभोक्ता मामलों के मंत्री रामविलास पासवान से आग्रह किया है कि केवल आवश्यक वस्तुओं जिनको ऑफलाइन व्यापार में अनुमति है , में ही ई कॉमर्स कंपनियों

व्यापारियों एवं लघु उद्योग को कोरोना कैश लोन देने का कैट का आग्रह

को व्यापार करने की अनुमति दें और बाकी अन्य सामानों के लिए ई कॉमर्स कंपनियों को अपने पोर्टल बंद करने के लिए निर्देशित करें ! संकट के इस समय इन कंपनियों को व्यापारियों के मुकाबले ज्यादा अनुमति देना कतई उचित नहीं है! कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी.भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीथारमन से आग्रह किया है की देश के घरेलू व्यापार पर कोरोना वायरस के प्रभाव का आंकलन किया जाए और पूर्ण लॉकडाउन, आंशिक लॉकडाउन और अन्य कदमों के मद्देनज़र वर्तमान वित्तीय वर्ष को 30 जून तक बढ़ाया जाए । आयकर और जीएसटी के तहत सभी रिटर्न दाखिल करने और करों का भुगतान भी 30 जून तक के लिए बढ़ाया जाए और विस्तारित अवधि के लिए व्यापारियों पर कोई ब्याज या जुर्माना नहीं लगाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा की बैंक ऋण और ईएमआई का भुगतान भी 30 जून तक के लिए स्थगित कर दिया जाना चाहिए और विस्तारित अवधि के लिए कोई ब्याज नहीं लिया जाना चाहिए।

केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को गैर बैंकिंग वित्त कंपनियों और माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस को मजबूत करने के माध्यम से राजकोषीय प्रोत्साहन और बैंक ऋण का पुनर्पूंजीकरण करना चाहिए।

असम- 31 मार्च तक लॉकडाउन

गुवाहाटी । देश भर में पांव पसारते कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए सभी राज्य की सरकारें युद्ध स्तर पर लगी हैं। देश के कई राज्यों में लॉकडॉउन का ऐलान कर दिया गया है। इसी कड़ी में असम में भी मंगलवार से लेकर 31 मार्च तक लॉकडॉउन का ऐलान किया गया है। सोमवार को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने इसकी घोषणा की। सोमवार को मीडिया से बात करते हुए सरमा ने कहा कि कोरोना वायरस के मद्देनजर असम में मंगलवार रात छह बजे से 31 मार्च तक लॉकडाउन लागू रहेगा। उन्होंने बताया कि दवाओं, चिकित्सा, जल आपूर्ति, बैंकिंग और पेट्रोल पंप जैसी आवश्यक सेवाओं को लॉकडाउन के दायर से बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा कि राज्य की सीमा को बंद कर दिया है और आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को छोड़कर सभी वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी रहेगी। देश में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़कर 415 हो गई है। इनमें 41 विदेशी शामिल हैं। वहीं, कोरोना से 8 लोगों की मौत भी हो चुकी है।

शहीद दिवस पर नायडू ने दी भगत सिंह सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की शहादत को नमन करते हुए सोमवार को शहीद दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। नायडू ने ट्वीट किया, 'शहीदएआजम भगत सिंह, राजगुरु तथा सुखदेव की अमर शहादत का आज का दिन, भारतीय इतिहास की वह महत्वपूर्ण तिथि है जो जनमानस में संकल्प और प्रेरणा की तिथि के रूप में सदैव स्थापित रहेगी।'

उन्होंने कहा, 'अमर बलिदानियों की पुण्य स्मृति को सादर नमन करता हूं।' उल्लेखनीय है कि भारत से ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फेंकने के लिए क्रांति का बिगुल फूंकने वाले तीन महान क्रांतिकारियों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को 23 मार्च 1931 को फांसी दी गई थी। उनकी शहादत की याद में 23 मार्च को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। नायडू ने सोमवार को ही समाजवादी विचारक राममनोहर लोहिया की जयंती पर उन्हें भी

श्रद्धांजलि दी।

नायडू ने ट्वीट किया, 'आज प्रख्यात राष्ट्रवादी, समाजवादी विचारक, लेखक, स्वाधीनता आंदोलन के प्रसिद्ध नेता राम मनोहर लोहिया जी की जन्म जयंती के अवसर पर उनकी पुण्य स्मृति को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।' उन्होंने कहा, 'आपने (लोहिया जी) आजीवन दुर्बल वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया।

जाति प्रथा तथा उपनिवेशवाद का विरोध कर, सामाजिक और आर्थिक दर्शन में समानता के संस्कार को स्थापित किया।' लोहिया का जन्म 23 मार्च 1910 को उत्तर प्रदेश के फैजाबाद जिले में हुआ था। स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लेने वाले लोहिया ने आजाद भारत में समतामूलक समाज की स्थापना के लिए समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने राम मनोहर लोहिया की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सामाजिक सशक्तिकरण पर उनके विचार हमेशा याद किए जाएंगे। लोहिया का जन्म 1910 में हुआ था।

केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया

तिरुवनंतपुरम, (वेबवार्ता)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कोरोना वायरस के प्रकोप पर लगाम लगाने के स्वास्थ्य कर्मियों के ''साहसिक प्रयासों को सलाम किया' और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि जहां पूरी दुनिया ''कोरोना वायरस के अप्रत्याशित खतरे से सकते में है', तब ये स्वास्थ्य कर्मी ही हैं जो अन्य लोगों की जान बचाने के लिए अपने प्रियजनों से दूर हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से प्रस्तावित 'जनता कर्फ्यू' का पालन करते हुए लाखों लोग रविवार को घरों से बाहर नहीं निकले और स्वास्थ्य कर्मियों एवं अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े कर्मियों के प्रति आभार जताने के लिए शाम पांच बजे केवल कुछ मिनटों के लिए बाहर आए थे। विजयन ने विज्ञप्ति में कहा, 'स्वास्थ्य कर्मी हर आपदा में हमारी देखभाल करते हैं। वे दुनिया भर में मनुष्यों को जीवित रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ये डॉक्टरों, नर्सों, लैब/थियेटर तकनीशियन, सफाई कर्मी, फार्मासिस्ट, एंबुलेंस चालक, काउंसलर, स्वास्थ्य निरीक्षक, आशा कर्मी और अन्य की ओर से लगातार किए जा रहे प्रयास हैं जो हमें सुरक्षित रहने में मदद कर रहे

हैं।' उन्होंने पुलिस, अग्निशमन और कारागार विभागों की भी सराहना की और कहा कि कुदुम्बश्री कर्मियों, छात्रों और अन्य समेत युवाओं ने कोरोना वायरस के प्रकोप से लड़ने की राह दिखाई है। मुख्यमंत्री ने फेसबुक पोस्ट में कहा, 'हमें कोविड19 के खिलाफ लंबी जंग लड़नी है। हम हर किसी के समर्थन के साथ इस वायरस के खतरे से लड़ेंगे। मैं आप सभी को सलाम करता हूं।'

लखनऊ में सीएए-NRC का प्रदर्शन स्थगित

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्टर (एनआरसी) के खिलाफ चल रहे धरना प्रदर्शन को कोरोनावायरस के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर आज स्थगित कर दिया गया है। दरअसल, कोविड19 संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए लखनऊ को लॉकडाउन किया गया है। ऐसे में प्रशासन ने प्रदर्शनकारी महिलाओं से अपील की, जिसके बाद प्रदर्शन को स्थगित कर दिया गया और धरने पर बैठी सभी महिलाओं को सुरक्षित घर पहुंचा दिया गया है।

पुलिस आयुक्त को लिखे एक पत्र में महिलाओं ने कहा, 'लखनऊ स्थित घंटाघर पर पिछले 66 दिनों से सीएए, एनआरसी और एनपीआर के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन को कोरोना जैसी महामारी से बचने के लिए अस्थाई तौर पर स्थगित किया गया है। जब बीमारी का खतरा नहीं रहेगा, हम अपनी जगह पर यथापूर्वक पुनः धरने पर बैठ जाएंगे। इसके बदले हम सभी महिलाएं संकेत के रूप में अपने दुपट्टों के बनाएं मंच को यथास्थित पर छोड़कर जा रहे हैं।' उन्होंने प्रशासन से कहा है कि उनके संकेतिक धरने को यथास्थिति बनाएं रखने में सहयोग करे। गौरतलब है कि कोरोनावायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए रविवार को शिया धर्म गुरू कल्बे सादिक

सहित अनेक धर्मगुरुओं व धरने में शामिल रहीं सदफ, मुनव्वर राणा की बेटी ने धरने को समाप्त करने की अपील की थी। इसके बाद 17 जनवरी से सीएए और एनआरसी के विरोध में प्रदर्शन पर बैठी महिलाओं ने रविवार रात तीन बजे धरना स्थगित करने का फैसला लिया, जिसके बाद पुलिस की निगरानी में सभी को घर पहुंचाया गया।

कोरोना से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए प्रशासन ने राजधानी को 25 मार्च तक लॉकडाउन करने का फैसला किया है और तत्काल प्रभाव से यह आदेश लागू माना जाएगा। लॉकडाउन होने के बाद आम लोग केवल इमरजेंसी सेवाओं के लिए ही बाहर निकल सकेंगे। सरकार की घोषणा के बाद प्रशासन ने लॉकडाउन का शतप्रतिशत पालन कराने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए।

जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने कहा, 'कोरोना से सुरक्षा ही बचाव का सबसे सही तरीका है। लोग दूरी बना कर रहे इसके लिए जरूरी है कि प्रशासन के निर्देशों का पालन किया जाए, जो भी व्यक्ति प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताए गए सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करता पाया जाएगा उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।'

कोरोना वायरसः कश्मीर में प्राधिकारियों ने बंद लागू किया

श्रीनगर । कश्मीर में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए प्राधिकारियों ने बंद (लॉकडाउन) लागू करना शुरू कर दिया है। पुलिस के वाहनों से शहर और अन्य आवासीय इलाकों में सुबह घोषणा की गई कि सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी गई है जिसके तहत लोगों के जमा होने पर रोक है।

लोगों से आग्रह किया जा रहा है कि वे अपने घरों में ही रहें और बिना किसी जरूरत के बाहर न निकलें। केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने रविवार को जम्मूकश्मीर में 31 मार्च तक बंद की घोषणा की थी ताकि कोरोना वायरस के संक्रमण पर लगाम लगाई जा सके।

स्वास्थ्य सेवा समेत 16 जरूरी सेवाओं से जुड़े लोगों को इस प्रतिबंध से छूट है। अधिकारियों ने बताया कि घाटी में बाजार बंद हैं और सड़कों से सार्वजनिक वाहन नदारद हैं। सिर्फ दवाई और किराने के सामान वाले वाहनों को ही आने जाने की अनुमति है। विदेश से यहां आए कश्मीर के 1,100 से ज्यादा लोगों को अस्थायी स्थलों पर पृथक तौर पर रखा गया है। वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे घाटी से कुछ समय के लिए बाहर न निकलें और जो बाहर हैं, वे यहां न आएं क्योंकि ऐसा करना सुरक्षित नहीं है।

अधिकारियों को कोरोना वायरस प्रभावित देशों से लौट रहे लोगों को पृथक केंद्रों पर रहने के लिए समझाने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई यात्रियों ने दिल्ली से आने के लिए हवाई मार्ग इस्तेमाल नहीं किया या पृथक होने के डर से अपनी यात्रा संबंधी जानकारी छुपाई।

श्रीनगर के उपायुक्त शाहिद इकबाल चैधरी ने कहा कि बैंकॉक, ब्रिटेन, दुबई, बांग्लादेश, कजाखस्तान सहित अन्य देशों से आने वाले 29 लोगों का पता लगाने में स्वास्थ्यकर्मी सफल रहे। इन लोगों ने अपने मार्ग बदल लिए थे या अपनी यात्रा संबंधी जानकारी स्वास्थ्यकर्मियों को नहीं दी थी। घाटी में अब तक संक्रमण का एक मामला सामने आया है।

कोरोना वायरसः आज रात से बंद होंगी घरेलू उड़ानें

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । कोरोना वायरस के मद्देनजर रेल, मेट्रो और अन्तर्राज्यीय बस सेवा के बाद अब केंद्र ने घरेलू उड़ानों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। देश में फैल रहे कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बीते 22 मार्च (रविवरा) को बुलाए गए जनता कर्फ्यू के दिन करीब 15 राज्यों ने लॉकडाउन की घोषणा की थी, जिसके बाद एयरलाइंस सेवाओं को छोड़कर सभी तरह की परिवहन सेवाओं पर 31 मार्च तक के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था। केन्द्रीय नागर विमानन मंत्रालय ने सोमवार (23 मार्च) को एक बयान में कहा कि 25 मार्च से देश में किसी भी घरेलू यात्री विमान को परिचालन की अनुमति नहीं होगी। तेजी से फैल रहे कोरोना वायरस संक्रमण को नियंत्रित करने के लिहाज से यह कदम उठाया गया है। भारत पहले ही रविवार (22 मार्च) से सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक लगा चुका है। मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया, 24 मार्च, 2020 की मध्यरात्रि, भारतीय मानक समयानुसार रात 23:59 पर सभी

घरेलू व्यावसायिक विमानन कंपनियों के संचालन बंद हो जाएंगे।÷ प्रवक्ता ने कहा, विमानन कंपनियों को अपना संचालन इस प्रकार तय करना होगा कि वे 24 मार्च, 2020 रात 23:59 तक अपने गंतव्य पर उतर जाएं। हालांकि, प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि यह पाबंदी मालवाहक जहाजों पर लागू नहीं होगी। इसके साथ ही मंत्रालय ने कहा कि बुधवार (25 मार्च) से भारत में किसी भी घरेलू वाणिज्यिक उड़ान सेवा का परिचालन नहीं होगा। इससे पहले दिन में स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी भारतीय विमानन कंपनियों को कहा था कि वे ऐसे लोगों को विमान में सवार ना होने दें जिनके हाथों पर होम क्वारेंटाइन÷ (घर में पृथक रहने) की मुहर लगी हो।

वहीं, 19 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पूरी तरह से लॉकडाउन की घोषणा की गई है, जबकि 6 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के कुछ हिस्सों में लॉकडाउन की स्थिति है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने सोमवार (23 मार्च) को नियमित प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी।देश में कोविड 19 संक्रमण के मामले बढ़कर 415 हो गए हैं। रविवार रात तक संक्रमित लोगों की संख्या 360 थी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार (23 मार्च) को यह जानकारी दी।

इन आंकड़ों में 41 विदेशी नागरिक और अब तक हुई आठ मौत शामिल है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि गुजरात, बिहार और महाराष्ट्र में रविवार को एकएक मौत हुई, जबकि पहले चार अन्य मौत कर्नाटक, दिल्ली, महाराष्ट्र और पंजाब में हुई थीं। इन 415 संक्रमित लोगों में वे 24 लोग भी शामिल हैं जिनका इलाज किया जा चुका है या ठीक होने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है या वो यहां से चले गए हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा कि सोमवार सुबह 10 बजे तक 18,383 नमूनों की जांच की जा चुकी है। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 15 नए मामले सामने के बाद राज्य में इससे संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 89 हो गई है, जिसमें तीन विदेशी शामिल हैं। अधिकारियों ने सोमवार (23 मार्च) को बताया कि मुंबई में 14 नए मामले और पुणे में एक नया मामला सामने आया है। कोविड19 से महाराष्ट्र में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। केरल से भी 67 मामले सामने आए हैं जिनमें सात विदेशी शामिल हैं। दिल्ली में संक्रमित लोगों की संख्या एक विदेशी समेत 29 है जबकि उत्तर प्रदेश में एक विदेशी समेत 28 लोग संक्रमित हैं। राजस्थान में दो विदेशी नागरिकों समेत 27 मामले हैं।

पाक में बेकाबू हो रहे हालात, उतारनी पड़ी सेना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सार्क देशों में कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित है। मामला हाथ से निकलता देख पाकिस्तान ने अब सेना उतारने का फैसला किया है ताकि सोशल डिस्टेंसिंग को सही से लागू किया जा सके। अब तक देश में 800 से अधिक मामले आ चुके हैं जिसमें सिंध और पंजाब से सबसे अधिक पॉजिटिव केस आए हैं। इन दोनों ही प्रांतों में लॉकडाउन है और अब सरकार सभी प्रांतों में सेना उतार चुकी है। आंतरिक मंत्रालय अलग अलग अधिसूचना जारी की है जिसमें अब सेना उतराने की घोषणा की गई है। दरअसल, सभी प्रांतों और क्षेत्रों ने ऐसी मांग की थी जिसके बाद यह फैसला किया गया। सभी चार प्रांतों के अलावा इस्लामाबाद, पाक अधिकृत कश्मीर और गिलगित बाल्टीस्तान में सेना उतारी जा रही है। यह फैसला संविधान के अनुच्छेद 245 और सीआरपीसी ककी धारा 131 (ए) के तहत लिया गया है। पाकिस्तान में यह तेजी से फैल रहा है। आम और खास कोई भी इससे नहीं बचा। सिंध के मत्री सईद गनी इसकी चपेट में आ गए हैं। शिक्षा, श्रम व मानव संसधान ममंत्री गनी ने ट्विटर के जरिये खुद केकोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि की है। वह सेल्फ आइसोलेशन में चले गए हैं। सिंध प्रांत में सबसे अधिक मामले सामने आए हैं और कोरोना से लड़ने के लिए जल्द पेंशन दे रहा है। यह फैसला इसलिए किया गया क्योंकि यहां 15 दिनों का बंद घोषित कर दिया गया है। उधर, सूचना व प्रसारण मामले पर पीएम इमरान खान की विशेष सहायक डॉ. फिरदौस ऐसा दावा कर रही हैं कि कोरोना केस में 98 प्रतिशत मरीजों के रिकवर कर जाने के उम्मीद है। उन्होंने कहा, मीडिया को यह खबर भी दिखानी चाहिए कि लोग रिकवर कर गए हैं। ताकि लोगों में घबराहट और डर न फेले।